



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 13] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 29, 1980 (चैत्र 9, 1902)
No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 29, 1980 (CHAITRA 9, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 फरवरी 1980

सं० ए० 35014/2/80-प्रशा०-II—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 35017/1/79-प्रशा० II दिनांक 10-9-79 और 6-12-79 के अधिक्रमण में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के के० सं० से० संवर्ग के स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री एम० पी० जैन को 10-9-1979 से एक वर्ष की अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हों, लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

श्री एम० पी० जैन लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर होंगे और उनका वेतन वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के समय-समय पर यथा-संशोधित का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)/ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 में उल्लिखित अनुदेशों की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

सं० ए० 35014/2/80-प्रशा०-II—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 35017/1/79-प्रशा० II दिनांक 516GI/79

5-1-1980 के अधिक्रमण में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सं० लो० से० आ० के के० सं० से० संवर्ग के अस्थायी अनुभाग अधिकारी श्री के० एल० कटयाल को 1-1-1980 से एक वर्ष की अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हों, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

श्री के० एल० कटयाल, लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर होंगे और उनका वेतन वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के समय-समय पर संशोधित का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)/ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 में उल्लिखित अनुदेशों की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव
कृते सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 फरवरी 1980

सं० ए० 32013/3/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचनाओं दिनांक 17-9-79, 2-11-79 और 9-1-1980 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा

आयोग में के० स० से० संवर्ग के स्थाई ग्रेड-I अधिकारी श्री एस० के० बोस और श्री एम० आर० भागवत, को राष्ट्रपति द्वारा क्रमशः 19-2-1980 और 24-2-1980 से तीन मास की अतिरिक्त अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग, के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया है।

एस० बालचन्द्रन
अवर सचिव

समन्वय निदेशालय

(पुलिस संचार)

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1980

सं० ए० 12012/1/79-प्रशासन—निदेशक, पुलिस दूर-संचार, समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में श्री पी० एस० कंडोला को उक्त निदेशालय में अगले आदेशों तक स्थानापन्न अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर वेतनमान में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- पर दिनांक 15-2-80 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

छत्रपति जोशी
निदेशक

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी 1980

सं० ए० 11/54/74—श्री एम० एस० मलहोत्रा, प्रवर्तन अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय, दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय को, दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 17-11-79 से अगले आदेशों तक के लिये मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 4 मार्च 1980

सं० ई०-3(36)/72—श्री ए० बी० चक्रवर्ती, प्रवर्तन निदेशालय, कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय के प्रवर्तन अधिकारी को प्रवर्तन निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 13-2-80 से अगले आदेशों तक के लिये मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

एस० डी० मनचन्दा
निदेशक

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली 110019, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० ई०-16016/2/79-कार्मिक—महानिरीक्षक/के० औ० सु० ब०, श्री प्रेम नाथ ओबराय, सहायक को 21 फरवरी, 1980 के अपराह्न से महानिरीक्षक/के० औ० सु० ब० के कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं। श्री ओबराय ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से संभाल लिया।

सं० ई०-28013/1/79-कार्मिक—निवर्तन की आयु होने पर श्री चंदगी राम ने 1 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, एम० आई० एल०, नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-16016/2/79-कार्मिक—महानिरीक्षक/के० औ० सु० ब०, श्री जनक राज शर्मा, सहायक को 21 फरवरी, 1980 के अपराह्न से महानिरीक्षक/के० औ० सु० ब० के कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं। श्री शर्मा ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से संभाल लिया।

दिनांक 7 मार्च 1980

सं० ई०-38013(3)/10/79-कार्मिक—विशाखापटनम से स्थानान्तरित होने पर श्री पी० डेविड ने 13 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट सेलम इस्पात परियोजना सेलम के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/20/79-कार्मिक—झांसी से स्थानान्तरित होने पर, श्री आर० के० भगत ने 22 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व (उ० व प० क्षेत्र) भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)/1/79-कार्मिक—उदयपुर को स्थानान्तरित होने पर श्री पी० सी० गुप्ता ने 24 जनवरी,

गृह मंत्रालय

का० एवं० प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1980

सं० बी-2/73-प्रशा०-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री बी० आर० लक्ष्मीनारायणन, भारतीय पुलिस सेवा (तमिलनाडु-1951), अपर निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवायें दिनांक 3 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से तमिलनाडु राज्य सरकार को सौंपी जाती हैं।

दिनांक 10 मार्च 1980

सं० ए० -19010/2/78-प्रशा०-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री आर० डी० सिंह, भारतीय पुलिस सेवा (1949-बिहार), निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवायें दिनांक 22 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से बिहार राज्य सरकार को सौंपी जाती हैं।

की० ला० श्रोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

1980 के अपराह्न से के० श्री० सु० व० यूनिट फरक्का बांध परियोजना फरक्का के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई० 38013(3)/25/79-कामिक—मागर को स्थानान्तरित होने पर श्री एच० एम० पन्नू ने 31 जनवरी, 1980 के अपराह्न से के० आ० सु० व० यूनिट, आर०एस०पी० राउरकेला के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सु० नाथ
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 मार्च 1980

सं० 6/1/74-म० पं० (प्रशा०-I)—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में निम्नलिखित कन्सोल अपरेटर की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर नियुक्ति की अवधि को इस कार्यालय के कालम 3 में वर्णित पिछले संदर्भ में दी गई शर्तों पर, तारीख 30 जून, 1980 तक या अगले आदेशों तक, जो भी समय इनमें पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं:—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	पिछला संदर्भ संख्या और तारीख
1	2	3
1.	श्री आर० एन० तलवार	6/1/74-म० पं० (प्रशा० -1) तारीख 21 फरवरी, 1979
2.	श्री आर० एल० पुरी	10/12/79-प्रशा०-1 तारीख 3 मार्च, 1979

पी० पद्मनाभ
महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 1 मार्च 1980

सं० क्र० बी० एन० पी०/सी०/5/80—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/79 दिनांक 22-1-80 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री एन० जी० किंबे, लेखा अधिकारी की नियुक्ति 20-6-80 तक बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में वर्तमान शर्तों के आधार पर बढ़ाई जाती है।

दिनांक 5 मार्च 1980

सं० क्र० बी० एन० पी०/सी०/5/80—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/79 दिनांक 24-7-79

के अनुक्रम में श्री गेन्दालाल डामोर की उप-नियन्त्रण अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि दिनांक 30-6-80 अथवा स्थाई पदधारी के अपने पद पर वापस होने की तिथि तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ायी जाती है।

पी० एम० शिवराम
महाप्रबन्धक

(बैकिंग प्रभाग)

पुनर्वास वित्त प्रशासन एकक

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

सं० आर० एफ० ए० भू०/79-एस्टेब्लिशमेंट—पुनर्वास वित्त प्रशासन एकक की कनकता स्थित शाखा कार्यालय पर पर्यवेक्षण-प्रभारी श्री पी० के० सेनगुप्ता को, श्री बी० ब्रह्मा अधीक्षक के स्थान पर जो कि छुट्टी पर हैं, 20 जून, 1979 से 30 नवम्बर, 1979 तक, अस्थाई तौर पर, अधीक्षक नियुक्त किया जाता है।

एन० बालमुन्नियन
प्रशासक

कार्यालय, निदेशक: लेखा परीक्षा

केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 6 मार्च 1980

सं० प्रशा० I/का० आ० सं० 628/5-5/पदोन्नति/79-80/3233--वार्धक्य-निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप इस कार्यालय के स्थाई अनुभाग अधिकारी एवं स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी श्री एम० एम० एल० बक्शी भारत सरकार की सेवा से दिनांक 29 फरवरी, 1980 के अपराह्न में सेवानिवृत्त हो जायेंगे।

उनकी जन्मतिथि 5 फरवरी, 1922 है।

के० एच० छाया
संयुक्त निदेशक ले० पं० (प्र०)

महालेखाकार वा कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद-500476, दिनांक 6 मार्च 1980

सं० प्रशा० I/8-132/79-80/381—श्री एन० श्रीनिवासवारी, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय, आंध्र प्रदेश I सेवा से निवृत्त हुये दि० 29-2-1980 अपराह्न।

सं० प्रशा० I/8-132/79-80/381—श्री के० रमणा स्वामी, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश I सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 29-2-80 अपराह्न।

रा० हरिहरन
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 5 मार्च 1980

सं० स्थापना/प्र०/7/9-86/खण्ड II/230—नीचे बताये स्थाई अनुभाग अधिकारियों को (लेखा और लेखापरीक्षा प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से अगले आदेशों तक लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न होने हेतु नियुक्त करने के लिये महालेखाकार केरल संतुष्ट हुए हैं:—

1. श्री बी० मुरलीधरन (प्रोफोर्मा)—23-2-80 अपराह्न
2. श्रीमती बी० एस० भानुमती अम्माल—23-2-80 अपराह्न।
3. श्री जी० गोविन्दन नायर (प्रोफोर्मा)—23-2-80 अपराह्न।
4. श्री पी० कृष्णन कुट्टी मेनोन—23-2-80 अपराह्न।

मभी पदोन्नतियां तदर्थ आधार पर हैं और 1979 के ओ० पी० सं० 3388 और 3400 में केरल उच्च न्यायालय के अन्तिम आदेशों के अधीन होंगी।

डी० एस० अय्यर
वरिष्ठ महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

आर्डेनेन्स फैक्टरी बोर्ड

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

कलकत्ता-700069, दिनांक 29 फरवरी 1980

सं० 7/80/ए०/ई०-1 (एन० जी०)—महानिदेशक, आर्डेनेन्स फैक्टरियां महोदय, श्री फणि भूषण बनर्जी, स्थाई सहायक, को दिनांक 19-2-80 से अधिम आदेश न होने तक, परेडटा पर बिना प्रभावो हुए वर्तमान रिक्ति में स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर (ग्रुप "बी" राजपत्रित) के पद पर प्रोन्नत करते हैं।

श्री बनर्जी अपनी प्रोन्नति की तारीख से दो वर्षों तक परखावधि पर रहेंगे।

2. महानिदेशक, आर्डेनेन्स फैक्टरियां, महोदय, श्री जगदीश मिश्र शारदा, स्थाई सहायक को दिनांक 19-2-80 से जब तक संबंधित अधिकारी अपने कर्तव्यों को ग्रहण नहीं करता या श्री शारदा का नियमित प्रोन्नति रिक्ति में समाहित होने तक जिसमें जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अवकाश रिक्ति में सहायक स्टाफ अफसर (ग्रुप "बी" राजपत्रित) के पद पर प्रोन्नत करते हैं।

3. महानिदेशक, आर्डेनेन्स फैक्टरियां महोदय, निम्नलिखित व्यक्तियों को भी प्रत्येक के सामने दर्शाए गए पक्षों में और तारीखों से वर्तमान रिक्तियों में प्रवोन्नत करते हैं:—

1. श्री मोहित कुमार सेनगुप्ता, स्थाई सहायक	स्थानापन्न सहायक अफसर (तदर्थ) (ग्रुप बी० राज- पत्रित)	19-2-80 से यू० पी० एस० सी० की सीधी भर्ती की तैनाती होने तक या नियमित प्रोन्नति रिक्ति में उनके समाहित हो जाने तक, जो भी पहले हो।
2. श्री जगदीश चन्द्र घोष, स्थाई सहायक	वही	वही
3. श्रीमती छवी सेन, स्थायी सहायक	वही	वही
4. श्रीमती लीना गुहा, स्थायी सहायक	वही	वही
5. श्री संतोष कुमार दास, स्थाई सहायक	वही	वही

उपर्युक्त व्यक्तियों ने दिनांक 19-2-80 से सहायक स्टाफ अफसर की उच्चतर कार्यभार ग्रहण कर लिया केवल श्रीमती लीना गुहा ने 25-2-80 से उच्चतर कार्यभार ग्रहण किया।

डी० पी० चक्रवर्ती
ए० डी० जी० ओ० एफ०, प्रशासन
कृते महानिदेशक

भारतीय आर्डेनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1980

सं० 8/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० के पद पर, उनके सामने वर्गीय गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री डी० बी० के० राव, तकनीकी स्टाफ अफसर—
पहली नवम्बर, 1979।

सं० 9/80/जी०—राष्ट्रपतिजी निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर उनके सामने वर्गीय गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—

1. श्री वेद प्रकाश कमरा—17 दिसम्बर, 1979
2. श्री संजय कुमार सिंह चौहान—14 जुलाई, 1979
3. श्री प्रनव कुमार कर्मकार—13 दिसम्बर, 1979।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 5 मार्च 1980

सं० 40011(1)/80-प्रशा०-II-रक्षा लेखा महानियंत्रक निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को, स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के रूप में, आगामी आदेश पर्यन्त, प्रत्येक के नाम के समक्ष लिखी तारीख से एतद् द्वारा नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	संगठन	दिनांक
1		2	3
सर्वश्री			
1.	कुलवन्त सिंह बख्शी	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	10-8-79 (अनुक्रम नियम के अधीन लाभ सहित 19-5-78 से)
2.	एम० एल० मल्होत्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	30-1-79
3.	मोहन सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	13-11-78
4.	जी० आर० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान), मेरठ	13-11-78
5.	एस० कृष्णास्वामी	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिण कमान) पुणे	27-1-79
6.	आर० डी० गोयल	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	22-2-79
7.	आर० सी० भारद्वाज	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	11-1-79
8.	एन० गोविन्दराव	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	12-12-78
9.	सुशील कुमार	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	29-12-78
10.	शांति कुमार जैन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तरी मेरठ	30-12-78
11.	गोरला अर्जुन	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	6-12-78
12.	कृष्ण कुमार गोयल	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	18-12-78
13.	ओ० पी० मल्होत्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	1-1-79
14.	जी० एमलिंगम सुब्रामनियम	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	3-1-79
15.	राधे श्याम अग्रवाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	8-1-79
16.	एस० वेंकटरमन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	10-1-79
17.	सुन्दर लाल शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (उत्तरी कमान) जम्मू	5-1-79
18.	केवल कृष्ण	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	7-4-79
19.	दर्शन लाल जैन	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	1-1-79
20.	रिपदुमन सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	17-1-79
21.	वसंत राव डांडे	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	23-1-79
22.	जयपाल सिंह ठाकुर	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	22-1-79
23.	के० नारायणन् कुट्टी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	17-1-79
24.	सी० के० चन्द्रशेखरन नायर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	29-1-79
25.	वी० एन० गुप्ता	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	8-1-79
26.	हरि कृष्ण	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	3-1-79
27.	जगदीश चन्द्र विश्वास	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	8-1-79
28.	समे सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	1-1-79
29.	वी० आर० चेल्लापन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	3-1-79
30.	एन० पी० कुरील	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	1-1-79
31.	रमेश चन्द	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	10-1-79
32.	अतर सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	13-3-79
33.	एम० आई० चावड़ा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	1-1-79
34.	जगतार सिंह	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	2-1-79
35.	लक्ष्मी नारायण अहारवार	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	1-1-79
36.	एन० नरासिम्हून	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	11-2-79

1	2	3
37. गोपालजी कपूर	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	1-2-79
38. महेश चन्द्र मेहता	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	2-1-79
39. डी० एस० गोखले	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी कमान) पुणे	18-1-79
40. पी० के० परमेश्वरन नायर	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	24-1-79
41. एस० रंगा स्वामी	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	29-1-79
42. पी० आर० नागराज	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	3-1-79
43. श्री नारायण चौरसिया	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	22-1-79
44. ओम प्रकाश कोहली	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	24-2-79
45. शिव मूर्ति स्वामी	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	30-1-79
46. एन० जी० शंकरन कुट्टी मेनन	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	25-1-79
47. तिलक राज साठे	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	24-1-79
48. पी० आर० रामाचन्द्रन	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	24-2-79
49. ए० गोपात्रि	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	14-2-79
50. ओखे लाल अग्रवाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	26-2-79
51. उत्पलेन्दु भावुडी	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	13-2-79
52. एम० एल० रस्तोगी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	26-3-79
53. एम० एस० गवकारी	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी कमान) पुणे	26-2-79
54. सत्य पाल नन्दा	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	28-2-79
55. आर० बालासुब्रह्मणियम	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	19-2-79
56. जगदीश प्रसाद शर्मा	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	2-5-79
57. पी० सी० जोसफ (अब सेवा निवृत्त)	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	1-2-79
58. एच० के० कपूर (अब सेवा निवृत्त)	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	1-2-79
59. आर० जान	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	26-5-79
60. मदन लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	26-2-79
61. बी० एस० तपे	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-2-79
62. के० पी० एलबाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	20-2-79
63. कृष्ण दास (अब सेवा निवृत्त)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिणी मद्रास	2-2-79
64. भगवान स्वरूप	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	29-3-79
65. के० विप्रवेशरन (अब सेवा निवृत्त)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-2-79
66. के० एल० शर्मा	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	13-2-79
67. गुरवक्स राय अग्रवाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (उत्तरी कमान) जम्मू	17-3-79
68. के० बी० नागेश्वर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	24-3-79
69. विशान दास भारद्वाज	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	5-11-79
70. आनन्द कुमार	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	10-8-79
71. हंस राज कटवारिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	19-3-79
72. एस० एस० शान्तिकर (अब सेवा निवृत्त)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	1-3-79
73. आर० बी० गोडखीन्डी . (अब सेवा निवृत्त)	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी कमान) पुणे	2-3-79
74. आर० जी० कुलकर्णी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	28-5-79
75. जी० बैकटारमन	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	1-3-79
76. अजीत सिंह भट्टी	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	1-3-79
77. सी० एल० मल्होत्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-3-79
78. जी० बी० रघुनाथ राव	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	3-3-79
79. टी० एस० रामामूर्ति	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	3-3-79
80. सुख देव शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	15-3-79
81. के० आर० बैकटारामानन्	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-3-79
82. रोशन लाल वोहरा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	30-8-79
83. विष्णु पद बोस	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	1-3-79

1	2	3
84. एस० आर० अग्रवाल (अब सेवा निवृत्त)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	1-3-79
85. एन० राधा कृष्णन	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	23-3-79
86. आर० जे० कुलकर्णी	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	2-4-79
87. हर मोहिन्दर सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	2-4-79
88. ज्ञान चन्द	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	2-4-79
89. वी० आर० राधाकृष्णन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	12-4-79
90. रतन सिंह जायसवाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	2-4-79
91. एस० ए० सबनीस	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	23-4-79
92. टी० एस० रावत	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	15-12-79
	(2-4-79 से अनुक्रम नियम लाभ सहित)	
93. घनेश्वर स्वरूप	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	26-10-79
94. गणेश शुक्ला	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	31-5-79
95. निसार अहमद अंसारी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	11-4-79
96. आर० कृष्णमूर्ति	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	2-4-79
97. टी हनुमान प्रसाद	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	7-4-79
98. आई० वी० शर्मा (सम्प्रति दिवंगत)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	2-4-79
99. बी० आर० धोहरा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	2-4-79
100. देश राज घोषर	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	11-4-79
101. बैरियन जचार्या	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	12-4-79
102. जे० एस० अगते	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	30-5-79
103. रणजीत सिंह राणा	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	11-6-79
104. आर० के० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	30-5-79
105. आर० वकटेश्वरन्	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	28-5-79
106. विजय शंकर लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	1-5-79
107. के० वी० नटराजन	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	5-5-79
108. के० एल० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान मेरठ	28-5-79
109. देश राज बत्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	6-6-79
110. के० परमेश्वरन्	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	1-5-79
111. पी० के० भट्टाचार्याजी	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	1-5-79
112. एस० एन० चड्ढा	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-5-79
113. के० एल० धोहरा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	29-6-79
114. भगवती नाथ श्रीवास्तव	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	31-5-79
115. बी० वी० शंकरानारायणन्	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	14-5-79
116. रिछ पाल सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद	1-5-79
117. एस० सी० मिश्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	30-8-79
118. वी० जी० परांजपे	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	1-5-79
119. के० के० जोसफ	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	30-5-79
120. वाई० के० वानी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	25-6-79
121. वी० सुब्रह्मण्यम	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	14-5-79
122. खेन सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना), देहरादून	27-8-79
123. एम० मोहन राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	10-5-79
124. सारदूल सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	30-5-79
125. के० एन० पौलूसे	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	1-5-79
126. गुरदीप सिंह चावला	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-6-79
127. श्री निवास शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	6-6-79
128. जोगिन्दर सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	2-6-79

1	2	3
129. डी० के० भल्ला	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	13-6-79
130. एम० एम० त्यागी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	18-6-79
131. श्रीम प्रकाश गर्ग	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	19-6-79
132. टी० जे० सेबास्टियन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	11-6-79
133. ए० सी० सुन्दराजन	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	13-6-79
134. सी० वैकटाचलापथीराव	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	1-6-79
135. टी० जी० वैकटामुन्नहयनियम	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	7-6-79
136. प्रेम चन्द कपिला	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	4-6-79
137. रामचन्द्र श्रीवास्तव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	29-6-79
138. ए० राधाकृष्णामूर्थी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	7-6-79
139. कुलदीप राज शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	30-6-79
140. पी० सुब्रह्मणियम	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	1-6-79
141. कुबेर सिंह	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	6-6-79
142. मूल चन्द गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	30-8-79
143. के० वीराशंकर राव	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	5-6-79
144. ए० नागाभूषणराव	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	8-6-79
145. भास्करन कुट्टीमेतन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिणी, मद्रास	2-7-79
146. कैलाश चन्द्र	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	4-7-79
147. दीना नाथ जैरथ	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	7-7-79
148. वी० बी० रौत	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	27-7-79
149. के० सुब्रह्मणियम	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	2-7-79
150. प्यारा लाल	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	28-7-79
151. के० एल० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	16-7-79
152. सरन प्रसाद अग्रवाल	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	3-7-79
153. मोहन लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण कमान, पुणे	16-7-79
154. शान्त कुमार जैन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	28-9-79
155. एस० कालीदास	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	13-7-79
156. पी० सत्यानारायनमूर्ति	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	26-7-79
157. सैयद मुहम्मद अली साजाद	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	5-7-79
158. शिव किशन शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	9-7-79
159. कृष्ण बल	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	6-8-79
160. अब्राहम बर्गीज	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	10-7-79
161. मूल चन्द्र अग्रवाल	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	24-7-79
162. लाजपत राय मोहन्या	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	2-7-79
163. एम० जी० बन्तीबले	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	6-7-79
164. नरेन्द्र पाल सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	4-7-79
165. आर० डी० पल्टा	रक्षा लेखा नियंत्रक (निधि) मेरठ	1-8-79
166. जी० राजशेखरन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	3-8-79
167. एम० एन० चक्रवर्ती	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	7-8-79
168. कृष्ण लाल मल्होत्रा	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	13-8-79
169. के० जी० गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-8-79
170. एम० नागार्जनम अय्यर	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	10-8-79
171. ए० श्रीरमन	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी कमान) पुणे	9-8-79
172. वी० चन्द्राशेखरन पिल्लार्ई	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	30-8-79
173. एम० गोविन्दन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	3-8-79

1	2	3
सर्वश्री		
174. मलील कुमार मेन गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	24-9-79
175. बलदेव राज भाटिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	31-8-79
176. वी० के० जोगलेकर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	1-8-79
177. वी० एन० बनर्जी	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	1-8-79
178. एच० आर० खुराना	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	7-8-79
179. मत्थनारायण बोस	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	1-8-79
180. ओम प्रकाश सैनी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	3-10-79
181. एम० देवराजलू	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-8-79
182. डी० के० अकुरुट	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	10-8-79
183. के० मुयुस्वामी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	1-8-79
184. एम० जी० माण्फोल्ड	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-9-79
185. महेन्द्र पाल गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	27-8-79
186. शीकत अली खान	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	8-10-79
187. जे० एम० कोठर	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-9-79
188. ए० आर० सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	1-9-79
189. राम कुमार गौड	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-9-79
190. एन० जे० दातार (अब सेवा निवृत्त)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	1-9-79
191. आर० राघवन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	10-9-79
192. मोहम्मद अफ़जल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	17-9-79
193. एस० वरराजन	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	1-9-79
194. बी० वी० नरसिंहन्	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	1-9-79
195. जी० एस० पान्डे	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	10-9-79
196. पी० एस० नागराजा राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	3-9-79
197. आर० वी० पटवर्धन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	1-9-79
198. ओउम प्रकाश गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	30-10-79
199. आर० पी० एस० नेगी	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	10-9-79
200. के० पद्मनाभन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	3-9-79
201. जी० एस० बाजपेयी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	24-10-79
202. जै पाल सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	24-10-79
203. के० ए० शाहुल हमीद	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	12-9-79
204. विनोद कुमार जैन	रक्षा लेखा नियंत्रक (प्रशिक्षण) मेरठ	1-9-79
205. नन्द कुमार	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-9-79
206. ए० एस० तनेजा	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	3-10-79
207. राम भगोसे श्रीवास्तव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	3-10-79
208. एस० एस० चड्ढा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	11-10-79
209. राधे श्याम	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	29-10-79
210. इगनाटिएस विल्सन	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	17-10-79
211. के० सी० कक्कड़	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	3-10-79
212. राम कृपाल गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	31-10-79
213. प्रताप चन्द्र शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	30-10-79
214. ए० जनार्दन राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	8-10-79
215. जनक राज मुद्गिल	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	3-10-79
216. गोपुरी पेल्ला रेड्डी	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	25-10-79
217. ए० डी० रानाडे	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	3-10-79

1	2	3
सर्वश्री		
218. ब्रिज लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	26-10-79
219. कृष्ण कुमार सोवती	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	30-10-79
220. तिलक राज चट्टा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मद्रास	15-10-79
221. कृष्ण चन्दर रामपाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	3-10-79
222. ए० वी० जोगा राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	8-10-79
223. विष्णु कुमार मिश्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	29-10-79
224. टी० एस० बेंकटारमन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	22-10-79
225. श्याम नारायण श्रीवास्तव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	27-10-79
226. धर्माजी सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	29-11-79
227. के० वी० रमन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	9-10-79
228. ० रामानुजराव	रक्षा लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	30-10-79
229. विजय प्रकाश अस्थाना	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	27-12-79
230. अम्लेन्दु कुमार भट्टाचार्या	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	13-11-79
231. एच० बी० ककटकर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	12-11-79
232. एल्फ्रेड जंग	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	2-11-79
233. पूरन राम प्रकाश	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	9-11-79
234. सुदर्शन चन्द्र गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	2-11-79
235. एम० आर० गणेशन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	2-11-79
236. ईश्वर कुमार जैन	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	29-11-79
237. जे० कृष्णामूर्ति	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	29-11-79
238. एम० वेंकटेश्वरा राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	22-11-79
239. पी० सुब्बाराव	रक्षा लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	2-11-79
240. के० वी० एस० ब्रह्म	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण कमान, पुणे	3-11-79
241. एम० गोपाल राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	24-11-79
242. राम प्रकाश	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	2-11-79
243. एच० पी० कनौजिया	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	2-11-79
244. एम० सी० मुचकुन्दन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	2-11-79
245. के० कालेस्वरन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	2-11-79
246. एम० एस० खारत	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	2-11-79
247. वाई० आर० विषराज	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	2-11-79
248. शिव प्रसाद डागोड़	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	2-11-79
249. श्री नाथ केशरी	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	3-12-79
250. एन० ए० कृष्णन्	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	6-12-79
251. तारा चन्द	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	3-12-79
252. राम भजो	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	3-12-79
253. मोहिन्दर लाल भोला	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	3-12-79
254. राम स्वरूप	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	3-12-79
255. नाथुनी राम	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	7-12-79

के० पी० राव

रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

उद्योग मन्त्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 फरवरी 1980

सं० ए०-19018 (450)/79-प्रशासन (राजपत्रित):—
विकास आयुक्त (लघु उद्योग), उद्योग सेवा संस्थान, त्रिचूर
के स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण एवं
सांख्यिकी) श्री के० अण्णुनि को दिनांक 29 अक्टूबर, 1979
(पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान,
गोआ से तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-II (आर्थिक
अन्वेषण/डाटा रैक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त
उपनिदेशक (प्रशा०)

स्वास्थ्य योजना में वो फरवरी 1980 पूर्वाह्न से अस्थाई आधार
पर होमियोपैथिक फिजिशियन के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1980

सं० ए० 19019/3/78-एन० आई० सी० डी० प्रशा० I—
अपना इस्तीफा मंजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० लिआउद्दीन
खान ने 24 जनवरी, 1980 अपराह्न को राष्ट्रीय संचारी रोग
संस्थान, दिल्ली के सहायक निदेशक (कवक विज्ञान) के पद
कार्यभार छोड़ दिया है।

शामलाल कुठियाला
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात, खान और कोयला मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 5 मार्च 1980

सं० 1334 एन०/ए०-19012 (4-आई० एम०)/78-
19 बी०—श्री इतेसाहदीन मोहम्मद ने भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण में ड्रिलर के पद का कार्यभार 4 जुलाई, 1976 के अप-
राह्न से त्यागपत्र देकर छोड़ दिया है।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महा निदेशक।

परमाणु ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० प ख प्र-1/12/79-प्रशासन—इस कार्यालय की दिनांक
5-2-1980 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में परमाणु ऊर्जा
विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु
खनिज प्रभाग के सहायक लेखाकार श्री ए० सी० बनर्जी को उसी
प्रभाग में 30-1-1980 से 2-2-1980 तक की अवधि के लिए
श्री सी० बी० संपथ, सहायक लेखा अधिकारी जिन्होंने अपनी
छुट्टी बढ़ा ली है, के स्थान पर पूर्णतया अस्थायी रूप से सहायक
लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1980

सं० 6 (20)/60-एस-I—श्री एम० जी० घोष ने, निवर्तन
आयु प्राप्त होने पर, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, कलकत्ता
का पदभार दिनांक 31 जनवरी, 1980 अपराह्न से त्याग दिया।

नन्द किशोर भारद्वाज
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400 008, दिनांक 4 मार्च 1980

सं० 05000/रा०-138/1046—भारी पानी परियोजना
के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री बी० रामचन्द्रन को, भारी पानी
परियोजना (तूतीकोरिन) में 11 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न)
से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापन्न श्रम
—तथा—कल्याण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

स्वास्थ्य सेवा मगूनिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1980

सं० ए० 19019/17/79 के० सं० स्वा० यो०-1—
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एम० सी० पाण्डेय को केन्द्रीय
सरकार स्वास्थ्य योजना में 16 जनवरी 1980 पूर्वाह्न से अस्थाई
आधार पर आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर नियुक्त किया
है।

दिनांक 5 मार्च 1980

सं० ए० 19019/7/79-के० सं० स्वा० यो०-1—स्वास्थ्य
सेवा महानिदेशक ने डा० के० आर० जडेजा को केन्द्रीय सरकार

रिऐक्टर अनुसन्धान केन्द्र

कलकत्ता, दिनांक 26 फरवरी 1980

सं० ए० 32023/1/77/आर-2670—रिऐक्टर अनु-
सन्धान केन्द्र के परियोजना निदेशक ने भामा परमाणु अनुसन्धान
के स्थायी आशुलिपिक तथा इस केन्द्र के स्थानापन्न आशुलिपिक
ग्रेड-II श्री सुतैया कृष्णमूर्ति को 26-2-1980 से 11-4-1980

तक की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर सहायक प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किया है।

ए० सेतुमाधवन
प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनांक 29 फरवरी 1980

सं० इस्ट/आई० एस० सी० एस०/5062/80—निदेशक, अं० उ० के० ने श्री आशुतोष एस० त्रिवेदी, अस्थायी इंजीनियर एस० बी० का त्यागपत्र 25 अक्टूबर 1979 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 1 मार्च 1980

सं० सैक/इस्ट/आर० एस० सी० ई० एस०/1398/80—निदेशक, अं० उ० के० ने श्री आर० एस० लखानी, अस्थायी इंजीनियर एस० बी० का त्यागपत्र 1 मार्च 1980 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

एम० पी० आर० पाणिकर
प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 5 मार्च 1980

सं० ए० 32014/3/78-ई-I—मौसम विज्ञान के महा-निदेशक निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को उनके नामों के सामने दी गई तारीख से अगला आदेश मिलने तक, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं।

क्रम सं	नाम	दिनांक जिससे सहायक मौसम विज्ञानी नियुक्त किया गया।
---------	-----	--

1	2	3
1.	श्री एन० शंकरन	21-1-1980
2.	श्री सुरेन्द्र माथुर	21-1-1980
3.	श्री आर० के० जैन	21-1-1980
4.	श्री आर० के० दास	21-1-1980
5.	श्री अंजनी कुमार सिंह	21-1-1980
6.	श्री ए० के० चटर्जी	21-1-1980

1	2	3
7.	श्री डी० एस० बी० राव	21-1-1980
8.	श्री बी० श्रीनिवासन	21-1-1980
9.	श्री एस० के० मूले	21-1-1980
10.	श्री बाई० के० जोगलेकर	21-1-1980
11.	श्री बी० ए० कल्याणकर	21-1-1980
12.	श्री ओ० पी० गुप्ता	21-1-1980
13.	श्री ए० गुप्ता	21-1-1980
14.	श्री बी० माधवन तैयार	21-1-1980
15.	श्री आर० एन० मुकजी	21-1-1980
16.	श्री बी० सदाशिवन	21-1-1980
17.	श्री पी० राघव राव	24-1-1980
18.	श्री जी० रामा राव	21-1-1980
19.	श्री एस० जे० भट्टाचार्य	21-1-1980
20.	श्री एस० अनन्तनारायणन	21-1-1980
21.	श्री एच० आर० मलहोत्रा	21-1-1980
22.	श्री के० के० जुत्सी	21-1-1980
23.	श्री सी० आर० सम्पतकुमारन	21-1-1980
24.	श्री एस० आर० बालसुब्रह्मणयम	21-1-1980
25.	श्री बी० गुफनाथ राव	21-1-1980
26.	श्री के० थानीकचलम	21-1-1980
27.	श्री जी० पी० ममगाई	21-1-1980
28.	श्री ए० सी० खन्ना	21-1-1980
29.	श्री बी० एन० गुप्ता	21-1-1980
30.	श्री आर० सी० गुप्ता	21-1-1980
31.	श्री एम० एल० वडेरा	21-1-1980
32.	श्री वी० जे० पागड़े	21-1-1980
33.	श्री बाबू राम	1-2-1980
34.	श्री पी० बी० दास	28-1-1980
35.	श्री एम० एन० जाटव	21-1-1980
36.	श्री बघनाशू रे	21-1-1980
37.	श्री मथुरा सिंह	1-2-1980
38.	श्री रामचन्द्र	21-1-1980
39.	श्री एम० बी० सरकार	25-1-1980
40.	श्री के० के० के० कुट्टी	24-1-1980
41.	श्री डी० एन० सरदार	21-1-1980
42.	श्री ए० बी० सरकार	21-1-1980
43.	श्री एन० सी० बिस्वास	21-1-1980
44.	श्री सुरेन्द्र कुमार	21-1-1980
45.	श्री पी० सी० मण्डल	21-1-1980

सं० ए० 32013 (11)/4/79-ई०-I—राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित मौसम विज्ञानी ग्रेड II एवं सहायक मौसम विज्ञानियों को उसी विभाग में, उनके नामों के सामने दी गई तारीख से अगला आदेश मिलने तक, स्थानापन्न मौसम विज्ञानी ग्रेड-I के रूप में नियुक्त करते हैं।

मौसम विज्ञानी ग्रेड II

1. श्री मनोरंजन दास	31-12-1979
2. श्री धनरा सिंह	31-12-1979
3. श्री जी० एस० गणेशन	31-12-1979
4. श्री जे० सी० मण्डल	31-12-1979
5. श्री एम० एस० राजगोपालन	21-1-1979
6. श्री के० बी० पुनैया	29-12-1979
7. श्री ए० एम० सूद	31-12-1979
8. श्री बी० विद्वांस	31-12-1979
9. श्री सुजित कुमार शाह	31-12-1979
10. श्री आर० एन० गोल्डर	31-12-1979

सहायक मौसम विज्ञानी

1. श्री जी० सेवू	31-12-1979
2. श्री एम० सी० प्रसाद	31-12-1979
3. श्री ओ० पी० भगवान	29-12-1979
4. श्री जी० एस० अय्यर	31-12-1979
5. श्री आर० के० वर्मा	31-12-1979
6. श्री बी० वेंकटचलम	31-12-1979
7. श्री पी० के० जैन	31-12-1979
8. श्री के० एस० शंकरन	7-1-1980
9. श्री एस० सेनगुप्ता	31-12-1979
10. श्री बगडावत सिंह	31-12-1979
11. श्री जी० बी० सिंह	31-12-1979
12. श्री के० मुकर्जी	31-12-1979
13. श्री जोगिन्द्र सिंह	31-12-1979
14. श्री डी० के० गुप्ता	31-12-1979
15. श्री एस० जे० अस्थाना	31-12-1979
16. श्री बी० के० चावला	31-12-1979
17. श्री पी० भट्टाचार्य	9-1-1980
18. श्री टी० आर० श्रीनिवासन	31-12-1979
19. श्री बी० के० भल्ला	31-12-1979

एस० के० दास
मौसम विज्ञान उप महानिदेशक
(प्रशासन तथा भंडार)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक।

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1980

सं० ए० 32014/2/79-ई० डब्ल्यू०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री संदीप हालड़ा का नागर विमानन विभाग में सहायक परियोजना अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि 1 मार्च, 1980 से 6 मास के लिए और बढ़ाने की मंजूरी प्रदान की है।

बी० पी० बी० जाह्नवी
उप निदेशक प्रशासन,
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1980

सं० ए० 32014/2/79-ईसी—महानिदेशक नागर विमानन श्री पी० आर० छावड़ा, संचन सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली, को दिनांक 14-2-80 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात करते हैं। यह नियुक्ति श्री एस० एस० गिल, सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली, के स्थान पर की गई है, जिन्हें 16-1-80 से 15-3-80 तक हिन्दी प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था।

एन० ए० पी० स्वामी
सहायक निदेशक, प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1980

सं० ए० 32014/1/80-ईए—महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से एक वर्ष की अवधि के लिए या पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हों, तदर्थ आधार सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं और उन्हें नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र बमरौली (इलाहाबाद) में तैनात करते हैं।

क्रम सं०	नाम	तारीख
1.	श्री हरबंस लाल	28-1-80
2.	श्री विलोक सिंह	29-1-80
3.	श्री सी० बी० कलगेरी	29-1-80
4.	श्री एम० सी० भट्टाचार्य	30-1-80
5.	श्री जे० डी० मलिक	28-1-80
6.	श्री आर० एल० मजूमदार	29-1-80
7.	श्री पी० के० बनर्जी	28-1-80
8.	श्री एस० डी० भौमिक	28-1-80
9.	श्री एम० के बर्दान	28-1-80
10.	श्री एस० डी० दुग्गल	28-1-80
11.	श्री अर्जुन सिंह	28-1-80
12.	श्री जी० आर० बैन्स	28-1-80

दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1980

सं० ए० 31014/1/79-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों को 1 मार्च 1980 से नागर विमानन विभाग के विमानमार्ग तथा विमान

क्षेत्र संगठन में सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	मौजूवा तैनाती स्टेशन
1	2	3
1.	श्री सारूपसिंह	पालम, नई दिल्ली
2.	श्री बी० एन० जयसिन्हा	बम्बई एयरपोर्ट
3.	श्री पी० एस० नारायणन	मद्रास
4.	श्री सुरिन्दर सिंह	बम्बई एयरपोर्ट
5.	श्री परवीन ओहरी	लखनऊ
6.	श्री ए० साहा	अगरतला
7.	श्री जे० एस० सेठी	बम्बई एयर पोर्ट
8.	श्री पवन बक्शी	पालम, नई दिल्ली
9.	श्री रनजीत कुमार	वाराणसी
10.	श्री एन० जी० गिदवानी	पालम
11.	श्री आर० एस० जसवाल	बम्बई एयरपोर्ट
12.	श्री ए० के० लखियार	रांची
13.	श्री डी० पी० मजूमदार	दम-दम
14.	श्री सी० पी० पुरुषोत्तम	मद्रास एयर पोर्ट
15.	श्री के० एस० भोजला	मद्रास एयर पोर्ट
16.	श्री ओ० पी० भटनागर	पालम
17.	श्री के० सुब्रमण्यम]	मद्रास एयर पोर्ट
18.	श्री पी० एस० मुलेकर	गोवा (डेबोलिन)
19.	श्री बी० एन० प्रसाद	बम्बई एयर पोर्ट
20.	श्री एस० वसु मल्लिक	दम-धम
21.	श्री एस० के० साहा	नार्थ लखीमपुर
22.	श्री बी० के० जोशी	बम्बई एयर पोर्ट
23.	श्री जी० एस० राजमणि	मद्रास एयर पोर्ट
24.	श्री बी० साह	बम्बई एयर पोर्ट
25.	श्री एस० एस० पराडे	बम्बई एयर पोर्ट (एयरोड्रम आफिसर के रूप में स्थानापन्न)
26.	श्री जी० के० वर्मा	पालम
27.	श्री के० एम० हरीदास	बम्बई एयर पोर्ट
28.	श्री अवदेश प्रसाद	अगरतला
29.	श्री ईश्वरी प्रसाद	पालम
30.	श्री ए० के० सरकार	दम-दम
31.	श्री श्रीकिशन	दम दम (एयरोड्रम अधिकारी के रूप में स्थानापन्न)
32.	श्री डी० के० गुहा	जमशेदपुर
33.	श्री परम हंस सिंह	गोहाटी
34.	श्री बी० के० सिंह	लखनऊ
35.	श्री एन० बी० घनपाल	मद्रास एयर पोर्ट
36.	श्री के० बी पी० एन० सिंह	गोहाटी
37.	श्री एम० एम० सिंह	दम दम
38.	श्री एस० के० सींगल	बम्बई एयर पोर्ट
39.	श्री डी० आर० मलिक	जयपुर
40.	श्री अशोक राजह	पालम

1	2	3
41.	श्री शिवराज सिंह	पालम
42.	श्री बी० आर० देवी रेड्डी	मद्रास एयर पोर्ट
43.	श्री एस० एम० कौशल	बम्बई एयर पोर्ट
44.	श्री युधिष्ठिर अग्रवाल	पालम
45.	श्री जी० एल० कालम	बम्बई एयर पोर्ट
46.	श्री पी० एन० तिवारी	दम दम
47.	श्री पी० जोशी	कुम्भीरग्राम
48.	श्री सी० पी० वर्धाराजन	मदुरै
49.	श्री ए० के० राव	मद्रास
50.	श्री पी० पी० जी० नायर	विशाखापटनम
51.	श्री ए० एन० विष्णुनाथ	दम दम
52.	श्री एस० एस० साठे	पूना
53.	श्री पी० एल० सबसेना	दम दम
54.	श्री एम० के० बनर्जी	आर० डी० आफिस दम दम
55.	श्री आर० एल० ब्याला	राजस्थान सरकार के अधीन फ्लाईंग बलब जयपुर में प्रतिनियुक्ति
56.	श्री गोपाल मेहता	बागडोगरा
57.	श्री एम० गोविन्दराजन	तिरुचिरापल्ली
58.	श्री एल० पी० मेन्जीस	बम्बई एयर पोर्ट
59.	श्री मिहिर कर्माकर	दम दम
60.	श्री एस० एस० वर्मा	लिबिया सरकार के अधीन बैगाजी में प्रतिनियुक्ति
61.	श्री एन० के० अवल	मद्रास एयर पोर्ट
62.	श्री के० वैकटरमण	मद्रास एयर पोर्ट
63.	श्री स्वतन्त्रलाल	जुहू (बम्बई)
64.	श्री जे० पी० माथुर	बम्बई एयर पोर्ट
65.	श्री आर० जलपुरी	पालम
66.	श्री एस० के० सेन	दम दम
67.	श्री पी० सन्याल	दम दम
68.	श्री राकेश वर्मा	पालम
69.	श्री के० के० एन० पिलै	कोचीन
70.	श्री कमल पराशेर	पालम
71.	श्री एस० इब्राहीम	मद्रास एयर पोर्ट
72.	श्री के० बागची	सफदरजंग
73.	श्री ए० बी० दत्त	दम दम
74.	श्री आशाराम	पोर्ट ब्लेयर, (विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्यरत)
75.	श्री विलियम मिज	गया (विमान क्षेत्र अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत)
76.	श्री पूरन चन्द	बम्बई एयर पोर्ट

वी० वी० जौहरी
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च, 1980

सं० ए० 32013/5/78-ईसी—इस विभाग की दिनांक 14-11-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/5/78-ईसी के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री आर० पी० शर्मा की नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक संचार के रूप में तदर्थ नियुक्ति को 12-10-79 के बाद 31-12-79 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है।

दिनांक 10 मार्च, 1980

सं० ए० 32014/4/79-ईसी—महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित दो संचार सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात करते हैं :-

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यालय संभाल की तारीख
1.	श्री आर० एम० अरयर	वैमानिक संचार स्टेशन, त्रिवेन्द्रम	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	31-12-79 (पूर्वाह्न)
2.	श्री के० पी० सी० मेनन	वैमानिक संचार स्टेशन, त्रिवेन्द्रम	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	27-12-79 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 38012/1/79-ईसी—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री ए० सी० बोस सहायक संचार अधिकारी, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद ने दिनांक 31-12-1979 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 38013/1/80-ईसी—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित तीन अधिकारियों ने 31-1-80 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है :-

क्रम सं०	नाम व पदनाम	स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तारीख
1	2	3	4
1.	श्री जी० एन० नायर तकनीकी की अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, त्रिवेन्द्रम	31-1-80 (अपराह्न)

1	2	3	4
2.	श्री बी० रामनथन सहायक तकनीकी अधिकारी	निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली	31-1-80 (अपराह्न)
3.	श्री जे० इसाई सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	31-1-80 (अपराह्न)

एन० ए० पी० स्वामी
सहायक निवेशक, प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० 1/19/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एन० द्वारा पुणे शाखा के तकनीकी सहायक, श्री बी० एस० राम राव को नियमित आधार पर 10 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक बम्बई शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर
निदेशक (प्रशा०)
नूते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा

बड़ौदा, दिनांक 7 मार्च 1980

सं० 2180/3/समाहर्ता—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद के कार्यालय के वर्ग 'ख' अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्री एम० बी० धवे को दिनांक 29-2-80 से स्वेच्छिक आधार पर सेवानिवृत्ति होने की अनुमति दी जाती है क्योंकि उन्होंने 20 वर्ष से अधिक की अर्हक सेवा पूरी कर ली है।

समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बम्बई

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० 3/80—श्री दुर्गाप्रसाद ने, दिनांक 13-2-80 (अपराह्न) को निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में निरीक्षण अधिकारी ग्रुप 'क' के पद का कार्यभार त्याग दिया और दिनांक 14-2-80 के पूर्वाह्न से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के गाजियाबाद स्थित उत्तरी प्रादेशिक

यूनिट में निरीक्षण अधिकारी ग्रुप 'क' के पद का कार्यभार संभाल लिया।

कृ० रेखी
निरीक्षण निदेशक

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना

चित्तरंजन, दिनांक मार्च 1980

सं० जी० एम० ए०/जी० एम०/8 (एडमिनिस्ट्रेशन)—
निम्नलिखित स्थानापन्न द्वितीय-श्रेणी अधिकारियों को जो सम्प्रति दक्षिण रेलवे में प्रवर वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त हैं तथा इस प्रशासन में तृतीय श्रेणी के पद पर उनका लियन है, उनके नाम के सामने अंकित तिथि से चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना के कार्मिक विभाग के संवर्ग में द्वितीय श्रेणी वेतनमान में सहायक कल्याण अधिकारी के पद पर स्थायी किया जाता है।

अधिकारी का नाम	किस अवधि के लिए स्थायी किया गया	स्थायी करने की तारीख
1. श्री एम० पी० चैल्लाप्पान	11-7-73 (पूर्वाह्न) से 5-6-78 (अपराह्न) तक	---
2. श्री ए० के० मुखर्जी	---	6-6-78 (पूर्वाह्न)

के० रमन
महाप्रबन्धक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 6 मार्च 1980

सं० ए-19012/765/79-प्रशा० पांच—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्द्वारा श्री उल्लास टीकेकर को गंगा बेसिन जल संसाधन संगठन में सहायक इंजीनियर के रूप में रु० 650-30-740-35-810-व० रो०-880-40-1000-व० रो०-40-1200 के वेतनमान में 20 मार्च, 1979 को पूर्वाह्न से स्थानापन्न क्षमता में, अगले आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री उल्लास टीकेकर सहायक इंजीनियर के पद पर 20-3-79 से दो वर्ष की अवधि तक के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

दिनांक 7 मार्च 1980

सं० ए-19012/724/78-प्रशा०-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एम० पी० एस० बीर पर्यवेक्षक को पदोन्नति पर अतिरिक्त सहायक इंजीनियर के ग्रेड में रु० 650-30-740-

35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 के वेतनमान में 24-6-78 की अपराह्न से पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर केन्द्रीय जल आयोग में इस पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 मार्च 1980

सं० एफ० सं० ए०-19012/778/79-प्रशा० पांच—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री मेघ चन्द मीना को केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (विज्ञान-भौतिकी) के रूप में रु० 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 650/- (छः सौ पचास रुपये केवल) के प्रारम्भिक वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में 26 फरवरी, 1980 की पूर्वाह्न से, अगले आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री मेघ चन्द मीना, सहायक अनुसन्धान अधिकारी (विज्ञान-भौतिकी) के पद पर 26-2-1980 से दो वर्ष तक की अवधि के लिए परीक्षा पर होंगे।

जे० के० साहू
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० 2/152/70-प्र०-I-ब—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्द्वारा, श्री रोहतास सिंह पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर श्रेणी-2 सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता के ग्रेड में दिनांक 20-6-79 से अथवा अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया जाता है।

एस० आर० खीथा
अवर सचिव

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

"कम्पनी अधिनियम 1956 और बोर्डन कारपेट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वी) के विषय में

कानपुर, दिनांक 6 मार्च 1980

सं० 2291/1417—अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर बोर्डन कारपेट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वी) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

श्री० पी० चड्ढा
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
ए० पी० कानपुर

“कम्पनी अधिनियम 1956 और आर्यन चिट फंड एन्ड फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 7 मार्च 1980

सं० जी/स्टेट/560/2803/1953—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के

अवसान पर आर्यना चिट फंड एन्ड फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० एन० मौलिक
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 1 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/3-80/995—

यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 15 बीघा 12 बिस्वा है, तथा जो गांव मदईपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शकुन्तला वर्मा पत्नि मनोहर सिंह वर्मा निवासी 14 विशाल कालोनी नजफ गढ़ रोड, द्वारा इनके जनरल अटोरनी श्री प्रभू लाल दो भाई झुंटा मल बी-14, विशाल कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती आशी याकी लात्रो पत्नि स्व० श्री जे० डी० वेन्डाचुक निवासी बी-5, ग्रेटर कैलाश-I इनके जनरल अटोरनी श्री एस० तेन्जिंग (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 15 बीघा 12 बिस्वा, खसरा नं० 397/1, (3-5), 397/2 (0-3), 398 (3-12), 399 (4-16), 400/2 (3-16), साथ बाऊंडरी वाल, ट्यूबवैल (2), फार्म हाऊस, गांव मदईपुर नई दिल्ली में स्थित है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 1-3-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-IV/6-79/
1053—यत्, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/359 भाग प्लॉट नं० 32 है, तथा जो फ्रैंड्स
कालोनी जी० टी० रोड, झिलमिल तहारपुर शाहदरा दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 2-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती कमला वर्मा स्व० श्री बी० एन० वर्मा,
(2) श्री सुरिन्दर नाथ वर्मा और श्री रजिन्द्र नाथ वर्मा
पुत्र (स्व०) बी० एन० वर्मा निवासी 422 जी० टी०
रोड, शाहदरा, दिल्ली

(अन्तरक)

2. (1) श्री हरनाम सिंह आनन्द पुत्र श्री अमीर सिंह
आनन्द निवासी डी-58 फेस-I अशोक बिहार
दिल्ली-52

(2) श्री सुन्दर सिंह आनन्द पुत्र श्री अमीर सिंह आनन्द
निवासी जी-101 एल, टी० जी० मकान फेस-III,
अशोक बिहार, दिल्ली-52

(3) श्री अजीत सिंह पुत्र श्री अमीर सिंह निवासी जे-165,
फेस-I, अशोक बिहार दिल्ली-52

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० 1/359 पार्ट नं० 32, खसरा नं० 1171/320,
क्षेत्रफल 375 वर्ग गज जो कि फ्रैंड्स कालोनी जी० टी० रोड,
झिलमिल तहारपुर शाहदरा दिल्ली में स्थित है।

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एल० आर०-IV/
6-79/1075—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 122/15-ए प्लॉट नं० 44 है,
तथा जो शंकर नगर गोण्डली, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्रीमती गुरु देवी धर्मपत्नी सूरज प्रकाश रामपाल
निवासी 596/एच-6/9, नेहरू गली, गांधी नगर
दिल्ली-1

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुन्ती लुगू धर्मपत्नी श्री सोम नाथ गुरु निवासी
1543 गली आर्य समाज, बाजार सीता राम, दिल्ली-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 122/15-ए, जो कि प्लॉट नं० 44, खसरा
नं० 156 स्थित है शंकर नगर, गोण्डली दिल्ली जिसका क्षेत्रफल
100 वर्ग गज जो कि स्पेशीफिकली इस्टूमेंट अन्तरक कि रजिस्ट्री
में है। 22-6-1979।

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002,

तारीख : 6-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-III/6-79/1472—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० क्वार्टर नं० एफ-255 है, तथा जो न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्रकार की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. श्री अवतार सिंह पुत्र श्री अमर सिंह निवासी 6/23 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, रजिस्टर्ड जनरल एटार्नी श्री एस० सी० नन्दा पुत्र श्री हर नारायण नन्दा, निवासी आर-32, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश सिंह पुत्र श्री अमर सिंह निवासी 6/23, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रजस्ताधारी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गवर्नमेंट क्वार्टर नं० एफ-255, जिसका क्षेत्रफल 126 वर्ग गज है जो कि स्थिति है न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली में है।

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-III/6-79/
243—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० दुकान 3 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2 नई
दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा; (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. डी० एल० एफ० बिन्डर, 21-22, नरेन्द्रा वैलेस पार्लियामेंट
स्ट्रीट नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. मैसर्स परफैक्शन सिल्क एण्ड साड़ी हाऊस, ए-6 एन०
डी० एस० ई०-1 नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक दुकान नं० 3 क्षेत्रफल 667.47 वर्ग गज जो कि
ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली में स्थित है ।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर-III/

6-79/207—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रयोजन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 21 है, तथा जो रिंग रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स ओम प्रकाश बलदेव कृष्ण निवासी बी-सी/6 वेस्टर्न एक्सटेन्शन एरिया करोल बाग नई दिल्ली (अन्तरक)
2. सिस्टर आफ चेरीटरी 21, रिंग रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 21, रिंग रोड, नई दिल्ली जिस का 3200 वर्ग फुट है। जिसका टैपेलीफिकली डीस आईवार्ड भे इन्स्ट्रूमेंट अन्तरक की डीड में है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

इच्छा आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०-II/6-79/166—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खेती हूर भूमि है, तथा जो गांव विजवासन, तहसील, महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-6-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक अवधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्रीमती फूल बती पुत्री श्रीमती धीर सिंह पुत्री श्रीमती स्व० चनगी राम निवासी गांव बिजवासन, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तोष देवी पुत्री श्रीमती महाबीर सिंह निवासी गांव और डाकखाना भट गांव जिला सोनीपत (हरियाणा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोद्देशकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतीहूर भूमि 38 बीघा और 16 बिसवा खसरा नं० 67/16, 16/25, 43/6, 43/7, 43/14, 43/15 गांव विजवासन तहसील महरोली नई दिल्ली।

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 4/14क, आसफली मार्ग नई दिल्ली-1100002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1-एस० आर०-III/
6-79/170—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० खेती भूमि है, तथा जो गांव महरोली तहसील,
महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जून 1979

को तारीख 11 जून, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राजो धर्म पत्नी श्री श्रीश राम निवासी गांव
महरोली, तहसील, महरोली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री इन्दर लाल सूरी पुत्र श्री लेट बयाल भल सूरी और
बिनोद कुमार सूरी पुत्र श्री इन्दर लाल सूरी निवासी
ई-248, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से मे
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित्वद्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वेष्टाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एग्रीकलचरल भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बीघा और
8 बिसवा जो कि स्थित है। गांव महरोली, तहसील महरोली
नई दिल्ली जो स्पेसिफिकली इंस्ट्रूमेंट्स अन्तरक की डीड में
है।

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

4/14 क आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु०/1/एस० आर०-III/6-79/188—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि खेती है, तथा जो गांव सापुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1 श्री कैलाश चन्द्र पुत्र श्री भोला नाथ निवासी गांव महरोली और श्री प्रेम चन्द गुप्ता जो गुरदियाल और आधा उसके पुत्र राजीव गुप्त, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण दास पुत्र श्री फकीर चन्द लूथरा और श्रीमती लाजवन्ती धर्म पत्नी श्री लक्ष्मण दास निवासी 4 मोहन आशीश, बम्बई।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एग्रीकलचरल भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बीघा जो कि स्थित है गांव शहूरपुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली जो स्पेसिफिकली इन्स्ट्रुमेंट में है। अन्तरक की डीड में है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/6-79/

222—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी/13-बी है, तथा जो कैलाश कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहिन्द्र पाल खन्ना पुत्र स्व० राम सहाय खन्ना बी/31-बी, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. मैसम अमृत इस्टेट प्राइवेट ए-3 कैलाश कालोनी नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वक्षीकरण:—द्वयमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० बी-31/बी जिसका क्षेत्रफल 634 वर्ग गज तथा जो कि कैलाश कालोनी में स्थित है ।

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली-नई, दिल्ली-110002

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/एस० आर०-III/6-79/
245—यतः मुझे जी० सी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान 13, 14 और 15 है, तथा जो ग्रेटर
कैलाश-III नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के बिना प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुधित नहीं
किया गया है:---

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी इन या अन्य प्राप्तियों की
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्-
वर्णन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. डी० एन० एफ० बिल्डर, 21,22 नरेन्द्रा पैलेस,
पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मैसर्स वैनसनशु, स्थास्थिक हाऊस आन्द्रा बैंक बिल्डिंग
सपक स्टोर के पास) अजमल खां रोड क्रोल बाग,
नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के पन्ध्र में कोई भी प्राप्ति:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 13, 14, 15 जिसका क्षेत्रफल 1013.29
वर्ग गज, कमर्शाल कम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित
है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर-3/

6-79/244—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान 10 और 11 है, तथा जो कमर्शल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डी० एन० एफ० बिल्डर 21, 22 नरेन्द्रा पैलेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री जमीत सिंह पुत्र श्री एस० जयवंत सिंह निवासी डी-11 एन० डी० एस० ई०-भाग- नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोद्देश्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान जिसका नं० 10 और 11 जिसका क्षेत्रफल 1126.20 वर्ग फुट है तथा जो कमर्शल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-2 में स्थित है।

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/
6-79/218—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० एम० 160 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2 नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्घरण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० अमीक सिंह बालिया पुत्री श्री एस० मेला
सिंह बालिया 44/1 रीगल बिल्डिंग कनाट सर्कस
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुमन महाजन पत्नी श्री केशव चन्द्र महाजन
सी-43 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खाली प्लॉट नं० एम-160, क्षेत्रफल 400 वर्ग गज
जोकि ग्रेटर कैलाश में स्थित है।

जी० सी० अग्रवाल
मन्त्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०1/एस० आर०-JII/
6-79/217—यतः, मुझे जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एम-103 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2 नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री मूलक राज मगों, निवासी आर-
244 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48 (अन्तरक)
2. श्रीमती देवेन्द्र मोहिनी खन्ना पत्नी श्री प्रेम स्वरूप खन्ना,

निवासी सी-4/140, सफदरजंग डिवलपमेंट एरिया,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके द्वारा उक्त अधिनियम के पत्रों के लिए
कार्रवाहियां शुरू करा हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एम-103, ग्रेटर कैलाश-II; नई दिल्ली। जिसका
क्षेत्रफल 300 वर्गगज है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/
6-79/214—अतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० आर-63 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पा वन्ती निवासी आर-63, ग्रेटर कैलाश-I
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा राखीजा, निवासी आर-63, ग्रेटर कैलाश-I
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक 2 1/2 मंजला मकान जिसका क्षेत्रफल 2800 वर्ग
फीट है । जो स्थित है । आर-63, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली ।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन०एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/6-79/215—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आर-63 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या

(ख) ऐसी सियो आय या सियो घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

5-516 GI/79

1. श्रीमती पुष्पा वन्ती निवासी आर-63, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश चन्द्र राखिजा निवासी, आर-63, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2 1/2 मंजला मकान नं० आर-63, जिसका क्षेत्रफल 3200 वर्ग फीट है। जो कि स्थित ग्रेटर कैलाश-I, में है।

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० एं०सी०/एक्यु०/I/एस० आर०-III/
6-79/213—अतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ई-572 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व के कमी करन या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ईश्वर चन्द गुप्ता सुपुत्र श्री स्वर्गीय राम चन्द्र गुप्ता,
ए-II, ग्रेटर कैलाश इन्क्लेव-II, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. (1) श्री प्रेम नारायण मेहरा,
(2) श्री प्रदीप नारायण मेहरा,
(3) श्रीमती किरन मेहरा 2/6 अन्सारी रोड,
वरिया गंज, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका नं० ई-572 है । जिसका क्षेत्रफल
550 वर्ग गज जो स्थित है । ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में ।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-II/6-79/212—अतः, मुझे जी० सी० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एस-217 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री योगेन्द्र पाल अग्रवाल निवासी, 3936, गली खसरा वाली, पहाड़ गंज नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विजय सिंह मेहता और श्रीमती बीना मेहता; ए-88, नई दिल्ली साऊथ ऐक्सटेंशन पार्ट-II, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2 1/2 मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है। जिसका नं० एस-217 स्थित ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-III/6-79/204—अतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी-158 है, तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती ज्ञान देवी पारगल धर्म पत्नी स्वर्गीय श्री एम० आर० पारगल निवासी लुधियाना (पंजाब)

डा० एच० के० पारगल पुत्र स्वर्गीय श्री एम० आर० पारगल निवासी 74-एम सुन्दर नगर नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. डाक्टर (मिसिस) प्रीतो पारगा, धर्म पत्नी डाक्टर एस० के० पारगल निवासी 74, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जोकी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी-158, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, जो कि बना हुआ है। जिसका क्षेत्रफल 325 वर्ग गज है। जिसका स्पेसिफिकली डिसक्राबिड में इन्स्ट्रुमेंट्स दिए वह अन्तरक की डीड में है।

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर ।

प्रारूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/
6-79/191—अतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,

प्राथमिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खेती भूमि है, तथा जो गांव तुकलका बाद,
तहसील मेहरोली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख, जून 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
'अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स बनारसी दास चड्ढा एण्ड ब्रदर्स (1) डी-18
लाजपत नगर नई दिल्ली जिसका पार्टनर श्री बनारसी
दास चड्ढा, धर्मपाल, चड्ढा, सुधीर चड्ढा और संदीप
चड्ढा ।

(अन्तरक)

2. आदर्श फार्म, 8/27, ईस्ट पटेल नगर, जिसके पार्टनर
कैलाश बैरी हैं ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या मत्वाबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित्वबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वहां भ्रम होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एग्रीकलचरल भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 बिघा और 3
विश्वाम जो स्थित है तुकलकाबाद, तहसील मेहरोली, नई दिल्ली ।

जी० सी० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एम० आर०-II/6-79/189—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिवका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खेती भूमि है, तथा जो तुकलकाबाद, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरीत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वर्णिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें धारणा आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मयर्स बनारसी दाम चड्ढा एण्ड ब्रदर्स डी-18, लाजपत नगर, नई दिल्ली, जिसके पार्टनर श्री बनारसी दाम चड्ढा, धर्मपाल चड्ढा, सुधीर चड्ढा और प्रदीप चड्ढा (अन्तरक)

2. आदर्श फार्म, 8/27, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली जिसके पार्टनर कैलाश बेरी है।

(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रिस्तब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और उर्दा का, या उर्दा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एग्रीकल्चरल भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 बिघा और 16 बिघास जो स्थित है गांव तुकलकाबाद तहसील महरोली, नई दिल्ली।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-3-1980

मोहर :

पञ्चम धार्मिक धर्म एन० एम०-----

राज्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०-3/
6-79/195--यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खेती भूमि है, तथा जो गांव तुकलकाबाद,
महरोली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया,
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय से कमो करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—1. मसस बनारसी दाम चड्ढा एण्ड ब्रदर्स ली-18, राजपत
नगर, नई दिल्ली जिसके पार्टनर बनारसी दास
चड्ढा धर्म पाल चड्ढा, मुधीर चड्ढा और प्रदीप
चड्ढा है।

(अन्तरक)

2. आदर्श फार्म 8/27, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली जिसके
पार्टनर कैलाश बैरी है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एग्रीकलचरल भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 बिघा और 15
विश्वाम जो कि स्थित है। गांव तुकलकाबाद तहसील महरोली
नई दिल्ली।

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-3-1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एम० आर०-III/
6-79/194—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि खेती है, तथा जो गांव तुकलकाबाद,
तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
वर्णन से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नी किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्तःकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मैगर्स बनारसी दाम चड्ढा एण्ड ब्रदर्स डी-18, लाजपत
नगर, नई दिल्ली जिनके पार्टनर्स बनारसी दाम
चड्ढा, सुधीर चड्ढा, धर्मपाल चड्ढा और प्रदीप
चड्ढा हैं।

(अन्तरक)

2. आदर्श फार्मस, 8/27, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
जिनके पार्टनर श्री कैलाश बैरी हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एग्रीकल्चरल भूमि, जिसका क्षेत्रफल 14 बिघा और 18
विश्वास जो कि टूबवेल के साथ स्थित है। गांव तुकलकाबाद
तहसील महरोली, नई दिल्ली।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 4/14क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-JV/
6-79/1063—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० एफ-15/9 है, तथा जो कृष्ण नगर नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6-516GI/79

1. श्री सुरिन्द्र कुमार कपूर पुत्र श्री बरकत राम निवासी
एफ-15/9, कृष्ण नगर नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती सीमा वीवान पति श्री दविन्दर दीवान, एफ-
15/9, कृष्ण नगर नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अवोद्वेष्टनाशरी के पास निबित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया
है।

अनुसंधी

सहान नं० 15/9, ब्लाक नं० एफ सेंट्रल 200 वर्ग गज
गांव गोंडली, आबादी कृष्ण नगर नई दिल्ली।

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एल०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-II/6-79/1516-यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० बी-2/16, है, तथा जो सफदरजंग डवलपमेंट स्कीम नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने का अन्तरक का दायित्व स कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मारितमों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती कमला प्रोवा मुर पत्नी श्री श्रीमंका मोहनसुर, 163, लोअर सरकुलर रोड, कलकत्ता

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष सी० गौतम पुत्र अमर नाथ गौतम एफ-8 ग्रीन पार्क मेन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सकान नं० बी-2/16, सफदरजंग डवलपमेंट स्कीम, क्षेत्रफल 486 वर्ग गज, नई दिल्ली

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002 दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/1/एस० आर०/7-79/1073—अनः मुझे जी० स० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या बी-4 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली-51 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 I 16) के अर्थ न दिनांक जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति जीवन बाई पटनी श्री सोम नाथ शर्मा निवासी बी-4 कृष्ण नगर नई दिल्ली 51।

2. श्री कंवरप्पैन जैन पुत्र श्री सुलहन मल जैन, 113-नया लाहौर शास्वी नगर दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० बी-4 क्षेत्रफल 117/3/5 वर्ग मज खसरा नं० 584/528 गांव गौवल आबादी कृष्णा नगर नई दिल्ली।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज नई दिल्ली

तारीख : 12-3-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०/6-79/1510—अतः मुझे जी० सी० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी संख्या पी-39, प्लॉट नं० ए० है तथा जो एन० डी० एस० सी० पार्टी दो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सन्तोष शामा पत्नी श्री बलदेव राज शामा निवासी पी-23, एन०डी०एम०सी० पार्टी दो नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री राज कपूर तथा श्रीमती अविनाश कपूर एफ० एन० डी० एस० सी० पार्टी एक नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लोकण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए० आऊड प्लोर, पी०-39 क्षेत्रफल 1007 वर्ग गज एन०डी०एस०सी० नई दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है।

पूर्व: दूसरे की जमीन

पश्चिम: प्लॉट नं० पी/40

उत्तर: सर्विस लेन

दक्षिण: सड़क 30 फीट चौड़ी

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-3-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 4/14क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/II/एसआर III/-6
79/1501—अन: मुझे जी० सी० अग्रवाल

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए-1/7 है तथा जो वसन्त बिहार नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्ति को जो जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लीला वन्ती मल्होत्रा पत्नी श्री डी० एन० मल्होत्रा निवासी ए-1/7 वसन्त बिहार नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री ग्यान प्रकाश गौड़ पुत्र श्री बलजीत सिंह शर्मा निवासी ई-7/10-ए वसन्त बिहार नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जाने करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी धास्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक रिहायशी एक मंजिला मकान जो प्लॉट नं० ए-1/7 वसन्त बिहार नई दिल्ली में बना है क्षेत्रफल 595 वर्ग गज।

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1980

निर्देश सं० III 374/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतिन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नं० 9 खाता नं० 2 प्लॉट नं० 237 (अंश) थाना नं० 10 खेत नं० 1 इत्यादि है तथा जो बहादुरपुर पटना में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना सीटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-6-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ती के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मेसर्स बिहार केवल कम्पनी, कंकड़बाड़ा रोड थाना सुलतानगंज जिला पटना द्वारा सांझेदारी (पार्टनर्स) का नाम :—

1. श्री मदन लाल विसनोई बल्दान स्व० हरिदत्ता विसनोई निवासी-बोरींग केनाल रोड थाना कोतवाली जिला पटना जानी विसनोई, पेशा व्यापार ।

2. डा० शांती लाल विसनोई बल्दान स्व० हरिदत्ता विसनोई निवासी बोरींग केनाल रोड थाना कोतवाली जिला पटना जानी विसनोई पेशा व्यापार

3. श्रीमति गुरेश कुमार विसनोई पति श्री रतन लाल विसनोई निवासी श्री कृष्णा पूरी थाना कोतवाली जिला पटना जानी विसनोई पेशा-व्यापार

4. श्री अंजनी कुमार विसनोई बल्दान श्री मदन लाल विसनोई निवासी बोरींग केनाल रोड थाना कोतवाली जिला पटना जानी-विसनोई पेशा व्यापार

5. श्री उदय विसनोई बल्दान श्री रतन लाल विसनोई निवासी श्री कृष्णापुरी थाना कोतवाली जिला पटना जानी-विसनोई पेशा-व्यापार

6. श्री देवेन्द्र कुमार सिंह

7. श्री जोगेंद्र कुमार सिंह

(6—7) दोनों बल्दान श्री राजेंद्र कुमार सिंह निवासी बरादरी थाना कोतवाली जिला मोरादाबाद (यू० पी०) दोनों जानी—विसनोई पेशा-व्यापार दोनों अपने आपको लांकूल ऐंटेोरनी के द्वारा दर्शाते हैं — श्री रतन लाल विसनोई बल्दान स्व० श्री हरिदत्ता विसनोई निवासी-श्री कृष्णापुरी थाना-कोतवाली जिला पटना । (अन्तरक)

2. लक्ष्मीदेवी सराफ पति श्री हरि प्रसाद सराफ अधिक्ता, ऐकजीवीशन रोड थाना कोतवाली जिला पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोधस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का रकबा 10 कठ्ठा बाउन्डरी वाल (चारदीवारी), एक कमरा और एक कुंआ के साथ बहादुरपुर में स्थित है जिसका तौजी नम्बर 9, खाता नम्बर 2, प्लॉट नम्बर 237 (अंश) थाना नम्बर 10 खेत नम्बर 1 इत्यादि है । जो पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 2646 दिनांक 21-6-1979 में अंकित है तथा जो अब निवन्धक पदाधिकारी पटना सीटी के द्वारा पंजीकृत है ।

ज्योतिन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

तारीख : 13-2-1980

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एच०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार, पटना

पटना दिनांक 8 फरवरी, 1980

निर्देश सं० III 371/अर्जन/79-80—अतः मुझे जे०
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्यावर मण्डल, बिना उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जमकी सं० होलिडिंग नम्बर 281 प्लॉट नम्बर 10, होलिडिंग
नम्बर 25 का अंश सं० प्लॉट नं० 2450 म्युनिसिपल होलिडिंग
है, तथा जो नम्बर 712 वार्ड नम्बर VII बी इत्यादि रांची में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 20-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पञ्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पत्रद्व
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त प्राधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उममे बचो में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति-
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित:—

1. श्री अमल कुमार बनर्जी बलवान स्व० महेंद्र नारायण
बनर्जी 84ए राजबल्लभ स्ट्रीट स्यामपुर कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री सज्जन कुमार अग्रवाल (2) संतोष कुमार अग्रवाल
(3) महेंद्र कुमार अग्रवाल (4) जीतेन्द्र कुमार अग्रवाल मार्किन
कान्ता टोली चौक रांची (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, ज भी अवधि
बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में
द्विबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोध्यामरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 12 कठ्ठा 1 छटांक 3 वर्ग फीट जो
होलिडिंग नम्बर 281, खाम महल, प्लॉट नम्बर 90 होलिडिंग
नम्बर 25 का अंश, सर्वे प्लॉट नम्बर 2450 म्युनिसिपल
होलिडिंग नम्बर 712 वार्ड नम्बर VII बी पहला 463 वार्ड
नम्बर VII पुराना 40 और 41 वार्ड नम्बर I जो रांची में स्थित
है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 5706 दिनांक 20-6-79
में वर्णित है और जो जिला और निबन्धन पदाधिकारी रांची
के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम पदाधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,

अर्जुन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 8-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना दिनांक 8 फरवरी, 1980

निदेश सं० II-372/अर्जन/79-80—अतः मुझे जे० नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 13 मॉकिल नं० 22 बार्ड नं० 8 सीट नं० 67 है तथा जो दरजी टोला मुरादपुर पटना में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति धापी देवी झुनझुनवाला विधवा स्व० सत्य नारायण झुनझुनवाला (2) श्री कंदार नाथ झुनझुनवाला (3) श्री ललित कुमार झुनझुनवाला (4) श्री जुगल किशोर झुनझुनवाला (5) श्री अशोक कुमार झुनझुनवाला सभी पुत्र स्व० सत्य नारायण झुनझुनवाला बोरीग रोड वसन्त बिहार कालोनी, पटना (अन्तरक)

2. श्री मीनाराम अग्रवाल पुत्र श्री निवाश अग्रवाल (स्वर्गीय) साकिन दरजी टोला मुरादपुर थाना पीरबहौर जिला पटना (अन्तरक)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अंग्रेजताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

परामर्शक :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 2088 वर्ग फीट दो मंजिला मकान सहित मौजा दरजीटोला मुरादपुर बांकीपूरा थाना पीरबहौर पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 4081 दिनांक 26-6-1979 में वर्णित है और जो जिला अवसर निवन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ
सक्षम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 8-2-1980
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 फरवरी, 1980

निदेश सं० III-373/अर्जन/79—80—अतः मुझे ज्यो-
तिन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
महम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० तोजी नम्बर 438 थाना नं० 4 खाता नं०
97 प्लॉट नं० 605 है तथा जो काजीपूर, कदमकुशां पटना
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 27-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
आधिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अधोबनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

7—516 GI/79

1. श्रीमति रुद्र रानी देवी जोजे स्व. बाबु धनुषधारी
प्रसाध ऐडवोकेट, कदमकुशां बी० ब्लाक न्यू ऐरिया पटना-3
(अन्तरक)

2. श्रीमति कलावती देवी जोजे श्री द्वारिका प्रसाद कदम-
कुशां थाना कदम कुशां पटना-3 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या हरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-अ में परिभाषित है, वही
वर्ण होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 1 कठ्ठा 7 घूर 8 घूरनी दो मंजिला
मकान सहित मौजा काजीपूर, कदमकुशां पटना-3 में स्थित है
और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 4107 दिनांक 27-6-79
में वर्णित है और जो जिला अवसर निबन्धन पदाधिकारी पटना
के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ
सहम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण/
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 8-2-1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1980

निदेश सं० III 375/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतिन्द्र
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
उक्त पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नं० 9 खाता नं० 2 प्लॉट नं० 237
(अंश) थाना नं० 10 खेत नं० 1 है, तथा जो बहादुरपुर
पटन में स्थित है (और इससे उपाबलध्न अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पटना मीटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 26-6-1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वादिख में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

मेमर्स विहार केवल कम्पनी कंकड़वाग रोड थाना मुलतानगंज
जिला पटना द्वारा साझेदारी (पार्टनेर्स) का नाम:—

1. श्री मदन लाल विसनोई बल्दान स्व० हरिदत्ता विसनोई
निवासी बोरींग केनाल रोड थाना कोतवाली जिला पटना आनी
विसनोई, पेशा-व्यापार।

2. डा० आनी लाल विसनोई बल्दान स्व० हरिदत्ता
विसनोई निवासी बोरींग केनाल रोड थाना कोतवाली जिला,
पटना जाति विसनोई पेशा-व्यापार।

3. श्रीमति गुरेश कुमार विसनोई पत्नि श्री रतन लाल विस-
नोई निवासी श्री कृष्ण पुरी थाना कोतवाली जिला पटना जाति-
विसनोई पेशा-व्यापार।

4. श्री अंजनी कुमार विसनोई बल्दान श्री मदन लाल विसनोई
निवासी बोरींग केनाल रोड थाना कोतवाली जिला-पटना, जाति-
विसनोई पेशा-व्यापार।

5. श्री उदय विसनोई बल्दान श्री रतन लाल विसनोई निवासी
श्री कृष्णापुरी थाना कोतवाली जिला पटना जाति-विसनोई पेशा-
व्यापार

6. श्री देवेन्द्र कुमार विसनोई

7. श्री जोगेन्द्र कुमार विसनोई

(6-7) दोनों बल्दान श्री राजेन्द्र कुमार सिंह निवासी बरादरी
थाना कोतवाली जिला मोरादाबाद (यू० पी०) दोनों जाति-विस-
नोई, पेशा-व्यापार

दोनों अपने आपको लाफूल एंटीरनी के द्वारा दर्शाते
हैं—श्री रतनलाल विसनोई बल्दान स्व० श्री हरिवत्त विसनोई
निवासी श्री कृष्णापुरी थाना-कोतवाली जिला पटना (अन्तरक)

2. श्रीमति इन्दु मोर पत्नी श्री कमल प्रसाद मोर अधिवक्ता,
आर० के० ऐन्व्यू, थाना पीर बहौर पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुरोध

जमीन का रकबा 3 कट्टा 8 घूर 10 घूरकी, चाहर
दिवारी एक गोदाम और चार कमरा के साथ बहादुरपुर
में स्थित है जिसका तौजी नम्बर 9, खाता नम्बर 2, प्लॉट
नम्बर 237 (अंश) थाना नम्बर 10, खेत नम्बर 1 इत्यादी
है जो पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 2645 दिनांक 26-6-79
में अंकित है तथा जो अब निबन्धन पदाधिकारी पटना मीटी
के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ

सक्षम पदाधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षी)

अर्जन रेंज, पटना

तारीख 13-2-1980

मोहर:

परूप आई० टी० आई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 फरवरी 1980

निदेश सं० III 376/अर्जन/79-80—अतः, मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी म्यूनिसिपल होल्डिंग नं० 344 वर्तमान होल्डिंग नं० 344C, वार्ड नं० 1, थोका नं० 248 है तथा जो गिरिडीह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. हरी चौधरी पति कृष्णा प्रसन्ना चौधरी मोनीडिह, जिला धनबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती कल्पना नाग चौधरी पति बंकीम चन्द नाग चौधरी, 28 हरि घोष स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरिती)
3. श्री ए० के० भट्टाचार्य (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 12½ कट्ठा तीन मंजिले मकान सहित जो गिरिडीह में स्थित है जिसका पुराना म्यूनिसिपल होल्डिंग नं० 344, वर्तमान होल्डिंग नं० 344 सी, वार्ड नं० 1, थोका नं० 248 है तथा जो पूर्ण रूप से बस्तावेज संख्या I—3825 दिनांक 13-7-79 में वर्णित है तथा जो रजिस्ट्रार आफ ऐस्युरेंस कलकत्ता द्वारा निबधित है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 14-2-1980

माहुर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1980

आ० ए० सी० नं० 49/794/79-80—अतः मुझे
के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मलवी नं० 2-3-9 है, जो सिकन्दरबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दरबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ऐ० ऐन० बीराबद्रा (2) ए० एस० जयाकुमार
(3) ए० टी० नारीनवर 6/ए मद्रास में रहते हैं (अन्तरक)

2. श्री महवी आली 65, एम० जी० रास्ता सिकन्दरबा-
बाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 2-3-9 और 2-3-10 एम० जी० रास्ता
सिकन्दरबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1889/79 उप राष्ट्रीय
कार्यालय सिकन्दरबाद में ।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एम० एम० खाजा 5-9-303 गनकैन्दरी, हैदराबाद
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1980

आर० ए० सी० नं० 494/79—80—अतः मुझे के०
के० वीरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं० सरखे नं० 16, 17 है, जो शेकपेट गाऊ
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जन 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—2. श्री अल्लूरी सत्यानारायण राजू (2) ए० विजय कुमार
राजू (3) ए० सीतादेवी (4) पी० वरलक्ष्मी (5) पी० बनगरम्मा
(6) पी० नोरमला (7) ए० मलीकारजुनाराजू (8) ए० गोपाल
राजू (9) ए० श्रीशम्भुराजू (10) पी० नरसीम्माराजू
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घोरायसी जमीन सरखे नं० 16 और 17 धुमला जमीन 9
येकर्स 24-1/2 गुनटा शेकपेट गाऊ हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 1745/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980

मांहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1980

आर० ये० सी० नं० 495/79-80—अतः मुझे के० के०
वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 5-4-935/ऐ है, जो नामपल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जून 1979।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री किशन राज येस कारवानकर

(2) श्री निवासाराज कारवानकर

(3) श्रीमति रुक्मीनीबाई कारवानकर

(4) कुमारी गीतान्जली तमाम का घर 5-4-435 नामपल्ली
हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) मेसर्स काकातीया कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड 5-4-435
नामपल्ली हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मन्जिला घर नं० 5-4-435/ऐ० स्टेशन रास्ता नामपल्ली
हैदराबाद वेस्टर्न 727-वर्ग याई रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3784/
79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 12-2-1980

मांहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1980

आर० ये० सी० नं० 496/79-80-अतः मुझे के० के०
वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 43 है जो 22-7-269/43
दीवानदेवडी में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आजम-
पुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मैसर्स शहबुल्लस 22-7-269/3 दीवानदेवडी हैदराबाद ।
(अन्तरक)

2. श्री हाजीअब्दुल अजीज पिता हाशम 16-7-503 बेगम
बाजार हैदराबाद (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 43 घर नं० 22-7-269/43 दीवानदेवडी हैदराबाद में
है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1781/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय आजम-
पुरा में है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 12-2-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 497/79-80—अतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन बताने लाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 356 है, जो मोलाली सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति इन्दिरा जगन्नी (2) कुमारेबी (3) राजू बुसुमल, आर० कोशनघेन इनके नीनारकार है किसन्दराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री इन्डस्ट्रियल वर्क्स बीकर सेक्शन ही बिल्डिंगसीसैबी सनतनगर हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धीरायती जमीन सरवे नं० 356 में है मोलाली मलकागिरी पनकालम में है सिकन्दराबाद वीस्टन 12 एकड़ 15-गुनटा रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 6520/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1980

आर० ये० सी० नं० 498/79-80—अतः, मुझे, के के०
वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 298/1 299/1 है, जो मलकाज
गवेली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदरा-
बाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जून 1979 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8—516GI/79

1. श्री पी० वी० सी० तीम्माराजू (2) पी० सुबाराजू
(3) रामाकृष्णाराजू (5) के० चन्द्राराजू (5) श्रीमति जानी-
कम्मा घर नं० 1/191 लीनगीजीगुडा सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. श्री दी० माडरन कवापरेटीव हैज बिल्डिंग सोसाइटी
4-1-624 तुलुष बाजार हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जीरायती जमीन सर्वे नं० 298/1 और 299/1 वेस्टर्न
येक येकर 20-मुनट मलकाजगीरी राउ सिकन्दराबाद में है
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5804/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदरा-
बाद ईस्ट में ।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1980

आर० ये० सी० नं० 499/79—80—अतः मुझे के०

के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सरखे नं० 298/1 है, जो मलकाजगिरी राज स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) पी० वी० सी० तीम्माराजू (2) पी० सुबा-राजू (3) रामाकृष्णा राजू (4) के० आर० राजू (5) एम० जानाकम्मा तमाम का घर 1/191 लीनगीजी गुडा गड हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री दी माडरन क्वापरेटिव होज बिल्डिंग सोसैटी घर नं० 4-1-624 तुरुप बाजार हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामोत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीरायती जमीन सरखे 298/1 वेस्टर्न मेक मेकर 24 गुन्टा मलकाजगिरी गड हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5842/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-1980।
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1980

आर० ये० सी० नं० 500/79—80—अतः मुझे के० के०
वीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 8-3-969 है, जो शेलारेडीकुंडा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1. ओ० भास्कररेड्डी (2) ओ० प्रबाकररेड्डी (3) ओ०
प्रताप रेड्डी तमाम रहते हैं 8-2-530/5 बनजारा होल्ली
हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमति शानोदेवी पति मेगराज कुराना (2) श्रीमति प्रेम-
लता कुराना 3-4-874/1 बरकतपुरा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अर्जियों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 8-3-969 येल्लारेडीगुडा में है वेस्टर्न 1073
वर्ग यार्ड (श्रीनगरकालोनी) हैदराबाद में रजिस्ट्री वस्तावेज नं०
1936/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, कैरताबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1980

आर० ये० सी० नं० 551/79-80 यतः मुझे, के० के०

वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सरवे नं० 74 है जो पन्त नगर गाऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. नेशनल इंजीनियरिंग येनटरप्राइसेस 8-4-368/ए० सनत नगर हैदराबाद (अन्तरक)

2. औरीक इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड 8-4-38/ए० सनतनगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सरवे नं० 74 वेस्टर्न 5908/012 वर्ग मीटर पन्त नगर गाऊ हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1898/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, कैरताबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1980

आर० ये० सी० नं० 502/79-80—अतः मुझे, के० के०

वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सज्ज प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5/8 विभाग है जो 5-1-680, 680/1 बेनक गली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शान्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एस० राघवन, (2) रत्नजीत राघवन (3) राजा-लशमी (4) वेदम्मा तमाम का घर नं० 7 श्रीनगरकालोनी हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री सपतागोरी रोमल ईस्टेट प्रैक्ट लिमिटेड 4-3-74 सीलस्ट्रीट गासमनजी सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोव्यवहारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/8 विभाग घर नं० 5-1-1680 और 680/1 बेनक कालोनी हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3733/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1980

आर० ये० सी० नं० 503/79—80—अतः मुझे के० के०

वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3/8 विभाग है, जो 5-1-680, 680/1, बेनक का गली स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मिस रंगानाथन (2) दिलीप रंगनाथन (3) सन-दीप रंगनाथन (4) प्रदीप रंगनाथन घर नं० 5-1-680 बेनक गली हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री सप्तगिरी रियल ईस्टेट प्राईवेट लिमिटेड 4-3-74 ईंग्लस गली सिकन्दराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अगोस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकें ।

हरष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

3/8 विभाग घर नं० 5-1-680 और 5-1-680/1 बेनक का गली हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4449/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980 ।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 फरवरी 1980

आर० ये० सी० नं० 604/79—80—अतः मुझे के० के०
वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-876/बी है, जो बेगमपेट में स्थित है (और
इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन कैरताबाद
79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व में आई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य यास्तियों
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. परीक्षापरजाना पति महमद रीयासत अली कानर (जी
पी० ओ०) श्रीमति कुकुनाबेगम -6-3-865/ऐ बेगमपेट हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री महमद कलीमपादक (2) महमद शमीम पैसल (उप
के० मा० सेसीया रीयाना अलीम रकवाले है 6-3-865/ऐ०
बेगमपेट हैदराबाद में । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

घर नं० 6-3-965 बी बेगमपेट हैदराबाद रजिस्ट्री
वस्तावेज नं० 1924/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में ।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 14-2-1980 ।
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 फरवरी 1980

आर० ये० सी० नं० 505/79—80—अतः मुझे के० के०

वीर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सारवे नं० 278 286 है, जो अल-वाल स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रविणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तिबों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० बनवय्या (2) पी० वी० रागवेनदर (3) ग० बी० ओमकर (4) पी० बी० मोहन तमाम रहते हैं 4/25-पुराना अलवाल सिकन्दराबाद (अन्तरक)
2. श्री इन्दिरा नगर क्वापरेटु होजीरा सोपैटी लिमिटेड 8-3-222 युसुगुडा हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना द्वारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी धाकेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का सारवे नं० 278 और 286 वीस्टर्न गुनटा लोट-कुनटा अलवाल हैदराबाद जिला (रनगरेडी जिला) के पास में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1245/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 14-2-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 फरवरी 1980

निर्देश आर० ए० सी० नं० 506/79-80—अतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 278,286 तथा जो अलवाल लोश कुंटा स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से रुबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9—516GI/79

1. श्री पी० मलप्पा (2) पी० कृष्णा (नाबालग घर नं० 4/25 अलवाल सिवन्दराबाद में है (अन्तरक)

2. इन्दिरा नगरको आपरेटीव् हाउसिंग सोसायटी लि० घ० नं० 8-3-222/बी/जेड इन्दिरानगर युसुफगुडा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जो जमीन सर्वे नं० 278 और 286 में है जिसका विस्तीर्ण 34 गुंटे है, जो लोशकुंटा अलवाल के० पंचायत रंगारेड्डी जिले में है जिसका रजिस्ट्रेशन डाँ नं० 1243/79 जरिये उप रजिस्ट्रार हैदराबाद वेस्ट कार्यालय में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-2-1980

मोहर:

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 फरवरी, 1980

आर० ये० सी० नं० 507/79-80—प्रतः मुझे, के० के०
वीर

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सं० नं० 278, 286 है, जो लोथ-
कुंटा अलवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० नामेन्द्र राव, (2) पी० मधुवेन्द्र दोन्हों
घर नं० 1-2-399 बोमनगुड्डा हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

2. मेसर्स इन्दर नगर कोआपरेटिव हाउसींग सोसायटी लि०
जरिये श्री ए० ताताराव घ० नं० S-3-222/बी/7 इन्दरनगर
यूसुफगुड्डा हैदराबाद में रहते हैं (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाजप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

धनुसूची

जो जमीन सं० नं० 278 और 286 बीस्तीर्ण 23 गुंटे लोथ-
कुंटा अलवाल, रंगारेड्डी जिल्लहे में है, जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं०
1242/79 के जरिये उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में
हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 14-2-1980

मोहर:—

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 फरवरी 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 508/79-80—अतः मुझे, के० के०

वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तीसरी मंजिल है, जो 5-9-22/76 आदर्श-नगर में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1980 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का समूह उनिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती से (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उद्योग पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीबी० रामास्वामी, 5-9-22/76 आदर्श नगर, हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्रीमती नाक्षीमा अन्सारी उर्फ नाजीमुनिसाबेगम पत्नी हामीद आनसारी, 8-2-466/1 प्लॉट नं० 4, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्हावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्देश्यकारी के पास लिखित में लिखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीसरी मंजिल प्लॉट नं० 2 बिल्डिंग नं० 5-9-22/76 विस्तिर्ण 1200 वर्ग फुट जो आदर्श नगर हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 3433/79 से जवाबंट आफ रजिस्ट्रार हैदराबाद कार्यालय में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-2-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 फरवरी, 1980

आर० ये० सी० नं० 509/79-80—अतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 16-2-866/2 सैदाबाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति तायबा मजीद खान, 3-5-782/ए कींग कोठी में रहते हैं। (अन्तरक)
2. श्री सीसीवाजाव वेग ध० नं० 16-2-851-ए सैदाबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाको :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वीस्तीर्ण 659 वर्ग गज जो ध० नं० 16-2-866/2 से लगी हुई है, सैदाबाद हैदराबाद में है। जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 3552/79 से जाईन्ट उप रजिस्ट्रार कार्यालय में हुआ है।

के० के० वीर
सश्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-2-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1980

आर० ये० सी० नं० 510/79-80—अतः मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० जमीन खे० नं० 15 और 19 है जो युमुफगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री कोयापल्ली स्वामी (2) श्री कोयापल्ली जीतय्या यह दोनों युमुफगुडा हैदराबाद में रहते हैं (अन्तरक)
2. गव्हर्मेन्ट मेडीकल स्टोअरस डिपार्टमेन्ट को आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लि० [हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 200 वर्ग फुट जो खे० नं० 15 और 19 युमुफगुडा हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 1731/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1980

आर० ये० सी० नं० 511/79-80—अतः मुझे, के०

के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सं० नं० 15, 18 19, है जो युसुफगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कोथापल्ली मल्लय्या (2) के० श्रीसेलम, (3) के० यादगीरी (4) सुदरशन (5) के० प्रकाशा यह सब युसुफगुडा हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

2. गवर्नमेंट मेडिकल स्टोअरस डिपार्टमेंट यमप्लाईज कोम्पाय-रेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० सन्जीव रेड्डी नगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 3168 वर्ग मीटर्स जो सं० नं० 15, 18, 19 युसुफगुडा हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 1732/79 से उप रजिस्ट्रार खैरताबाद कार्यालय में हुआ है।

के० के० वीर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-2-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1980

आर० ये० सी० नं० 512/79-80—अतः मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 5-9-22/75 है, जो आदर्श नगर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को जाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसा किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्तिर्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० रामचन्द्रराव 5-9-22/75 आदर्श नगर हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति कलावती, (2) श्री भगतराम (3) गिरीधर लाल (4) गिजलाल (5) अमरनाथ यह सब 5-9-22/75 आदर्श नगर हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धी

ब० नं० 5-9-22/75 आदर्श नगर हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 3342/79 से उप रजिस्ट्रार हैदराबाद कार्यालय में हुआ है।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-2-1980
मोहर :

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. ए. स. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आ० ये० सी० नं० 513/79-80—यतः
मुझे के० के० बीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट 11-4-656/1 है, जी रेड हिल्स
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुमूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 19 जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ए. एन० राजगोपाल जरीये श्री यु० पी०
जगदीशन 86 बी किंगज बे सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) श्री शम्भूदयाल 11-4-656/1 रेड हिल्स हैदराबाद
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ध० नं० 11-4-656/1 का हिस्सा जो रेड हिल्स
हैदराबाद में है, जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 3285/79 से उप
रजिस्ट्रार हैदराबाद कार्यालय में हुआ है।

के० के० बीर०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० ये० सी० नं० 514/79-80—यतः मुझे

के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा 11-4-656/1 है, जो रेड हिल्स हैदराबाद स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुछ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
10—516GI/79

(1) श्रीमती लक्ष्मी नटराज आय्यर (2) शारदा राजनाथन दोनों घ० नं० 3-6-779 हिमायत नगर हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

(2) श्री दीनदयाला पुत्र मुकराम अग्रवाल मन्वरमाल आदीलाबाद मिलहे में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घ नं० 11-4-656/1 का हिस्सा रेड हिल्स में है जिसका रजिस्ट्रेशन डी० नं० 3290/79 जाइन्ट उप रजिस्ट्रार हैदराबाद कार्यालय में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश नं० आर० ये० सी० नं० 515/79-80—यतः मुझे,
के० के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा नं० 11-4-656/1 है जो रेडहिल्स
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 19 जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मिस० नन्दीनी पुत्री स्वर्गीय ए० एन०
रामनाथन जी० पी० ए० शारदा रामनाथन 3-6-779 हिमायत
नगर हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष कुमारी पत्नी शामसुन्दर अग्रवाल
माँचीरयाल आदिलाबाद जिले में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्ययन 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुखी

ब नं० 11-4-656/1 का हिस्सा रेड हिल्स हैदराबाद
में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 329/79 में जाईन्ट उप
रजिस्ट्रार हैदराबाद में हुआ है।

के० के० बीर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्चन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

सं आर० ये० सी० नं० 516/79-80—यतः मुझे,
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा नं०-114-656 है, जो रेड हिल्स
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 19 जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी माप की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किंवा
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्रीमती विजयलक्ष्मी पत्नी वर्धराजन जी० पी० ए०
शारदा रामराधन 3-6-779 हीमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता गणेश पत्नी पी० गणेश जी पी० ए०
नं० 1।

(2) श्री मुकुन्दलाल पुत्र श्री गीरधारीलाल अग्रवाल
21-1-748 पटेल मार्केट हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोधुस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

घ नं० 11-4-656/1 का हिस्सा जो रेड हिल्स में है
जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 3288/9 से जाइंट उप रजि-
स्ट्रार हैदराबाद कार्यालय में हुआ है।

के० के० वीर,
सक्षम 'प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्चन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 16-2-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

आर० ये० सी० नं० 517/79-80—यतः मुझे के०के०
वीर,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सं० 1-10-66/ए० है, जो बंगमपेट सीकन्दरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सीकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 19 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुत लिखित में बास्त-
विक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को
जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनांश
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार, मैं,
म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मेहरुनिस्सा बेगम घ० नं० 7-1-616
आमीरपेट हैदराबाद में रहते हैं

(अन्तरक)

(2) श्री पी० जीर पुत्र स्वर्णीय पी० एम० चक्रपाणी
बलाक नं० 450 लालगुडा सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के
लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के संबंध में कोई भी धांधला:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विषद्वय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6 सं० नं० 29, 189, में एम० नं०
1-10-66 ए० बंगमपेट सिकन्दराबाद में है, जिसका रजिस्ट्र-
ेशन डा० नं० 1659/79 से उप रजिस्ट्रार सिकन्दराबाद
कार्यालय में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 16 : फरवरी 1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 518/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी जमीन सं० 83 और 84 है जो अंबर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सयद आहमद पुत्र स्वर्गीय आहमद व० नं० 2-2-22 बाग अंबरपेट में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. मैसर्स तुलसी कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि० सी० टी० आय-नल्लाकुन्टा हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सं० नं० 83 और 84 विस्तीर्ण 6243 स्क्वायर गज बाग अंबरपेट हैदराबाद में है, जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 3294/79 से जाहन्ट सब रजिस्ट्रार हैदराबाद कार्यालय में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-80
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 519/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन सं० नं० 83 और 84 है जो बाग अंबरपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सय्यब आसम पुत्र स्वर्गीय आसीम 2-2-22 बाग अंबरपेट में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. मैसर्स तुलसी कोआपरेटिव सोसायटी लि० सी० टी० आय रोड नरलाकुंटा हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोध्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जो सर्वे नं० 83 और 84 बाग अंबरपेट में हैदराबाद में वीस्तीर्ण 6145 वर्ग गज है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 3397/79 से जारी उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 520/79-80—यतः

मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जमीन सं० नं० 83 और 84 है, जो ग्रंथर-पेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत् निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सत्यज्ज आश्रम च० नं० 2-2-22 बाग ग्रंथरपेट में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. मैसर्स तुलसी कोऑपरेटिव सोसायटी लि०, सी० टी० आय रोड, नल्लाकुंटा हैदराबाद में है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्राकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 83 और 84 बाग ग्रंथरपेट हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 3319/79 से जाईन्ट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-80

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एम०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 621/79-80;—यतः
मुख्य के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 2-176 है, जो फतेह नगर हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये प्रस्तुत हो गई है और मुख्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उक्त दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) का बोझ ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० व्यंकटेश्वराराव पुत्र नारायणा घ० नं० 2-
716 फतेह नगर हैदराबाद में है।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ए० नरसिन्हा रेड्डी
(2) श्री ए० श्रीरामा रेड्डी घ० नं० 1-28 और
1-29 पालेरला रामायणपेट ता० नलगुन्डा
जिले में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रबधि, जो भी प्रबधि
बाद में गण्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्राय व्यक्ति द्वारा, प्रकाशनात्मक के पाम लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है,
बड़ी भर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घ० नं० 1-176 जो प्लॉट नं० (0.6) सं० नं० 20,
21 बीस्तीर्ण 2005 वर्ग गज फतेह नगर में है जिसका
रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 1264/79 से उप रजिस्ट्रार
कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-80

मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एस०—

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 523/79-80—यतः मुझे के० के० वीर आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पत्रावली 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6-3-347/20 है, जो द्वारकापुरी कालोनी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बत या अन्य वास्तविकों को, निम्न भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

11—516GI/79

1. श्री बी० शिवानन्द रेड्डी जी० पी० ए० वी० व्यंकट रमनारेड्डी घ० नं० 3-6-267 हीमायत नगर हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एन० वी० सुब्बाराव।

(2) श्रीमती डॉ० के० भास्करम्मा घ० नं० 1-10-193 आशोक नगर हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घ० नं० 6-3-347/20 की पहले मंजिल जो द्वारकापुरी कालोनी हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 3612/79 जाईन्ट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 524/79-80—यतः
 मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1962 (1962 का 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के
 अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
 अधिक है

और जिसकी सं० नं० 194/3, 4, है, जो टोली चौकी हैदराबाद
 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार है
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री इन्दुर जयसिंघानी पुत्र श्री करतार सिंह
 (2) श्री करतार सिंह उदय सिंघानी दोनों
 ष० नं० 9-4-132 टोली चौकी हैदराबाद
 रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० ए० सलाम पुत्र एस० महबुब मियां
 6-3-1086/3 सोमाजी गुडा हैदराबाद में रहते हैं।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीराती जमीन वीस्तीर्ण 3 एकड़ 5 गुडा जो सं० नं०
 194/3 और 194/4 टोली चौकी हैदराबाद में है और
 दो पोल्ट्री रोड्स और बाडली है, जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं०
 1845/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980

मोहर:

प्रख्य आई० टी० एम०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 525/79-80—यतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 194/3 और 194/4 है, जो टोली चौकी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री करतार सिंह जयसिन्धानी 9-4-132 टोली चौकी हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री एस० महबुब मीय्या घ० नं० 6-3-1086/3 सोमाजी गुंडा हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीराती जमीन सं० नं० 194/3 और 194/4 वीस्तीर्ण 1.8 एकड़ जो टोली चौकी हैदराबाद में है और एम० नं० 9-4-132 है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 1846/79 से उप-रजिस्ट्रार कार्यालय खैरताबाद में हुआ है।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० नं० 526/79-80—यतः मुझे के० के० वीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० नं० 193/4, 194/4 है, जो टोली चौकी
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री नलीनी कृपलानी।
(2) श्री करतार सिंह जयसिंहानी 9-4-132
टोली चौकी हैदराबाद।
(अन्तरक)
2. श्रीमती सुरैया कादीर 6-3-1086/3 सोमाजीगुडा
हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप - -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :-इ में प्रमुखा शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीरायता जमीन वीस्तन 1.6 एकड़ सर्वे नं० 194/3 और
194/4 पोलटरी रोड 3-नौकर का घर 2 स्टोर घर और
नहानेका घर टोली चौकी हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
1847/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय खैरताबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980

मोहर:

प्रारूप धाई० टी० एन० एम० —————

1. श्री महमूद सीराजीवीन 261/बी मलकपेट हैदराबाद।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना2. श्री महमूद अरीफ सय्यद मीरजा 22-2-380 हुसेनी
महला हैदराबाद।
(अन्तरिती)भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 527/79-80—यतः
मुझे के० के० वीरको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वच्छोद्धारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

घर सं० 2-3-662/2 आजाद नगर, अमबरपेट हैदराबाद
में विस्तीर्ण 824 वर्ग गज रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3723/79
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबादतारीख : 16-2-1980
मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एल०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 528/79-80—यतः
मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 22-2-1088 है, जो अमबरपेट में स्थित है
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पञ्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किमा
बाना जाइये या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्बाद :—

1. (1) श्रीमती बी० विनोदम्मा पत्नी डी० प्रसाद राऊ

(2) श्री ए० मोहनराऊ घर नं० 2-2-1088
अमबरपेट हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० भवानी पत्नी के० रामोदर राऊ 2-2-
1088 अमबरपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिणी)

उक्त पत्राति के प्रसार के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद,
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 2-2-1088 अमबरपेट हैदराबाद में बीस्टन 400
वग गज है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3442/79 उप रजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी, 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 529/79-80—यतः

मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है); की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/16 विभाग है जो दीलूरअपाटमेंट में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकिन्दाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती वीलावर वानु—बनजारा हिल्स हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती बशीरुन्नीसा 1/16 विभाग का घर बेगमपेट
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति विभाजन नकिया हुआ विभाग 1/16 वीलु
अपाटमेंट बेगमपेट सीकिन्दाबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
1559/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकिन्दाबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980

मोहर:

प्रकृष घाई० टो० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी, 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 530/79-80—यतः मझे
के० के० वीर

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 336 है, जो मुसापेट में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कानूनी दायमान
प्रतिकर्ष के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिकर्ष के, ऐसे दायमान
प्रतिकर्ष का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकर्ष, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अस्तित्व में कमी करने या उनमें बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या तिसा धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुकरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शशिधाम ।

(2) श्रीमती तारदेवी 49/बी सुन्दरनगर
हैदराबाद ।
(अन्तरक)

2. श्री बी० मल्लेश और

(2) श्री के० समलु 2-48 मुसापेट हैदराबाद वेस्ट ।
(3) श्री के० महबुब ।
(4) श्रीज बी० जे० रेडी तमाम रहते हैं मुसापेट
हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पाम निवेदन में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही प्रयोजन होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदित

खुली जिरायती जमीन सर्वे नं० 336-मुसापेट रनगारेडी
जिला-रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1147/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद वेस्ट में।

के० के० वीर
सश्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980
मोहर:

प्रारूप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 531/79-80—यतः
मुखे के० के० वीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो सर्वे नं० 118/2,
118/4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मपनजा,
गुटा खेरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
वृक्षमान प्रतिफल का अनुपात प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12—516G1/79

1. श्री पी० सारनगापामी पुत्र पी० एस० नारायना
6-3-140 कीर्ता हनमकोनडा वरनगल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सी० एच० लक्ष्मी पत्नी भासकर राऊ 6-3-
252/4 एरमभनजील हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बीस्तेन 600 वर्ग गज सर्वे नं० 118/2
और 118/4 पनजागुटा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
1935/79 खैरताबाद उप रजिस्ट्री कार्यालय में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 532/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1-बी है, जो गुडीमलकापुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (10908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० वेंकाटेश्वर राऊ 12-2-725/23-रेतीबोला
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. दी सर्वेलकापरेटीव हाऊसिंग सोसायटी रेतीबोली
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 2,873.7 वर्ग गज प्लॉट 1-बी गुडीमलका-
पुर में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1918/79 ऊप रजिस्ट्री कार्यालय
खैरताबाद में।

के०के०वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1980

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 533/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1-ए है, जो गुडीमलकापुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री 1. श्री पी० रामचन्द्र राऊ 12-2-725/23 रतीबोली,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. दी सेरवेल कोम्प्रापरेटीव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड
रतीबोली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए आवश्यकियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बीस्टैन 2873.76 वर्ग गज गुडी मलकापुर
में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1917/79 ऊप रजिस्ट्री कार्यालय
खैरताबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-80

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 534/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो पंजागुटा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाहिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाचं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महमद अब्दुल अक पुत्र महमद अब्दुल रहीम
10-3-287/3 शान्तिनगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री पी० शेणारेड्डी 6-3-454/455 पंजागुटा हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के पद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का बीस्तेन 1321 वर्ग गज पंजागुटा के पास रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1899 उप रजिस्ट्री कार्यालय खैरताबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 534/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 10-2-8 है, जो ए० सी० बार्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्यविषय रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राशति, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री राबीया असीफ मीरजा और दूसरे 1-86-हबसी-गुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सैयद जीयामल्ला हुसेनी और दूसरे 23-1-642/3 मोगलपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अखौदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 10-2-8 ए० सी० बार्ड हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3293/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय मोजमजामी मारकोट हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 फरवरी, 1980

निवेश सं० ए० एस०/आर० II/1979-80—यतः, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि गांव डंड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जीतो, प्रीतो पुत्रीयां चलण सिंह निवासी डंड, तहसील तरन तारन। (अन्तरक)
2. सर्वश्री कुलबिन्द सिंह, हरसा सिंह, हरजिन्द सिंह हरदेव सिंह मार्फत मुख्तार सिंह निवासी डंड तहसील तरनतारन। (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुची रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 71 कनाल 8 मरला है 2/3 भाग 107 कनाल 1 मरला का नहरी जो कि गांव डंड तहसील तरनतारन में स्थित है जैसाकि रजिस्ट्रीडीड नं० 440/14-6-1979 आफ रजिस्ट्री कार्यालय तरन तारन में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निवेदन सं० ए०एम०आर०/79-80/317—यतः मुझे एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान का 1/2 भाग है तथा जो कि गुरु बाजार अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हीरा देवी विधवा श्री नरपत राणु आप और मुख्यतः खास मिन जानब श्रीमती शुक्न्तला देवी पुत्री तरपत राणु और श्री मदन मोहन, श्री ओम प्रकाश, श्री किशोर चन्व निवासी बाजार गुजरा, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाश वन्ती पत्नी श्री किशन चन्द गुरु बाजार, दुकान नं० 173/2, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान का 1/2 भाग नं० 173/2 जो कि गुरु बाजार अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 664/1 दिनांक 1-6-79 आफ रजिस्ट्री अथारटी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० जे०बी०जेड०/79-80/318—यतः मुझे एम०
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव झन्बाल कला अमृतसर है
तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री ब्रजवा सिंह पुत्र श्री अला सिंह झन्बाल कला
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह पुत्र भोला सिंह गांव झन्बाल कला
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैमाकि नं० 2 में है यदि कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के, अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 56 कनाल 8 मरला गांव झन्बाल कला में
है। जैमाकि रजिस्ट्रीकृत सं० 416 दिनांक 13-6-79 रजिस्ट्री
अधिकारी झन्बाल में स्थित है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 12-2-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० एएसक्यू/79-80/319—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति श्रिक का उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट आफ लैंड शास्त्री नगर अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जून 19879 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रत. एवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
13—516GI/79

1. चैत्रल खन्ना पत्नी श्री किशन कुमार खन्ना निवासी
गागर मल रोड कटरा जेर सिंह अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री राम श्रीमती रेनु मेठ पत्नी
सुरिन्द्र कुमार और मनीश कुमार (एम) निवासी
कोठी नं० 59 अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा सं० 2 पर और कोई किरायेदार हो।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति रुचि रखता हो।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट 1000 वर्ग गज शास्त्री नगर में जोकि सेल डीड
नं० 740/I दिनांक 6-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर
में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 12-2-80
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० एएसक्यू/79-80/320—यतः मुझे एम० एल०

महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है जो शास्त्री नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. निर्मल खन्ना परमी विष्णु खन्ना आर/प्रो 368 गन एजवेन्यूज।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री राम श्रीमती रेनू सेठ परमी सुरिन्द्र कुमार कोठी नं० 59, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

जैसा कि सं० 2 पर और कोई किरायेदार हो।

4. यदि और कोई व्यक्ति रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

सूचनाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट आफ लैण्ड खसरा नं० 623, लारंस रोड पर शास्त्री नगर मकीन नं० 62 जैसे कि सेल डीड नं० 758/I दिनांक 7/6/79 आफ रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-80

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० एसआर/79-80/321—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो कि क्वीनज रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठग पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती महिन्द्र कौर विधवा सु० करम सिंह और सतीश इन्द्र सिंह पुत्र सु० चरण सिंह 3-क्वीनज रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ति देवी पत्नी सु० जीत सिंह 17-मकबूल रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नं० 8 जिसका क्षेत्रफल 266.7 वर्ग मी० है जो कि क्वीनज रोड, अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार डीड नं० 689/1 दिनांक 4-6-79 आफ रजिस्ट्रींग अधीन अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी, 1980

निर्देश सं० एसआर/79-80/322—यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी है तथा जो कर्मो डयौरी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिषो, धर्मांशु:—

1. श्री शिवलाल, हर प्रसाद, करमो डयौरी द्वारा हर प्रसाद पुत्र शिव लाल मुखतार ग्राम मिन० जनाब श्री राम किशन, श्री प्रेम नाथ, श्री केवल किशन, श्री विजयकुमार पुत्र हर प्रसाद (अरकन्त)

2. श्री बहादुर सिंह पुत्र केसर सिंह, रजिन्द्र सिंह पुत्र बहादुर सिंह निवासी शरीफपुरा, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. किरायेदार गोपाल दास, संजे कुमार, ज्ञान चंद महाजन एंड संज, जनक राज पुत्र किशन चन्द, पवन कुमार एण्ड कं०, पवन कुमार एण्ड कं०, जोगिन्द्र सिंह पुत्र गोपाल सिंह, श्री किशन कुमार महाजन, नवल कुमार खन्ना, सत पाल श्रोम प्रकाश, आर०के० विजय कुमार, भिज लाल खन्ना एण्ड सेन्ज, भिज खन्ना, शिव कुमार पुत्र दीना नाथ, म० सन्त राम एण्ड सन्ज, सन्त राम, विजय कुमार, चमन लाल पुत्र श्रवन मल देव राज, किशोर चन्द, अशोक कुमार एंड ब्रदर्स, सरदार हरमिन्द्र एंड कं०, देवराज किशोर चन्द अमृत महाजन, बलविन्द्र सिंह एण्ड कं०, उत्तम सिंह पुत्र तेजा सिंह वैशानो टेक्सटाल चमन लाल एण्ड सन्ज।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग नं० 2342-43 और 830, 662 करमो देवरी शिव मार्केट में जैसाकि सेल डीड नं० 6901 दिनांक 4-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 12-2-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 फरवरी 1980

निर्देश सं० एसआर/79-80/323—वतः मुझे एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्राप्ति करमो दिओरी में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स शिव लाल हरप्रसाद, बाजार करमो दिओरी अमृतसर, राही हरप्रसाद खुद मुख्तार आम जनाब सिरी केवल कुशन, प्रेम नाथ, राम कुशन, विजय कुमार प्रजान। (अन्तरक)

2. श्री मान सिंह गुलाटी पुत्र हरनाम सिंह गुलाटी सतिन्द्र सिंह पुत्र हरनाम सिंह निवासी 20, कैट अमृतसर। (अन्तरिती)

3. सर्वश्री गोपाल दास संजय कुमार जान चन्द महाजन एण्ड सन्ज, जनक राज पुत्र किशन चन्द पवन कुमार एंड कं०, पवन कुमार एंड कं०, जोगिन्द्र सिंह पुत्र गोपाल सिंह, किशन कुमार महाजन, नवल कुमार खन्ना, सत्य पाल ओम प्रकाश, आर० के० विजय कुमार, मैसर्स ब्रजलाल खन्ना एण्ड सेन्ज, ब्रिज खन्ना, शिव कुमार पुत्र दीना नाथ, मैसर्स सन्तराम एण्ड सन्ज, सन्त राम विजय कुमार चमन लाल पुत्र सरवन लाल, देव राज किशोर चन्द, अशोक कुमार एण्ड एस० हरमोहिन्द्र एंड कं०, देवराज किशोर चन्द, अमृत महाजन बलविन्द्र सिंह एंड कं०, उत्तम सिंह पुत्र तेजा सिंह वैशानो टैक्सटाइल चमन लाल एण्ड सेन्ज।

वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो [उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग नं० 2342-43 और 830, 662 करमो दिओरी में शिव मार्केट अमृतसर जैसाकि सेल डीड नं० 905/1 दिनांक 20-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी, 1980

निर्देश सं० एएसआर/79-80/324—यतः सुते, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक प्रापटी है तथा जो करमो डिअरी अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. शिव लाल हर प्रसाद करमो डिअरी अमृतसर राही हर प्रसाद खुद मुखतार ग्राम जनाब श्री राम कृष्ण, श्री प्रेम नाथ, श्री केवल कृष्ण, श्री विजय कुमार पुत्राण वलों।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तजिन्द्र कौर विधवा सुरिन्द्र सिंह और तेजपाल सिंह पुत्र सुरिन्द्र सिंह बासी शरीकपुरा अमृतसर। (अन्तरिती)

3. मैसर्स गोपाल दास संजय कुमार, मैसर्स ज्ञानचन्द महाजन एंड संज, जनक राज पुत्र श्री किशन चन्द, मैसर्स पवन कुमार एंड कं०, मैसर्स पवन कुमार एंड कं०, जोगिन्द्र सिंह पुत्र गोपाल सिंह, श्री किशन कुमार महाजन, नवल कुमार खन्ना, मैसर्स सतपाल ओम प्रकाश, मैसर्स आर० कं० विजय कुमार, मैसर्स ब्रिज लाल खन्ना एंड सन्ज, श्री ब्रिज खन्ना, शिव कुमार पुत्र दीना नाथ, मैसर्स सन्त राम एण्ड सन्ज, मैसर्स सन्त राम विजय कुमार, श्री चमन लाल पुत्र सरवन लाल, मैसर्स देव राज किशोर चन्द, मैसर्स अशोक कुमार एंड ब्रदर्स, हरमोहिन्द्र एंड कं०, मैसर्स देव राज किशोर चन्द, श्री अमृत महाजन, मैसर्स बलविन्द्र सिंह एंड कं०, उत्तम सिंह पुत्र तेजा सिंह वैशनो टैक्सटाइल्स, मै० चमन लाल एण्ड सन्ज।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-अ में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापटी नं० 2342-43 और 830, 682 करमो डिअरी में शिव मार्केट जैसा कि सेल डीड नं० 800/I दिनांक 12-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा—
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० एसआर/79-80/325—यतः, मुझे, एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कोठी नं० 8 का $\frac{1}{4}$ भाग है तथा जो कि जी० टी० रोड़, रोगो ब्रिज, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्रीमती शूलकशना अग्रवाल पत्नी श्री चरंजीव लाल अग्रवाल 53- दयामन्द नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश लाल और राज पाल पुत्रान श्री जीया राम निवासी कटड़ा गेर सिंह नई आबादी अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 8 का $\frac{1}{4}$ भाग जो कि जी० टी० रोड़ निकट रोगो ब्रिज अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीनं० 721/1 दिनांक 5-6-79 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-80
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० एएसआर/79-80/326—यतः मुझे, एम०
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 हिस्सा कोठी रीगो ब्रिज अमृतसर
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शूलक्षणा अग्रवाल पत्नी चरनजीत लाल
अग्रवाल निवासी 53, दियानन्द नगर अमृतसर।
(अन्तरक)
2. श्री अशोक कुमार और किशोरी लाल पुत्र श्री जीया राम
निवासी कटरा शेर सिंह अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसाकि नं० 2 में और कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा कोठी नं० 8 नं० 1260/सीएल रीगो ब्रिज पर
जैसाकि सेल डीड नं० 721/1 दिनांक 5-6-79 रजिस्ट्री अधि-
कारी अमृतसर में दर्ज है।

एम एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, उद्घाटन आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० एएसआर/79-80/327—यतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कि कूचा मिशर बेली राम, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के अन्तरण के लिए नए पास पास प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के लिए किसी प्राय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

14—516G1/79

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र सं० दीवान चंद कटड़ा परजा, कूचा मिशर बेली राम, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश राज पुत्र श्री सन्त राम कटड़ा रजा, अन्दरून कटड़ा मिशर बेली राम।

(अन्तरितियों)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार होते।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इन जायदाद में रुची रखता है
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 115/12 और नं० 313/ XII-3 का 1/2 भाग जो कि कटड़ा कूचा मिशर बेली राम, कटड़ा परजा अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 935/1 दिनांक 6-6-79 आफ् रजिस्ट्रींग अथारटी अमृतसर में स्थित है।

एम० एल० महाजन,

तक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर,

तारीख: 12-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/328—यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कि कूचा मिशर बेलीराम, कटड़ा परजा, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चमन लाल पुत्र श्री दीवान चन्द कटड़ा पर्जा, कूचा मिशर बेली, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री जगदीश राज पुत्र श्री सन्त राम कटड़ा पर्जा, कूचा मिशर बेली राम अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर से 2 में और कोई किरायेदार होतो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सक्रान नं० 115/2 और नं० 313/XII-3 का 1/3 भाग जो कि कटड़ा परजा, कूचा मिशर बेली राम, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीज नं० 778 दिनांक 11-6-79 आफ रजिस्ट्रींग अथॉरिटी अमृतसर में स्थिति है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 12-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/329—यतः मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद जो कि कूचा मिशर बेली राम, कटडा परजा, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घृत्युक्त उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री चमन लाल पुत्र श्री दीवान चन्द कटडा पर्जा, कूचा मिशर बेली, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री जगदीश राज पुत्र श्री सन्त राम कटडा पर्जा, कूचा मिशर बेली राम, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर से 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि व सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 115/2 और नं० 313/ XII-3 का 1/3 भाग जो कि कटडा परजा, कूचा मिशर बेली राम, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेलडीड नं० 778 दिनांक 11-6-79 आफ रजिस्ट्रींग अधास्टी अमृतसर में स्थित है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख 12-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश न० ए० एम० आर०/79-80/330—यतः मुखे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो कि कटड़ा आहलुवाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपाय बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स राज विद्या प्रकाश निवामी 2 फल्लोर बम्बई, हनुमान विलडिंग, बम्बई द्वारा महिन्द्र कुमार खुद, विद्या प्रकाश और महिन्द्र कुमार पुगान विद्या प्रकाश द्वारा महिन्द्र कुमार मुजादर मुखतार (अन्तरक)

2. श्रीमती मीना वती पत्नी श्री भिज लाल कटड़ा आहलुवाला, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर से 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक दुकान नं० 1040/2 पुराना और नया नं० 1669/II 23 और 106/ II 23 जो कि कटड़ा आहलुवाला में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 995/1 दिनांक 29-6-79 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी अमृतसर में स्थित है ।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० एस० एम्पार०/79-80/331—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो रणजीत पुरा, पुतलीघर में स्थित है (योर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशोर चन्द पुत्र श्री राम प्रताप निवासी दया नन्द नगर, अमृतसर श्री रोजन लाल पुत्र श्री जय गोपाल निवासी दया नन्द नगर अमृतसर । (अन्तरक)

2. श्री हरिन्द जीत सिंह पुत्र श्री लाल सिंह निवासी मकान नं० 4397/23, रणजीत पुरा पुतलीघर, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो । (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि पर शेड जिसका माप 234 वर्ग मी० रणजीत पुरा पुतलीघर, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 840/1 दिनांक 15-6-79 को रजिस्ट्री अथारिटी, अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/322—यतः, मुझे,
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कि रणजीत
पुरा, पुतलीघर, अमृतसर में स्थित है और इससे उपायद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ये हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री किशोर चन्द पुत्र श्री राम प्रताप और श्री
रोशन लाल पुत्र श्री जोगन पाल निवासी दयानन्द नगर,
अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती जसवीर कौर पुत्री श्री शीशम सिंह मकान
नं० 4397/XIV-23, रणजीत पुरा पुतलीघर अमृतसर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
व सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शेड जिसका क्षेत्रफल 234 वर्ग मी० है जो कि रणजीत
पुरा, पुतलीघर, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेलडीड
नं० 841/1 दिनांक 15-6-79 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी
अमृतसर शहर में स्थित है

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1989

मोहर :

अनुसूची नं० ए० ए० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० ए० आर०/79-80/333—यतः मुझे एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक प्रापटी तरन तारन रोड पर है तथा जो एम० आर० अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्पत्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किता जाना चाहिए या, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कवलजीत सिंह पुत्र श्री कलियान सिंह वासी चौक बाबा भोरी वाला, अमृतसर (अन्तरक)
2. सुरजीत सिंह पुत्र गोपाल सिंह और सतनाम सिंह पुत्र सुरजीत सिंह वासी चौक बाबा भोरीवाला अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किराएदार, श्री बलबीर सिंह, बम्बे टेक्साटाईल मिलज, श्री बी० पी० टेक्साटाईल मिलज। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुची रखता हो) वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रश्न :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापटी नं० 3161/ए/खी तरन तारन रोड पर अमृतसर जैसा कि सेलडीड नं० 929/I दिनांक 21-6-79 रजिस्ट्री अधिकार अमृतसर।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-80
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

अध्याय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/334—यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सप्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो कि बाजार बूतमलकां, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकार से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकार का उद्घाटन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकार, निम्नलिखित उद्घाटन से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से संशोधन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को राजस्व उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायस्व से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया जाईए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पुष्पा लता विधवा श्री प्राण नाथ मकान नं० 2836/2, बाजार बूत मलकां, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमती सवित्री देवी पत्नी श्री ओम प्रकाश निवासी भोजनी जिला बेहड़ धबबाद और श्रीमती प्रेम लता पत्नी श्री मदन लाल निवासी मकान नं० 118 बाजार मोरी गंज, अमृतसर (अन्तरित)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (1) मैसराज जगत नाथ खन्ना 70/पी० एम० (2) मैसराज अमा टेक्सटाइल एजेंसीज 75/- पी० एम० (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रयोग के लिए आवश्यक शुरुआत है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई वा आदेश:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें पद्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2836/2 जो कि बाजार बूत मलकां, अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 777/1 दिनांक 11-6-79 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी अमृतसर शहर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 13-2-80
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/335—यतः मुझे
एम एल महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट मुलतान सिंह रोड पर है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15—516G1/79

1. जागीर कोर पत्नि अमरीक सिंह R/o गोविन्दगढ़
जिला पट्टियाला संसि गुरचरण सिंह पुत्र प्रेम सिंह वासी
हमीवपुर तबील अमृतसर मुखतार आम (अन्तरक)

2. मैमर्स अकाश फोडरी बरक्स, सुलतान बिड़ रोड गहीं
मुरिन्दर सिंह सुलतान बिड़ रोड अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर और कोई किरायेदार (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस प्लाट 726 वर्ग गज सुलतान बिड़ रोड पर जैसा कि
सेल डीड नं० 843/I दिनांक 15-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 13-2-80

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० एस० ए० आर०/79-80/336—यतः मुझे एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बिल्डिंग नं० 1731 से 1737 करमाँ डिओरी अमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाव की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाव या किमा खत या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री केवल किशन अशतार किशन कपूर पुत्र रामदास कपूर और शामदास पुत्र डा० गुरदिता मल R/o मजीठा रोड अमृतसर (अन्तरक)

2. सुदेश कुमार खन्ना, और राज कुमार पुत्र राम मूर्ति खन्ना रीटा खन्ना w/o सुदेश कुमार & कमला खन्ना w/o राम मूर्ति 350 शास्त्री मार्केट अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा सं० 2 और किरायेदार शेरीलाल दवारका दास, शिव कुमार भगत सिंह जगदीश लाल, दवारका नाथ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपधरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग नं० 1731 से 1737 करमा डिओरी अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 801/I दिनांक 10-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-2-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 1961 का 43 की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/337—यतः मुझे एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कोठी नं० 549 है तथा जो कि बसंत एब्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री भूनीलाल पुत्र श्री वरिता मल कोठी नं० 549, बसंत एब्यू अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री गिरधारी लाल पुत्र श्री भजन लाल कटड़ा आहलु-बालिया, गली लाला बोली अमृतसर (अन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 ऊपर और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करवा दूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्तों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सुखी

1/2 भाग कोठी नं० 549 जो कि बसंत एब्यू, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डोड नं० 944/1 दिनांक 22-6-79 आफ रजिस्ट्रींग अधिकारी अमृतसर शहर में स्थित है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 13 फरवरी 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/339—अतः मुझे एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक प्रपाटी कटरा शेरत सिंह और उपर अमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सरदारनी उमिन्द्र कौर विधवा विनोद सिंह, और बीबी जैसा, हरमरण कौर, बमंत कौर, सुखमनी कौर पुत्रियां अमृतसर (अन्तरिती)
2. सरदार बरधाम सिंह, मखन सिंह, दरशन सिंह पुत्र हगनाम सिंह 62 रानी का बाग अमृतसर (अन्तरिक)
3. जैसा कि सं० 2 और किरायदार देवी दयाल, ज्ञान चन्द, हरनान सिंह, बलवंत राय, मदन मोहन, हरनाम सिंह, हंस राज, रामपाल (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 2046/12 कटरा शेरसिंह सिंह म एरिया 335 जैसा कि सेलडीड नं० 765 दिनांक 6-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 13-2-80

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/340—यतः मुझे
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा कृष्ण नगर लारेन्स रोड
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरिण कुमार पुत्र भगवानदास कटरा प्रजा, अमृतसर
(अन्तरक)
2. श्रीमती मोहिन्दर कौर पत्नी हरभजन सिंह लोरेन्स
रोड अमृतसर (अन्तरक)
3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति ऐसे सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायी सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा खसरा नं० 641 मिन कृष्ण नगर
लारेन्स रोड में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 990, दिनांक
29-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-2-80

मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/341—यतः मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि गांव बासरके में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रद्वारा प्रतिष्ठित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तिरियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रवतार सिंह, इकबाल सिंह, निखेल सिंह पुत्रान श्री गुरदियाल सिंह निवासी गांव बासरके (अन्तरक)
2. श्री बलदेव सिंह, जगीर सिंह पुत्रान गुरनियामत सिंह निवासी काला अतुपुर तहसील, अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि सं० नं० 2 ऊपर और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 35 कनाल 17 सरला जो कि गांव बासरके तहसील अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 1898/11-6-79 आर रजिस्ट्रींग अगारटी अमृतसर तहसील में स्थिति है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 13-2-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/342—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा कुन्जी रोड अमृतसर
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मोहिन्दर कौर विधवा करम सिंह और
सतीश इन्दर सिंह पुत्र चरन सिंह, 3 कुवीन्स रोड अमृतसर
(अन्तरक)

2. श्री जसपाल सिंह पुत्र जीत सिंह 17 मकबूल रोड
अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो
तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इसमें सम्पत्ति में रुचि रखता हो
तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा कुवीन्स रोड अमृतसर में है।
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 680 दिनांक 4-6-79 रजिस्ट्री
अधिकारी अमृतसर नगर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-2-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एम० आर०/79-80/343—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक बिलडिंग है तथा जो कि जेल रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री केशव चन्द्र पुत्र श्री गुरदास मल आप और स्पैणल
अटारनी आफ कमल कुमार उसके भाई और श्री रमण कुमार
जगदीश कुमार पुत्रान श्री मुख राज निवासी टाहली साहिब,
अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री केवल कृष्ण पुत्र श्री बाबू राम श्रीमती निरमल
पत्नी श्री केवल कृष्ण संतोष कुमारी पुत्री श्री बाबू राम निवासी
बी० आर० माडरन स्कूल अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं० 21 जो कि प्लॉट नं० 137 पर है जो
कि जेल रोड, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं०
780/I दिनांक 11-6-79 आफ रजिस्ट्री अफारटी अमृतसर के
कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज, अमृतसर

तारीख : 13-2-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/344—यतः मुझे
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक बिलडिंग है तथा जो कि गली उपलां
गुरु बाजार, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

16—516 GI/79

1. हजूर बाबा मधूसूदन सिंह पुत्र बाबा देविन्द्र सिंह
निवासी ऊना जिला ऊना (अन्तरक)

2. श्रीमती अजीत कौर पत्नी बहादुर सिंह, जसमीत
कौर पत्नी रजिन्द्र सिंह, हंम राज पुत्र मान्जु राम, मविन्द्र
सिंह, सुरिन्द्र कौर पत्नी सुरजीन सिंह निवासी शरीफपुरा,
रानी बाजार, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार ही
तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिलडिंग नं० 198/2, रकबा नं० 158/II-3
जो कि गुरु बाजार, गली उपलां, अमृतसर में स्थित है जैसा
कि सेल डीड नं० 835/1 दिनांक 15-6-79 आफ रजिस्ट्रींग
अथारटी अमृतसर नगर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-2-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/345—यतः मुझे एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान दरशनी दिओरी अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपाबद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध को बाध उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :—

1. श्रीमती राम प्यरी विधवा श्री ओमप्रकाश श्रीमती कमलेश कपूर पुत्री, ओम प्रकाश पत्नी श्री रामदास कपूर वासी कैनेडी एवेन्यू, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री बनारसीदास महाजन पुत्र राम रतन श्री दविन्द्रकमार, श्री नरिन्द्र कुमार पुत्र बनारसी दास वासी बाजार दरशनी दिओरी अमृतसर। (अन्तरिनी)

3. जैसा कि 2 पर और कोई किरायेदार बनारसी लाल महाजन एण्ड सन्ज आफ रवीचन्द्र शिंगारी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति शर्चि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी रखता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

को मंजिला एक दुकान 3406/2, 733/2 दरशनी दिओरी में जैसा सेल डीउ नं० 695/I दिनांक 4-6-79 रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

खः 14-2-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 फरवरी 1980

निर्देश सं० अजनाला/69-80/346—यतः मुझे एम० एल०

महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि अजनाला में है तथा जो अजनाला में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धनस्तरीय की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और धनस्तरीय (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धनस्तरीय के वास्तविक में कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरभजन सिंह पुत्र करतार सिंह 9/80 श्रीमती पुरन कौर विधवा गुरदयाल सिंह रतन सिंह, हरबंस सिंह अमरीक सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह और परमजीत कौर पुत्री गुरदियाल सिंह 79/88 अजनाला, जिला अमृतसर) (अन्तरक)

2. श्री धर्म सिंह पुत्र दिवान सिंह पुत्र झंडासिंह वासी अजनाला, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जैसेकि और कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अजनाला में कृषि भूमि 4 कनाल 8 मरला जैसा कि सेल डीड नं० 1008, दिनांक 1-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी अजनाला में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 15-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 फरवरी 1980

निर्देश सं० अजनाला /79-80/347—यतः मुझे, एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि गांव अजनाला में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह पुत्र लक्ष्मन सिंह निवासी अजनाला, जिला अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री धर्म सिंह पुत्र दीवान सिंह श्री झंडा सिंह निवासी अजनाला (अन्तरिती)
3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार ही तो (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रहि रखता हो (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 कनाल 12 मरले जो कि अजनाला कस्बा जिला अमृतसर में स्थित है जो कि रजिस्ट्री डीड नं० 1127/5-6-79 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी अजनाला में स्थित है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 15-2-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/348—यतः मुझे एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा रेसकोर्स रोड, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-1 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुलदीप सिंह पुत्र मुन्शीराम मार्फत कुलदीप इल्काट्रिक वर्कसहल बाजार, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री इजिन्दर सिंह पुत्र करतार सिंह तहसील पुरा गली नं० 3 अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में, है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए सार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिष्ठित अवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 209 मीटर गज रेसकोर्स रोड वसन्त एक्ज्यू अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 737 दिनांक 6-6-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 18 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रकरण घाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/349—यतः मुझे
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० ने अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा रानी का बाग
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (घन्तरकों) और अन्तरिती (घन्तरितीयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।—

(क) घन्तरण में हुई किसी प्राय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के घन्तरक के बाधित में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य बाधितियों
की, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा 1 के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भीम सेन शान्ति स्वरूप, देविन्दर कुमार
पुतगण रूप लाल बजरिया भीम सेन मुख्तयार-ए-आम
माडल टाउन दिल्ली हाल अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमती चम्पा रानी पत्नी जगदीश चन्द रानी का
बाग अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किरादार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी धात्रेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा 262½ वर्ग मीटर रानी का
बाग अमृतसर में है और जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 732
दिनांक 6-6-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 18-2-1980
मोहर:

प्रारूप आई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एम० शार०/79-80/350—यतः मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रानी का बाग अमृतसर जमीन का टुकड़ा है, जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किंसा आय की जाचन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में विश्वास के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

(1) श्री भीम सेन, शान्ति स्वरूप, दबिन्दर कुमार पुत्रगण रूप लाल बजरिया भीम सेन मुक्तार ग्राम माडल टाउन दिल्ली, हाल अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्रीमती विजय शर्मा पत्नी अशोक कुमार मकान नं० 187 रानी का बाग अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लोककरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 241 वर्ग मीटर रानी का बाग अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 707 दिनांक 4-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 18-2-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/51—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० कृषि भूमि सुईया कला अमृतसर है जो
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 19 जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्रीमती निरंजन कौर विधवा केसर सिंह सुईया
कला जि० अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री जंग बहानुर कश्मीरीलाल कलरीलाल द्वारिका नाथ
पुत्रगण विहारी लाल सुईया कला अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में कचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 44 कनाल 9 मरला गांव सुईया कला अमृतसर
में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2105 दिनांक 14-6-79
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर तहसील में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 20-2-1980
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/312—यतः मुझे,
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है
और जिसकी सं० कोठी नं० 549 का 1/2 भाग है तथा
जो कि बसंत एवन्स, अमृतसर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

17—S16G1/79

1. श्री चूनी लाल गुप्ता पुत्र श्री बरिता मल 549
बसंत एवन्स, अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्रीमती रेष्मा रानी पत्नी श्री गिरधरी लाल गली
लाला वाली कटडा आहलुवाला, अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में है और कोई किरायेदार
हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 549 का 1/2 भाग जो कि बसंत एवन्स,
अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार डी० नं० 967/1
दिनांक 25-6-79 आफ रजिस्ट्रींग आथरटी अमृतसर शहर
के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-2-1980

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/67/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1353 है तथा जो सैक्टर 34 सी०, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6 जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति को वाता उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में लगी करने या उत्तम बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. कै० मान सिंह चाहल पुत्र श्री कर्म सिंह वासी 112 इनफैन्टरी बटालियन, जालन्धर कैंट द्वारा स्पेशल अटारनी श्री गरीष भासीन पुत्र श्री पीड़ी दास भासीन वासी एम० सी० एफ० 6, सैक्टर 22 डी० चन्डीगढ़। (अन्तरिक)

2. श्रीमती भाग वन्ती पत्नी श्री पीड़ी दास भासीन व श्री विनोद कुमार पुत्र श्री पीड़ी दास वासी 1562, सैक्टर 34-डी चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1353 सैक्टर 34 सी०, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 377, जून, 1979 में दर्ज है।)

सुख देव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 फरवरी 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/65/79-80—यतः मुखे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 52, सेक्टर 15-ए, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरवन सिंह पुत्र श्री मुन्दर सिंह वासी मकान नं० 3359, सेक्टर 23-डी, चन्डीगढ़ (स्थाई पता: 1/ए चन्दर-नाथ चरदरजी स्ट्रीट कलकता-25) । (अन्तरक)

2. श्री गुरमीत सिंह तुसरी पुत्र श्री मुनशा सिंह व श्रीमति राजिन्दर कौर पत्नी श्री गुरमीत सिंह तुसरी वासी गांव रंगीआं डा० मोरिन्डा, तहसील रोपड़ । (अब वासी 296, सेक्टर 15ए, चन्डीगढ़) (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 52, सेक्टर 15-ए, चन्डीगढ़ ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 355, जून 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख : 8 फरवरी 1980

मोहर :

प्रकप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निर्देश सं० सी० एच० डी०/116/79-80/216—अतः
मुझे सुखदेव चन्द,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2318, है तथा जो सैक्टर
35 सी०, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिस्थ
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कः
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओगिन्दर नाथ मगन पुत्र स्व० श्री गुरमुख राम
मगन मकान नं० 23/32, मोती नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री आराम सरूप चोपड़ा पुत्र श्री द्वारका दास
चोपड़ा वासी मकान नं० 1076, सैक्टर 18-सी, चन्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अयोद्स्थाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2318, सैक्टर 35-सी, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 696, जून, 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 फरवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निर्देश सं० सी० एच० डी०/64/79-80/217--अतः

मुख्य सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2, है तथा जो सेक्टर 21-ए, चन्डीगढ़ में,

स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकरण लिखित में वास्तविक रूप से अर्थित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरबक्ष और सन्धू पत्नी श्री सुन्दर सिंह सन्धू वासी मकान नं० 13, सेक्टर 8 ए, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह गिरीन पुत्र श्री ज्ञान सिंह गांव भूनगरानी जिला होशियारपुर द्वारा जनरल अवतारी श्री बख्तार सिंह पुत्र श्री ठाकुर सिंह वासी 1313, रेलवे रोड, गढ़शंकर, जिला होशियारपुर। (अन्तरिती)

3. (i) श्री लालचन्द अरोड़ा पुत्र श्री पद्म लाल, दीपक कमसियल कालेज।

(ii) श्री हरभजन सिंह, प्रोपराइटर पंटी प्रद्योग (enterprises) मकान नं० 2 सेक्टर 21-अ (21-ए) चन्डीगढ़ (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 36 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2, सेक्टर 21-ए, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 353 जून, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 फरवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निर्देश सं० सी० एच० डी०/119/79-80/218—अतः

मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1415, ई तथा जो सैक्टर 34-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पवर्षित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री रवी कान्त, सुधीर मोहन, विजय कुमार पुत्र श्री ईश्वर दास भसीन, वासी मकान नं० 1922, सैक्टर 22-बी, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री साधू सिंह गोपाल पुत्र श्री बूटा राम गोपाल वासी मकान नं० 1849, सैक्टर 34-डी चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

पात्रको

प्लॉट नं० 1415, सैक्टर 34 सी, चन्डीगढ़।

(जावेद जैपाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या 638, जून, 1970 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 फरवरी 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० एस० ओ० एन०/7/79-80/219—अतः मुझे,

सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट 732 वर्ग मीटर है तथा
जो लोअर बाजार, सोलन (हि० प्र०) में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोलन में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच का अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधियों में वाणिज्यिक रूप से उचित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उन्को बढ़ाने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री संगत राम, मोहिन्दर पाल पुत्र श्री रत्ती
राम, लोअर बाजार, सोलन। (अन्तरक)

2. सर्वश्री इन्दर सिंह, सुरिन्दर कुमार पुत्र श्री सन्त
राम मारफत मैसर्स सन्त राम सदन लाल, माल रोड, सोलन,
(हि० प्र०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 732 वर्ग मीटर है और
जो लोअर बाजार सोलन में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सोलन के
कार्यालय के विलेख संख्या 173, जुलाई, 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन,

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० एन० बी० ए०/83/79-80—अतः

मुख्य, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० दुकान है तथा जो भाभड़ा बाजार, नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिदिन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता तय एकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था, छिपावे में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री राम पाल पुत्र श्री देश राज वासी मकरीया स्ट्रीट, नाभा, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. श्रीमती सवित्री देवी विधवा श्री संतोष कुमार, वासी निवान स्ट्रीट, नाभा। (अन्तरिता)

3. सैमर्ज सन्तोष गलास हाऊज, भाभड़ा बाजार, नाभा, (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बार से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में पक्षी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्तृकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान भाभड़ा बाजार, नाभा।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के विवेक संख्या 925, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7-2-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० पी० टी० आर०/5/79-80—अतः मुझे
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि 16 कनाल है तथा जो गांव दिऊगढ़
सब-तहसील पातरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, पातरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 79 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—
18—316GI/79

1. सर्वश्री जगबन्त सिंह, लाभ सिंह, भूपिन्दर सिंह, कर्म
सिंह, हरगोबिन्द सिंह पुत्र श्री हरदियाल सिंह वासी दिऊगढ़,
सब-तहसील पातरा। (अन्तरक)

2. श्री गौरी शंकर पुत्र श्री सुरज भान वासी पातरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृत्तबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन स्थानों में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल है और जो गांव
दिऊगढ़, सब-तहसील पातरा में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पातरा के
कार्यालय के विलेख संख्या 467 जून, 1979 में रज
है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7-2-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० पी० टी० आर० /4/79-80—प्रतः मुझे
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 45 कनाल 7 मरले है तथा जो
गांव दिऊगढ़ सब-तहसील पातरां में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अतू सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातरां में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख जून
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिजी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत् निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :—

1. सर्वश्री जगबन्त सिंह, लाभ सिंह, भूपिन्दर सिंह, कम
सिंह, हरगोबिन्द सिंह पुत्र श्री हरदियाल सिंह वासी गांव दिऊ
गढ़, सब-तहसील पातरां, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री द्वारका दास' रिशी पाल, डाली राम, वनाम
जनक राज, परम वैद, खजान चन्द पुत्र श्री गौरी शंकर वासी
पातरां। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 45 कनाल 7 मरले है और जो
गांव दिऊगढ़, सब-तहसील पातरां में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पातरां के
कार्यालय के विलेख संख्या 466, जून, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7-2-1980

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० पी० टी० आर०/21/79-80—अतः मुझे
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि 54 कनाल है तथा जो गांव सुतराना,
सब-तहसील पातरां, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे
उपानबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातरां में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री जोगिन्दर सिंह, मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री अमर
सिंह गांव सुतराना, तहसील पातरां, जिला पटियाला ।
(अन्तरक)

2. सर्वश्री अन्तर चन्द, शिमला राम, रोशन लाल पुत्र
लाल चन्द बासी सुतराना, सब-तहसील पातरां, जिला
पटियाला ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया हुआ है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 54 कनाल है और जो गांव
सुतराना, सब-तहसील पातरां, जिला पटियाला में स्थित
है ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पातरां
कार्यालय के लिलेख संख्या 779, जून 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख : 7-2-1980
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०---

प्राधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० पी० टी० ए० /130/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट 437, 5/9 वर्गगज है तथा जो लाल बाग सामने पोलो रोड, लोअर माल रोड, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चगुण प्रतिजत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए चोर/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा; के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा 1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भामबिन्दर सिंह पुत्र श्री चेत सिंह वासी लोअर-माल, पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश जैन पुत्र श्री सीता राम जैन, जंद गली, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 437.5/9 वर्ग गज है और जो न्यू लाल बाग, सामने पोलो रोड, लोअर माल रोड, पटियाला।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1734 जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० एस० एम०/एम०/20/79-80—अतः, मुझे,
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 87 कनाल 9 मरले है तथा जो
गांव कुतवाना, तहसील समाना, जिला पटियाला में स्थित
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, समाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भजन लाल पुत्र श्री जवाहर लाल, वासी समाना
(अन्तरक)
2. श्री हरजिन्दर सिंह पुत्र श्री सुष्मा सिंह, वासी गांव
कुतवाना, तहसील समाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 87 कनाल 9 मरले है और जो
गांव कुतवाना, तहसील समाना, जिला पटियाला में स्थित
है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, समाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 489, जून, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० पी० टी० आर०/6/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 68 कनाल 3 मरले है तथा जो गांव खानेवाल, सब-तहसील पातरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री हरदेव सिंह, बलदेव सिंह, वशान सिंह, लीला सिंह पुत्र हजूर सिंह, वासी गांव खानेवाल, सब-तहसील पातरा। (अन्तरिक)

2. श्री बलबन्ध सिंह पुत्र श्री लच्छमन सिंह, वासी खानेवाल, सब-तहसील पातरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थ अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 68 कनाल 3 मरले है और जो गांव खानेवाल, सब-तहसील पातरा में स्थित है।

(जायेबाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पातरा के कार्यालय के विलेख संख्या 478, जून, 1979 में वर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० पी० टी० आर०/14/79-80—अतः, मुझे,
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि 61 कनाल 12 मरले है तथा जो
गांव खानेवाल, सब-तहसील पातरां, जिला पटियाला में स्थित
है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातरां में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तव
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब 6 अन्-
तर्ग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री दया सिंह, बीर सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह,
वासी खानेवाल, सब-तहसील पातरां जिला पटियाला ।
(अन्तरक)

2. सर्वश्री हरदेव सिंह, बलदेव सिंह, दर्शन सिंह, लीला
सिंह पुत्र श्री हजूर सिंह, वासी गांव हरिआऊ कलां, सब-
तहसील पातरां, जिला पटियाला ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 61 कनाल 12 मरले है और
जो गांव खानेवाल, सब-तहसील, पातरां, जिला पटियाला ।

(जायेवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पातरां के
कार्यालय के विलेख संख्या 595, जून, 1979 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० पी० टी० आर०/18/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 72 कनाल 2 मरले है तथा जो गांव खानेवाल, सब-तहसील पातरां, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पातरां में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री गुजर सिंह वासी गांव खानेवाल सब-तहसील पातरां, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री किरपाल सिंह, ज्ञान सिंह, मेवा सिंह, बसाखा सिंह पुत्र चूहड़ सिंह वासी हरिआऊ कलां, सब-तहसील पातरां, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 72 कनाल 2 मरले है और जो गांव खानेवाल, सब-तहसील पातरां, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पातरां के कार्यालय के धिलेख संख्या 667, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० पी०टी०आर०/13/79-80—अतः मझे,
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि 51 कनाल 1 मरला है तथा जो गांव
खानेवाल, सब-तहसील पातरा, जिला पटियाला में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातरा में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख, जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

19—516GI/79

1. सर्वश्री किरपाल सिंह, ज्ञान सिंह, मेवा सिंह, पुत्र
चूहड़ सिंह वासी गांव हरिआऊ कलां, सब-तहसील पातरा,
जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री धिरणा सिंह, बीर सिंह पुत्र निहाल सिंह वासी
गांव खानेवाल, तुजना पटियाला (सब तहसील पातरा)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 कनाल 1 मरले है और जो
गांव खानेवाल, सब-तहसील पातरा, जिला पटियाला में
स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पातरा के
कार्यालय के विलेख संख्या 594 जून, 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० जी० बी० एस० /31/79-80—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 12 कनाल 15 मरले है तथा जो
गांव लोहगढ़, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा
बस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
काचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बालिबन्ध में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री सुखिन्दर सिंह पुत्र श्री नरिन्दर सिंह पुत्र श्री
दशौन्दा सिंह वासी गांव सनौली, सब-तहसील डेरा बस्सी,
जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. श्रीमति दविन्दर कौर सेठी पत्नी श्री जसपाल सिंह
पुत्र, श्री भक्त सिंह, वासी 211, सेक्टर 35-ए,
चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

हो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त व्यक्तियों के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पात्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घस्तारों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल 15 मरले है और
जो गांव लोहगढ़, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला
में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी
के कार्यालय के विवेक संख्या 396, जून, 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० जे०/69/79-80—यतः मुझे,

सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 8 विषा 14 विसवा है तथा जो गांव बनवारी, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति मुनेहरी विघवा श्री रतन सिंह वासी गांव बनवारी, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. मैसर्स सरस्वती जनरल मिल्स, टाउनशिप राजपुरा, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 विषा 14 विसवा है और जो गांव बनवारी, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाव जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के कार्यालय के विलेख संख्या 1130, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 7 फरवरी 1980

माहुर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० एस० ओ० एल०/5/79-80—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/2 भाग भूमि व बिलडिंग 844 वर्ग गज
है तथा जो टंक रोड, सेर, सोलन (हि० प्र०) में स्थित है,
(और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोलन में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री भीम सैन मेहरा पुत्र श्री राधा राम, बाजार
बांसावाला, जालन्धर द्वारा श्री कंवर सैन मेहरा जनरल
अटारनी। (अन्तरक)

2. श्री जसवंत राय पुत्र श्री नाथी राम, डी, एस० पी०
(हेडक्वाटर) सैट्रल पुलिस अफिस, बेनटोनी, शिमाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 844 वर्ग गज है व
बिलडिंग जो टंक रोड, सेर, सोलन (हि० प्र०) में स्थित
है।

(जायेवाव जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सोलन के
कार्यालय के विलेख संख्या 142, जून 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

मोहुर:

प्ररूप आर्द्द० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० डी० बी० एस०/36/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 12 बिघा है तथा जो गांव नागला सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री शेर जंग सिंह पुत्र श्री रणवीर सिंह वासी गांव नागला सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री जसमेर सिंह पुत्र श्री कुलबन्त सिंह, सुखदर्शन सिंह, कुशलपाल सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह पुत्र श्री चमेला सिंह वासी गांव नागला सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा है और जो गांव नागला सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 468, जून 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० पी० टी० ए०/174/79-80—अतः सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 व 3, 500 वर्ग गज है तथा जो दी माल, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अनूप सिंह, क० सपिन्दर सिंह पुत्र स्व० श्री जनरल चन्दा सिंह, श्रीमति मुखजीत कौर पत्नी श्री किरपाल सिंह वासी जनरल चन्दा सिंह हाऊस, दी माल, पटियाला। (अन्तरक)

2. डा० नरेश गर्ग पुत्र श्री प्रेम पाल गर्ग वासी 12-बाई, दी माल पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2 व 3 जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है और जो दी माल, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2243, जून 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० पा० टी० आर०/8/79-80—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 42 कनाल है तथा जो गांव सुतराना,
तहसील पातरां, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे
17 बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, पातरां में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बलवीर सिंह, हरजीत सिंह पुत्र श्री भगवन्त
सिंह वासी गांव सुतराना तहसील पातरां, जिला पटियाला।
(अन्तरक)

2. सर्वश्री हरभजन सिंह, मंगल सिंह पुत्र श्री अमर सिंह
गांव सुतराना, सब-तहसील पातरां, जिला पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 42 कनाल है और जो गांव
सुतराना, सब-तहसील पातरां, जिला पटियाला में स्थित
है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, पातरां के
कार्यालय के विलेख संख्या 502, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

माहूर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० पी० टी० आर० /7/79-80—अतः मुक्त सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 42 कनाल है तथा जो गांव सुतराना, सब-तहसील पातरां, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातरां में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति बेंअन्त कौर विधवा श्री भगवन्त सिंह, श्री जसवीर सिंह पुत्र श्री भगवन्त सिंह वासी गांव सुतराना, तहसील पातरां, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री हरभजन सिंह जसवीर सिंह पुत्र श्री अमर सिंह वासी सुतराना, सब-तहसील पातरां, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिस का क्षेत्रफल 42 कनाल है और जो गांव सुतराना, सब-तहसील पातरां जिला पटियाला में स्थित है

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पातरां के कार्यालय के विवेक संख्या 501, जून 1979 में वर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निर्देश सं० जी० डी०/86/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शो रूम साईट नं० 58, है तथा जो सैक्टर 26, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा के 269-ग अन्तरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
20—516G1/79

1. श्री अशोक बंसल पुत्र श्री बनवारी लाल बंसल, श्रीमति मीरा बंसल पत्नी श्री यशवीर बंसल द्वारा जनरल अटारनी श्री अशोक कुमार बंसल, श्रीमति रत्न कुमारी पत्नी श्री बनवारी लाल बंसल, श्रीमति सुशील कुमारी गोयल पत्नी श्री हरिश् चन्दर गोयल, श्रीमति नीलम कुमारी पत्नी श्री मुकेश चन्दर, श्री योगेश गोयल पुत्र श्री हरीश चन्दर गोयल सारे वासीमकान नं० 17, सैक्टर 10 ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री हरतार सिंह सांगा पुत्र श्री विक्रमजीत सांगा व श्रीमति अवतार कौर पुत्री चरन सिंह द्वारा जनरल अटारनी श्री परमजीत सिंह वासी 832, गांव व डा० काला सांधीआं जिला कपूरथला

(अन्तरिती)

3. श्री परमजीत सिंह पात्र एस० सी० ओ० 58/26 चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शो रूम साईट नं० 58, सैक्टर 26, चण्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 442, जून 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 फरवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अयकर भवन,

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निर्देश सं० सी० एम० डी०/124/79-80—अतः मुझे

सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1127, साथ में बना हुआ मकान, है तथा जो सैक्टर 34-सी, चन्डीगढ़ 1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन 'निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

1. मेजर अवजीत लाल टेरी पुत्र श्री नन्द लाल टेरी नं० 1 एयर फौरमेशन सिगनल रैजमेंट मारफत 56 ए० पी० ओ०, द्वारा स्पैसल अटारनी श्री दलीप सिंह सेखों पुत्र करतार सिंह वासी 287, सैक्टर 23-ए, चन्डीगढ़ । (अन्तरक)

2. श्रीमति हरदियाल कौर पत्नी श्री दलीप सिंह सेखों मकान नं० 1127, सैक्टर 34 सी, चन्डीगढ़ । (अन्तरिती)

3. श्री इस्टेट आफिसर यूनियन टैराट्री चन्डीगढ़, (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय के 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1127, सैक्टर 34-सी, चन्डीगढ़, साथ में बना हुआ मकान

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 696, जुलाई, 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 फरवरी 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज आयकर भवन

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० जे०/79/79-80—प्रतः मुखे
मुखदेव चन्द,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि का प्लॉट 500 वर्ग गज नं० 22
है तथा जो गुरु नानक कालोनी, राजपुरा टाऊन, राजपुरा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजपुरा
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख जून 1979की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—1. श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री मुख राज सरमा, ठेकेदार
वासी रोपड़। (अन्तरक)2. श्री सतीश भारद्वाज वकील पुत्र श्री राजिवर नाथ
सिवल कोर्टस राजपुरा, जिला पटियाला।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है नं० 22
और जो गुरु नानक कालोनी राजपुरा टाऊन, राजपुरा, जिला
पटियाला में स्थित है।(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के
कार्यालय के विलेख संख्या 1309 जून, 1979 में दर्ज है)मुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियानातारीख : 8 फरवरी 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-ग (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 फरवरी 1980

निर्देश सं० के० एन० एन०/16/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4 कनाल 18 मरला है तथा जो सन्ना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तिवों को जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः :—

1. राजिन्द्र कोर पुत्री अमर सिंह नजदीक गुरुद्वारा, माता रानी मोहल्ला खन्ना । (अन्तरक)
2. दीखन्ना नन्दी को० आप० हाऊस बिडिल्ला सोसाईटी लि० भड़ी (खन्ना) । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित, में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन 4-18 मरला खन्ना

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी खन्ना के कार्यालय में विलेख नं० 498, जून 1979, में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22 फरवरी, 1980 ।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 फरवरी 1980

निर्देश सं० के० एन० एन०/39/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 4 के० 18 है तथा जो खप्पा में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खप्पा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती गुरदयाल कौर पत्नी श्री अमर सिंह माता रानी मोहल्ला, नजदीक गुरुद्वारा, खप्पा। (अन्तरक)

2. दी खप्पा नन्दी को० आप० हाऊस बिल्डिंग सोसाईटी लि०, भड़ी (खप्पा)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् सक्षम प्राधिकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संक्षेप:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 4 कनाल 18 मरला, खप्पा जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी खप्पा के बिलेख नं० 736, जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22 फरवरी 1980
मोहर :

प्रमुख भाई० डी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 1 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/3-80/994—यतः,
मुझ, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 111 (पहली मंजिल) है, तथा जो डी० एल० एफ०
हाउस 40-एफ कनाट, प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें वचने से सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाईटेड लि० 21-23
नरिन्द्रा प्लेस पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. मास्टर अनसुल सिंगल इनके पिता आनन्द प्रकाश सिंगल
के द्वारा

(2) श्री विनय कुमार सिंगल (माइनर) इनके पिता
ओम प्रकाश सिंगल के द्वारा निवासी के-39, हीज खास
इन्क्लेव, नई दिल्ली-16

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के धार्या 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस धार्या में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा सं० 111 (पहली मंजिल) डी० एल० एफ० हाउस,
एफ-40, कनाट प्लेस, नई दिल्ली, क्षेत्रफल 931.41 वर्ग
फुट।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1-3-1980
मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 29th February 1980

No. A.35014/2/80-Admn.II.—In supersession of this office notifications No. A.35017/1/79-Admn.II, dated 10th September 1979 and 6th December 1979, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. P. Jain, a permanent Section Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to the *ex-cadre* post of Accounts Officer on an *ad-hoc* basis for a period of one year with effect from 10th September 1979 or until further orders, whichever is earlier.

Shri M. P. Jain will be on deputation to the *ex-cadre* post of Accounts Officer and his pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.10(24)/E.III/60, dated 4th May 1961, as amended from time to time.

No. A.35014/2/80-Admn.II.—In supersession of this office's notification No. A.35017/1/79-Admn.II, dated 5th January 1980, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri K. L. Katyal, a temporary Section Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to the *ex-cadre* post of Accounts Officer in the office of the Union Public Service Commission on an *ad-hoc* basis for a period of one year with effect from 1st January 1980, or until further orders, whichever is earlier.

Shri K. L. Katyal will be on deputation to the *ex-cadre* post of Accounts Officer and his pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.10(24)/E.III/60, dated 4th May 1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 22nd February 1980

No. 32013/3/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notifications of even number dated 17th September 1979, 2nd November 1979 and 9th January 1980 the President has been pleased to appoint Shri S. K. Bose and Shri M. R. Bhagwat permanent Grade I officers of CSS Cadre of Union Public Service Commission as Deputy Secretaries in the office of the UPSC on *ad hoc* basis for a further period of three months w.e.f. 19th February 1980 and 24th February 1980 respectively or until further orders whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 5th February 1980

No. A-11/54/74.—Shri M. S. Malhotra, Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Delhi zonal office is appointed as Chief Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Delhi zonal office w.e.f. 17th November 1979 and until further orders.

The 4th March 1980

No. E-3(36)/72.—Shri A. B. Chakraborty, Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Calcutta zonal office is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Madras zonal office w.e.f. 13th February 1980 and until further orders.

S. D. MANCHANDA

Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th March 1980

No. V-2/73-Ad.V.—Services of Shri V. R. Lakshminarayanan, IPS (Tamil Nadu-1951) Additional Director, Central Bureau of Investigation are placed at the disposal of

Tamil Nadu State Government on repatriation with effect from the forenoon of 3rd March 1980.

The 10th March 1980

No. A-19019/2/78-Ad.V.—Services of Shri R. D. Singh, IPS (1949-Bihar) Director, Central Bureau of Investigation are placed at the disposal of Government of Bihar State on repatriation with effect from the forenoon of 22nd February 1980.

Q. L. GROVER

Administrative Officer (E)

C.B.I.

DIRECTORATE OF COORDINATION

(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 5th March 1980

No. A.12012/1/79-Admn.—Shri P. S. Kandhola, a temporary Senior Supervising Officer of the Directorate of Coordination (Police Wireless) has been promoted to officiate as Extra Assistant Director in Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200/- with effect from the forenoon of the 15th February 1980 at Hqrs. New Delhi until further orders.

C. P. JOSHI

Director

Police Telecommunications

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 3rd March 1980

No. E-16016/2/79-Pers.—IG : CISF is pleased to appoint Shri P. N. Oberoi, Assistant, to officiate as Section Officer, in the office of IG : CISF, New Delhi, w.e.f. the afternoon of 21st February 1980, who assumed the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-28013/1/79-PERS.—On attaining the age of superannuation, Shri Chandgi Ram relinquished the charge of the post of Asstt : Comdt, CISF Unit, HIL, New Delhi w.e.f. the forenoon of 1st February 1980.

No. E-16016/2/79-PERS.—IG : CISF is pleased to appoint Shri J. R. Sharma, Assistant, to officiate as Section Officer, in the office of IG : CISF, New Delhi, w.e.f. the afternoon of 21st February 1980, who assumed the charge of the said post w.e.f. the same date.

The 7th March 1980

No. E-38013(3)/10/79-Pers.—On transfer from Visakhapatnam, Shri P. David assumed the charge of the post of Asstt : Comdt, CISF Unit, Salem Steel Project, Salem w.e.f. the forenoon of 13th November 1979.

No. E-38013(3)/20/79-Pers.—On transfer from Jhansi, Shri R. K. Bhagat assumed the charge of the post Assistant Commandant, CISF Tig Reserve (NW/Zone) at Bhilai with effect from the forenoon of 22nd January 1980.

No. E-38013(3)/1/79-Pers.—On transfer to Udaipur Shri P. C. Gupta relinquished the charge of the post of Asstt : Comdt, CISF Unit, Farakka Barrage Project, Farakka w.e.f. the afternoon of 24th January 1980.

No. E-38013(3)/25/79-Pers.—On transfer to Sagar Shri H. S. Pannu relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, RSP, Rourkela w.e.f. the afternoon of 31st January 1980.

S. NATH

Inspector-General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 6th March 1980

No. 6/1/74-PG(Ad.I).—The President is pleased to extend the term of appointment of the undermentioned Consol Operators in the Office of the Registrar General, India, at New

Delhi, as Assistant Director (Programme), in the same office, on purely temporary and *ad-hoc* basis, upto the 30th June 1980, or until further orders, whichever is earlier, on the existing terms and conditions, as indicated in this office reference number as mentioned in column 3 below :—

S. No., Name of the Officer and Previous reference number and date

1. Shri R. N. Talyar—6-1-74-RG(Ad.I), dated 21-2-79.
2. Shri R. I. Puri—10-12-79-Ad.I, dated 3-3-79.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 1st March 1980

F. No. BNP/C/5/80.—In continuation to this Department's Notification number BNP/C/5/79, dated 22nd January 1980 the appointment of Shri N. G. Kibe as Accounts Officer in Bank Note Press Dewas is extended for a further period upto 20th June 1980 on the existing terms and conditions.

The 4th March 1980

F. No. BNP/C/5/80.—In continuation to this Department's Notification No. BNP/C/5/79, dated 24th July 1979, the *ad-hoc* appointment of Shri G. L. Damor, as Deputy Control Officer in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period upto 30th June 1980 or till the permanent incumbent, reverts to the post whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM
General Manager

(BANKING DIVISION)
REHABILITATION FINANCE ADMINISTRATION UNIT

New Delhi, the 22nd December 1979

No. RFAU/2(1)/79-Est.2910.—Shri P. K. Sengupta, Supervisor-in charge in the Branch Office of the Rehabilitation Finance Administration Unit at Calcutta has been appointed to officiate as Superintendent with effect from 20th June 1979 to 30th November 1979 on a temporary basis *vice* Shri B. Brahma, Superintendent on leave.

N. BALASUBRAMANIAN
Administrator

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 6th March 1980

No. Admn.I/O.O. No. 628/5-5/Promotion/79-80/3233.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri M. M. L. Bakshi, a permanent Section Officer and Officiating Audit Officer of this office will retire from service of the Government of India with effect from the afternoon of 29th February 1980.

His date of birth is 5-2-1922.

Sd. ILLEGIBLE
Jt. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH

Hyderabad-500476, the 6th March 1980

No. Admn. I/8-132/79-80/381.—Shri N. Srinivasachari, Accounts Officer of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 29th February 1980 AN.

No. Admn. I/8-132/79-80/381.—Shri K. Ramana Swamy, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 29th February 1980 AN.

Sd./- ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
KERALA

Trivandrum-695001, the 5th March 1980

No. Estt./A/VII/9-86/Vol.II/230.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the undermentioned permanent Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officers with effect from the dates shown against each until further orders :—

- (1) Shri V. Muraleedharan (Proforma)—23-2-1980 AN.
- (2) Smt. V. S. Bhanumathy Ammal—23-2-1980 AN.
- (3) Shri G. Govindan Nair (Proforma)—23-2-1980 AN.
- (4) Shri P. Krishnankutty Menon—23-2-1980 AN.

All the promotions are made on an *ad hoc* basis and shall be subject to the final orders of the High Court of Kerala in O.P. Nos. 3388 of 79 and 3400 of 1979.

D. S. IYER
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE
DGOF HQRS CIVIL SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 29th February 1980

No. 7/80/A/E-I(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Phani Bhushan Banerjee, Pmt. Asstt., to Offg. Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted), in an existing vacancy, without effect on seniority, from 19th February 1980 until further orders.

Shri Banerjee will be on probation for two years from the date of his promotion.

2. The DGOF is pleased to promote Shri Jagdish Mitter Sharda, Pmt. Asstt., to Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) on ad-hoc basis, in a leave vacancy, from 19th February 1980 till the officer concerned resumes duties or till Shri Sharda is absorbed against a regular promotion vacancy whichever is earlier.

3. The DGOF is also pleased to promote the following individuals in existing vacancies, in grades and on dates shown against each :

1. Shri Mohi Kumar Sengupta, Pmt. Assistant.	Offg. Asst. Staff Officer (Ad-hoc) (Group 'B' Gazetted)	From 19-2-80 till the U.P.S.C. direct recruit is posted or till he is absorbed in a regular promotion vacancy whichever is earlier
2. Shri Jagdish Ch. Ghosh, Pmt. Asstt.	—do—	—do—
3. Smt. Chhabi Sen, Pmt. Asstt.	—do—	—do—
4. Smt. Lina Guha, Pmt. Asstt.	—do—	—do—
5. Shri Santosh Kumar Das, Pmt. Asstt.	—do—	—do—

All the above individuals assumed the higher duties as Assistant Staff Officer w.e.f. 19th February 1980 except Smt. Lina Guha who assumed the higher duties w.e.f. 25th February 1980.

D. P. CHAKRAVARTI
ADGOF/Admin
for Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
Calcutta, the 5th March 1980

No. 8/G/80.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg DADGOF with effect from the date shown against him, until further orders :—

Shri D. V. K. Rao, TSO, 1st Nov 1979.

No. 9/80/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Asstt. Manager (Prob.) with effect from the dates shown against them :—

- (1) Shri Ved Prakash KAMRA, 17th December 1979.
- (2) Shri Sanjoy Kumar Singh CHAUHAN, 14th July 1979.

(3) Shri Pranab Kumar KARMAKAR, 13th December 1979.

V. K. MEHTA

Asstt. Director General, Ordnance Factories

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE
ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 5th March 1980

No. 40011(1)/80/AN-II—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the under-mentioned Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in an Officiating Capacity with effect from the date noted against each until further orders.

Sl. No.	Name	Organisation	Date
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Kulwant Singh Bakshi	C.D.A., (AF), Dehra Dun	10-8-'79 (with 'NBR' benefits w.e.f. 19-5-'78)
2.	M. L. Malhotra	C.D.A., CC, Meerut	30-1-'79
3.	Mohan Singh	C.D.A. (Navy), Bombay	13-11-'78
4.	G.R. Sharma	C.D.A., WC, Meerut	13-11-'78
5.	S. Krishnaswamy	C.D.A., SC, Pune	27-1-'79
6.	R.D. Goel	C.D.A. (Navy), Bombay	22-2-'79
7.	R.C. Bhardwaj	C.D.A. (AF), Dehra Dun	11-1-'79
8.	N. Govinda Rao	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	12-12-'78
9.	Sushil Kumar	C.D.A., Patna	29-12-'78
10.	Shanti Kumar Jain	C.D.A. (ORs) North, Meerut	30-12-'78
11.	Gorla Arjun	C.D.A. (Navy), Bombay	6-12-'78
12.	Krishan Kumar Goel	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	18-12-'78
13.	O. P. Malhotra	C.D.A., CC, Meerut	1-1-'79
14.	G. Ramalinga Subramanian	C.D.A. (Officers), Pune	3-1-'79
15.	Radhey Shyam Agarwal	C.D.A. (Pensions) Allahabad	8-1-'79
16.	S. Venkataraman	C.D.A. (Officers), Pune	10-1-'79
17.	Sunder Lal Sharma	C.D.A., NC, Jammu	5-1-'79
18.	Kewal Krishan	C.D.A. (AF), Dehra Dun	7-4-'79
19.	Darshan Lal Jain	C.D.A., WC, Meerut	1-1-'79
20.	Ripduman Singh	C.D.A., Patna	17-1-'79
21.	Vasant Rao Dande	C.D.A. (Navy), Bombay	23-1-'79
22.	Jaipal Singh Thakur	C.D.A., CC, Meerut	22-1-'79
23.	K. Narayanan Kutty	C.D.A. (ORs) South, Madras.	17-1-'79
24.	C.K. Chandrasekharan Nair	C.D.A. (Officers), Pune	29-1-'79
25.	V.N. Gupta	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	8-1-'79
26.	Jagdish Chandra Biswas	C.D.A., Patna	8-1-'79
27.	Hari Krishan	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	3-1-'79

1	2	3	4
S/Shri			
28.	Samay Singh	C.D.A. (AF), Dehra Dun	1-1-'79
29.	V.R. Chellappan	C.D.A. (Officers), Pune	3-1-'79
30.	N. P. Kurcel	C.D.A., WC, Meerut	1-1-'79
31.	Ramesh Chand	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	10-1-'79
32.	Attar Singh	C.D.A., WC, Meerut	13-3-'79
33.	M.I. Chawda	C.D.A. (ORs) North, Meerut	1-1-'79
34.	Jagtar Singh	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	2-1-'79
35.	Lakshmi Narayan Aharwar	C.D.A. (Pensions), Allahabad.	1-1-'79
36.	N. Narasimhan	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	11-2-'79
37.	Gopalji Kapoor	C.D.A. (Pensions), Allahabad	1-2-'79
38.	Mahesh Chander Mehta	C.D.A., WC, Meerut	2-1-'79
39.	D.S. Gokhale	C.D.A., SC, Pune	18-1-'79
40.	P. K. Parameswaran Nair	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	24-1-'79
41.	S. Rangaswamy	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	29-1-'79
42.	P. R. Nagraj	C.D.A. (Officers), Pune	3-1-'79
43.	Shri Narain Chaurasia	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	22-1-'79
44.	Om Prakash Kohli	C.D.A. (Pensions), Allahabad	24-2-'79
45.	Shivmurti Swami	C.D.A., CC, Meerut	30-1-'79
46.	N.G. Sankaran Kutty Monon	C.D.A., CC, Meerut	25-1-'79
47.	Tilak Raj Seth	C.D.A. (Pensions), Allahabad	24-1-'79
48.	P.R. Ramachandran	C.D.A., Patna	24-1-'79
49.	A. Seshadri	C.D.A. (AF), Dehra Dun	14-2-'79
50.	Chokhey Lal Agarwal	C.D.A., Patna	26-2-'79
51.	Utpalendu Bhaduri	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	13-2-'79
52.	M.L. Rastogi	C.D.A., Patna	26-3-'79
53.	S.S. Gadkari	C.D.A., SC, Pune	26-2-'79
54.	Satya Pal Nanda	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	28-2-'79
55.	R. Balasubramanian	C.D.A. (Navy), Bombay	19-2-'79
56.	Jagdish Prasad Sharma	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	2-5-'79
57.	P.C. Joseph	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	1-2-'79
	(Since Retired)		
58.	H.K. Kapoor	C.D.A., CC, Meerut	1-2-'79
	(Since Retired)		
59.	R. John	C.D.A. (ORs) South, Madras	26-5-'79
60.	Madan Lal	C.D.A., NC, Jammu	26-2-'79
61.	V. S. Tupu	C.D.A., SC, Pune	1-2-'79
62.	K. P. Albal	C.D.A. (ORs) North, Meerut	20-2-'79
63.	Krishan Das	C.D.A. (ORs) South, Madras	2-2-'79
	(Since Retired)		

1	2	3	4	1	2	3	4
S/Shri				S/Shri			
64. Bhagwan Swarup	Controller of Accounts (Fys) Calcutta		29-3-'79	101. Cherian Zachariah	CDA (AF), Dehra Dun		12-4-'79
65. K. Visweswaran (Since Retired)	C.D.A. (ORs) South Madras		1-2-'79	102. J.S. Agte	CDA (Officers), Pune		30-5-'79
66. K.L. Sharma	Controller of Accounts (Fys) Calcutta		13-2-'79	103. Ranjit Singh Rana	Controller of Accounts (Fys) Calcutta		11-6-'79
67. Gurbaksh Rai Aggarwal	C.D.A., NC, Jammu		17-3-'79	104. R.K. Sharma	CDA (Officers), Pune		30-5-'79
68. K.V. Nageswara Rao	C.D.A. (ORs) South Madras		24-3-'79	105. R. Venkateswaran	CDA (ORs) South Madras		28-5-'79
69. Bishan Das Bhardwaj	C.D.A., WC, Meerut		5-11-'79	106. Vijay Sankar Lal	CDA (Pensions), Allahabad		1-5-'79
70. Anand Kumar	C.D.A. (AF), Dehra Dun		10-8-'79	107. K.V. Natarajan	Controller of Accounts (Fys), Calcutta		5-5-'79
71. Hans Raj Katwaria	C.D.A., NC, Jammu		19-3-'79	108. K.L. Sharma	CDA, CC, Meerut		28-5-'79
72. S.S. Shentikar (Since Retired)	C.D.A. (Officers), Pune		1-3-'79	109. Des Raj Batra	CDA (ORs) North, Meerut		6-6-'79
73. R.V. Godkhindi (Since Retired)	C.D.A., SC, Pune		2-3-'79	110. K. Parameswaran	CDA (Officers), Pune		1-5-'79
74. R.G. Kulkarni	CDA (ORs) South, Madras		28-5-'79	111. P. K. Bhattacharjee	CDA (Pensions), Allahabad		1-5-'79
75. P. Venkataraman	CDA (Navy), Bombay		1-3-'79	112. S.N. Chadha	CDA, CC, Meerut		1-5-'79
76. Ajit Singh Bhatti	CDA (Pensions), Allahabad		1-3-'79	113. K. L. Vohra	CDA (ORs) South, Madras		29-6-'79
77. C.L. Malhotra	CDA, CC, Meerut		1-3-'79	114. Bhagwatinath Srivastava	CDA, Patna		31-5-'79
78. G.V. Raghunatha Rao	C.D.A., Patna		3-3-'79	115. V.V. Sankaranara- yanan	CDA (ORs) North, Meerut		14-5-'79
79. T.S. Ramamurthy	CDA (Pensions) Allahabad		3-3-'79	116. Richpal Singh	CDA (Pensions), Allahabad		1-5-'79
80. Sukh Dev Sharma	CDA, WC, Meerut		15-3-'79	117. S.C. Misra	C.D.A., Patna		30-8-'79
81. K.R. Venkataramanan	CDA (ORs) South, Madras		1-3-'79	118. V.G. Paranjape	CDA (Pensions), Allahabad		1-5-'79
82. Roshan Lal Vohra	C.D.A., Patna		30-8-'79	119. K.K. Joseph	CDA (ORs) North, Meerut		30-5-'79
83. Bishnu Pada Bose	Controller of Accounts (Fys), Calcutta		1-3-'79	120. Y.K. Wani	CDA (ORs) South, Madras		25-6-'79
84. S.R. Agarwal (Since Retired)	CDA (ORs) North, Meerut		1-3-'79	121. V. Subramanian	CDA, SC, Pune		14-5-'79
85. N. Radhakrishnan	CDA (Navy), Bombay		23-3-'79	122. Rawel Singh	CDA (AF), Dehra Dun		27-8-'79
86. R. J. Kulkarni	CDA (AF), Dehra Dun		2-4-'79	123. M. Mohan Rao	CDA (Navy), Bombay		10-5-'79
87. Har Mohinder Singh	CDA (Pensions), Allahabad		2-4-'79	124. Sardul Singh	CDA (Officers), Pune		30-5-'79
88. Gian Chand	CDA, CC, Meerut		2-4-'79	125. K.N. Paulose	CDA (Officers), Pune		1-5-'79
89. V. R. Radhakrishnan	CDA, SC, Pune		12-4-'79	126. Gurdeep Singh Chawla	CDA, WC, Meerut		1-6-'79
90. Rattan Singh Jaiswal	CDA, WC, Meerut		2-4-'79	127. Shri Niwas Sharma	CDA, SC, Pune		6-6-'79
91. S.A. Sobnis	Controller of Accounts (Fys) Calcutta		23-4-'79	128. Joginder Singh	CDA (Officers), Pune		2-6-'79
92. T.S. Rawat	CDA (Pensions), Allahabad		15-12-'79 (With 'NBR' benefits w.e.f. 2-4-'79)	129. D.K. Bhalla	CDA (Officers), Pune		13-6-'79
93. Dhaneswar Swarup	CDA, Patna		26-10-'79	130. S.S. Tiagi	CDA (ORs) South, Madras		18-6-'79
94. Ganesh Shukla	CDA (ORS) North, Meerut		31-5-'79	131. Om Prakash Garg	CDA, WC, Meerut		19-6-'79
95. Nesar Ahmad Ansari	CDA (Officers), Pune		11-4-'79	132. T. J. Sebastian	CDA, SC, Pune		11-6-'79
96. P. Krishnamurthy	CDR, NC, Jammu		2-4-'79	133. A.C. Soundararajan	Controller of Accounts (Fys), Calcutta		13-6-'79
97. T. Hanuman Prasad	Controller of Accounts (Fys), Calcutta		7-4-'79	134. C. Venkatachalapathi Rao	CDA (Pensions), Allahabad		1-6-'79
98. I.V. Sharma (Since Expired)	CDA (Officers), Pune		2-4-'79	135. T. G. Venkatasubra- manian	CDA (ORs) North, Meerut		7-6-'79
99. B.R. Vohra	CDA (ORs) North, Meerut		2-4-'79	136. Prem Chand Kapila	CDA, CC, Meerut		4-6-'79
100. Des Raj Grover	CDA (Pensions), Allahabad		11-4-'79	137. Ram Chandra Srivastava	CDA (ORs) South, Madras		29-6-'79
				138. A. Radhakrishna Murthy	CDA (ORs) South, Madras		7-6-'79
				139. Kuldip Raj Sharma	CDA (ORs) North, Meerut		30-6-'79
				140. P. Subramanian	Controller of Accounts (Fys) Calcutta		1-6-'79
				141. Kuber Singh	Controller of Accounts (Fys), Calcutta		6-6-'79

1	2	3	4	1	2	3	4
	S/Shri				S/Shri		
142.	Mool Chand Gupta	CDA (ORs) North, Meerut	30-8-'79	182.	D.K. Akut	CDA (Pensions), Allahabad	10-8-'79
143.	K. Veerasankara Rao	CDA, CC, Meerut	5-6-'79	183.	K. Muthuswami	CDA (ORs) South Madras	1-8-'79
144.	A. Nagabhushana Rao	Controller of Accounts (Fys), Calcutta.	8-6-'79	184.	M.G. Mankeekar	CDA, SC, Pune	1-9-'79
145.	T. Bhaskaran Kutty Menon	CDA (ORs) South, Madras	2-7-'79	185.	Mahendra Pal Gupta	CDA (AF), Dehra Dun	27-8-'79
146.	Kailash Chandor	CDA, WC, Meerut	4-7-'79	186.	Shaukat Ali Khan	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	8-10-'79
147.	Dina Nath Jerath	CDA, NC, Jammu	7-7-'79	187.	J.S. Kochhar	CDA, WC, Meerut	1-9-'79
148.	V.B. Raut	CDA (ORs) South, Madras	27-7-'79	188.	A.R. Singh	CDA (A), Dehra Dun	1-9-'79
149.	K. Subramanyam	CDA (Navy), Bombay	2-7-'79	189.	Ram Kumar Gaur	CDA, WC, Meerut	1-9-'79
150.	Piyare Lal	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	28-7-'79	190.	N. J. Datar (Since Retired)	CDA (ORs) South, Madras	1-9-'79
151.	K. L. Sharma	CDA (Pensions), Allahabad	16-7-'79	191.	R. Raghavan	CDA (ORs), South Madras	10-9-'79
152.	Saran Parshad Aggarwal	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	3-7-'79	192.	Mohd. Afzal	CDA, Patna	17-9-'79
153.	Mohan Lal	CDA, SC, Pune	16-7-'79	193.	S. Varadarajan	CDA (Pensions), Allahabad	1-9-'79
154.	Shant Kumar Jain	CDA, CC, Meerut	28-9-'79	194.	D.V. Narasimhan	CDA (Navy), Bombay	1-9-'79
155.	S. Kalidoss	CDA, SC, Pune	13-7-'79	195.	G.S. Pande	CDA, Patna	10-9-'79
156.	P. Satyanarayana Murthy	CDA (Officers), Pune	26-7-'79	196.	P.S. Nagaraja Rao	CDA (ORs) South, Madras	3-9-'79
157.	Saiyed Mohammed Ali Sajjad	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	5-7-'79	197.	R.B. Patwardhan	CDA (Officers), Pune	1-9-'79
158.	Shib Kishan Sharma	CDA (Officers), Pune	9-7-'79	198.	Om Prakash Gupta	C.D.A., Patna	30-10-'79
159.	Krishan Pal	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	6-8-'79	199.	R.P.S. Negi	CDA (Pensions), Allahabad	10-9-'79
160.	Abraham Varghese	CDA, SC, Pune	10-7-'79	200.	K. Padmanabhan	CDA, SC, Pune	3-9-'79
161.	Mool Chandra Agarwal	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	24-7-'79	201.	G.S. Bajpai	C.D.A., Patna	24-10-'79
162.	Lajpat Rai Mohindra	CDA (Pensions), Allahabad	2-7-'79	202.	Jai Pal Singh	CDA (ORs) North, Meerut	24-10-'79
163.	M. G. Bhattiwal	CDA (Officers), Pune	6-7-'79	203.	K.A. Shahul Hameed	CDA, WC, Meerut	12-9-'79
164.	Narendra Pal Singh	CDA (AF), Dehra Dun	4-7-'79	204.	Vinod Kumar Jain	CDA (Training), Meerut	1-9-'79
165.	R. D. Palta	JCDA (Funds), Meerut	1-8-'79	205.	Nand Kumar	CDA (ORs) North, Meerut	1-9-'79
166.	G. Rajasekharan	CDA, CC, Meerut	3-8-'79	206.	A.S. Taneja	CDA (AF), Dehra Dun	3-10-'79
167.	S.N. Chakravarti	CDA, CC, Meerut	7-8-'79	207.	Ram Bharose Srivastava	CDA (ORs) North, Meerut	3-10-'79
168.	Krishan Lal Malhotra	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	13-8-'79	208.	S.S. Chadha	C.D.A., WC, Meerut	11-10-'79
169.	K.G. Gupta	CDA, CC, Meerut	1-8-'79	209.	Radhey Shyam	CDA (ORs) North, Meerut	29-10-'79
170.	M. Nagarathnam Iyer	CDA (AF), Dehra Dun	10-8-'79	210.	Ignatius Wilson	CDA (AF), Dehra Dun	17-10-'79
171.	A. Sriraman	CDA, SC, Pune	9-8-'79	211.	K.C. Kakkar	CDA, CC, Meerut	3-10-'79
172.	V. Chandrasekharan Pillai	CDA, SC, Pune	30-8-'79	212.	Ram Kripal Gupta	CDA (Pensions), Allahabad	31-10-'79
173.	S. Govindan	CDA (ORs) South, Madras	3-8-'79	213.	Pratap Chandra Sharma	CDA (Pensions), Allahabad	30-10-'79
174.	Salil Kumar Sen Gupta	CDA, Patna	24-9-'79	214.	A. Janardhana Rao	CDA (AF), Dehra Dun	8-10-'79
175.	Baldev Raj Bhatia	CDA, Patna	31-8-'79	215.	Janak Raj Mudgil	CDA (ORs) North, Meerut	3-10-'79
176.	V. K. Joglekar	CDA (Officers), Pune	1-8-'79	216.	Mopuri Yella Reddy	CDA (Navy), Bombay	25-10-'79
177.	B.N. Banerjee	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	1-8-'79	217.	A.D. Ranade	CDA (Officers), Pune	3-10-'79
178.	H. R. Khurana	CDA, WC, Meerut	7-8-'79	218.	Brij Lal	CDA (ORs) South, Madras	26-10-'79
179.	Satyanarain Bose	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	1-8-'79	219.	Krishan Kumar Sobti	CDA (ORs) South, Madras	30-10-'79
180.	Om Prakash Saini	CDA, WC, Meerut	3-10-'79	220.	Tilak Raj Chadha	CDA (ORs) North, Meerut	15-10-'79
181.	S. Devarajulu	CDA, WC, Meerut	1-8-'79	221.	Krishan Chander Rampal	CDA, WC, Meerut	3-10-'79
				222.	A.V. Joga Rao	CDA (Officers), Pune	8-10-'79

1	2	3	4
223.	Vishnu Kumar Misra	CDA, Patna	29-10-'79
224.	T.S. Venkataraman	CDA (ORs) South, Madras	22-10-'79
225.	Shyam Narain Srivastava	CDA (ORs) North, Meerut	27-10-'79
226.	Ajit Singh	CDA (AF), Dehra Dun	29-11-'79
227.	K.V. Ramana	CDA, SC, Pune	9-10-'79
228.	A. Ramanuja Rao	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	30-10-'79
229.	Vijai Prakash Asthana	CDA (AF), Dehra Dun	27-12-'79
230.	Amalendu Kumar Bhattacharya	CDA, Patna	13-11-'79
231.	H. B. Kakatkar	CDA (Officers), Pune	12-11-'79
232.	Alfred Jung	CDA (AF), Dehra Dun	2-11-'79
233.	Puran Ram Prakash	CDA (AF), Dehra Dun	9-11-'79
234.	Sudarshan Chander Gupta	CDA, NC, Jammu	2-11-'79
235.	M.R. Ganeshan	CDA (ORs) South, Madras	2-11-'79
236.	Ishwar Kumar Jain	CDA, WC, Meerut	29-11-'79
237.	J. Krishnamurthy	CDA, Patna	29-11-'79
238.	M. Venkateswara Rao	CDA (ORs) North, Meerut	22-11-'79
239.	P. Subba Rao	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	2-11-'79
240.	K.V.S. Brahman	CDA, SC, Pune	3-11-'79
241.	M. Gopal Rao	CDA (ORs) South, Madras	24-11-'79
242.	Ram Prakash	CDA, CC, Meerut	2-11-'79
243.	H. P. Kanojie	CDA (ORs) North, Meerut	2-11-'79
244.	M.C. Muchukundan	CDA, SC, Pune	2-11-'79
245.	K. Kaleswaran	CDA (Officers), Pune	2-11-'79
246.	M.S. Kharat	CDA (Officers), Pune	2-11-'79
247.	Y.R. Vish Raj	CDA, Patna	2-11-'79
248.	Shiv Prasad Dagour	CDA, NC, Jammu	2-11-'79
249.	Srinath Keshari	CDA (Pensions), Allahabad	3-12-'79
250.	N.A. Krishnan	CDA, SC, Pune	6-12-'79
251.	Tara Chand	CDA (Pensions), Allahabad	3-12-'79
252.	Ram Bhajo	CDA (ORs) North, Meerut	3-12-'79
253.	Mohinder Lal Bhola	CDA, Patna	3-12-'79
254.	Ram Swaroop	CDA (Pensions), Allahabad	3-12-'79
255.	Nathuni Ram	C.D.A., Patna	7-12-'79
256.	R.R. Ravi	CDA, CC, Meerut	3-12-'79
257.	Hari Singh	CDA (AF) Dehra Dun	12-12-'79

K. P. RAO

Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn)

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 10th February 1980

No. A-19018(450)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri

K. Appuni, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation and Statistics) in the Small Industries Service Institute, Trichur, as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation/Data Bank) on *ad hoc* basis, in the Small Industries Service Institute, Goa with effect from the forenoon of 29th October 1979 until further order.

M. P. GUPTA
Dy. Director (Admn.)

ISPAT, KHAN AUR KOYLA MANTRALAYA
KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 5th March 1980

No. 1334N/A-19012(4-IM)/78-19B.—Shri Intesaruddin Mohammed has relinquished the charge of Driller, Geological Survey of India on resignation with effect from the afternoon of 4th July 1976.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 5th March 1980

No. 6(20)/60-SI.—On attaining the age of superannuation Shri M. G. Ghosh, relinquished the charge of the post of Programme Executive, All India Radio, Calcutta w.e.f the afternoon of the 31st January 1980.

N. K. BHARDWAJ
Dy. Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th March 1980

No. A.19019/17/79-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. M. C. Pande to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 15th January 1980.

The 5th March 1980

No. A.19019/7/79-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. K. R. Jadeja to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 2nd February 1980.

N. N. GHOSH
Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 1st March 1980

No. A. 19019/3/79-NICD/Admn.I.—Consequent on his resignation, Dr. Ziauddin Khan relinquished charge of the post of Assistant Director (Mycology) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, on the afternoon of the 24th January 1980.

S. L. KUTHIALA, Dy. Dir. Admn. (O & M)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 3rd March 1980

No. AMD-1/12/79-Adm.—In continuation of this office Notification of even number dated 5-2-1980, Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. C. Banerjee, Assistant Accountant at Assistant Accounts Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of January 30, 1980 to February 2, 1980 (AN) vice Shri C. V. Sampath, Assistant Accounts Officer granted extension of leave.

M. S. RAO,
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 4th March 1980

Ref. 05000/R-138/1046.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri B. Ramachandran to officiate as Labour-cum-Welfare Officer in Heavy Water Project (Tuticorin), in a temporary capacity, with effect from February 11, 1980 (FN) until further orders.

K. SANKARANARAYANAN,
Senior Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 26th February 1980

No. A. 32023/1/77/R-2570.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri MUTHIAH KRISHNA-MOORTHY, a permanent Stenographer of the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Stenographer Grade-III of this Centre in an officiating capacity on an ad hoc basis as Assistant Administrative Officer for the period from 25-2-1980 to 11-4-1980.

A. SETHUMADHAVAN,
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

SPACE APPLICATIONS CENTRE /

Ahmedabad-380 053, the 29th February 1980

No. EST/ISCES/5062/80.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri Ashutosh S. Trivedi, a temporary Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of October 25, 1979.

The 1st March 1980

No. SAC/EST/ISCES/1398/80.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri R. S. Lakhani, a temporary Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of March 1, 1980.

M. P. R. PANICKER,
Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 5th March, 1980

No. A. 32014/3/78-E.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants as Assistant Meteorologists in an officiating capacity with effect from the dates indicated against their names and until further orders.

S. No.	Name	Date from which appointed as Asstt. Meteorologist
--------	------	---

(1)	(2)	(3)
1.	Shri N. Shankaran	21-1-1980
2.	Shri Surendra Mathur	21-1-1980
3.	Shri R.K. Jain	21-1-1980
4.	Shri R.K. Das	21-1-1980
5.	Shri Anjani Kumar Singh	21-1-1980
6.	Shri A.K. Chatterjee	21-1-1980
7.	Shri D.S.V. Rao	21-1-1980
8.	Shri B. Srinivasan	21-1-1980
9.	Shri S.K. Mulye	21-1-1980
10.	Shri Y. K. Joglekar	21-1-1980

(1)	(2)	(3)
11.	Shri B. A. Kalyankar	21-1-1980
12.	Shri O. P. Gupta	21-1-1980
13.	Shri A. Gupta	21-1-1980
14.	Shri B. Madhavan Nair	21-1-1980
15.	Shri R. N. Mukherjee	21-1-1980
16.	Shri V. Sadasivan	21-1-1980
17.	Shri P. Raghava Rao	24-1-1980
18.	Shri G. Rama Rao	21-1-1980
19.	Shri S. J. Bhattacharya	21-1-1980
20.	Shri S. Ananthanarayanan	21-1-1980
21.	Shri H.R. Malhotra	21-1-1980
22.	Shri K. K. Zutshi	21-1-1980
23.	Shri C.R. Sampathkumaran	21-1-1980
24.	Shri S.R. Balasubramaniam	21-1-1980
25.	Shri V. Gurunath Rao	21-1-1980
26.	Shri K. Thanikachalam	21-1-1980
27.	Shri G.P. Mamgain	21-1-1980
28.	Shri A.C. Khanna	21-1-1980
29.	Shri B.N. Gupta	21-1-1980
30.	Shri R.C. Gupta	21-1-1980
31.	Shri M. L. Vadehra	21-1-1980
32.	Shri V.J. Pagare	21-1-1980
33.	Shri Baboo Ram	1-2-1980
34.	Shri P. B. Das	28-1-1980
35.	Shri M.N. Jatav	21-1-1980
36.	Shri Barunansu Roy	21-1-1980
37.	Shri Mathura Singh	1-2-1980
38.	Shri Ram Chander	21-1-1980
39.	Shri M.B. Sarkar	25-1-1980
40.	Shri K.K.K. Kutty	24-1-1980
41.	Shri D.N. Sardar	21-1-1980
42.	Shri A.B. Sarkar	21-1-1980
43.	Shri N.C. Biswas	21-1-1980
44.	Shri Surender Kumar	21-1-1980
45.	Shri P. C. Mandal	21-1-1980

No. A32013 (ii)/4/79-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned Meteorologists Grade II and Assistant Meteorologists, India Meteorological Department, to officiate as Meteorologist Grade I, in the same department, with effect from the dates indicated against their names and until further orders :—

Meteorologists Grade II

1	2	3
1.	Shri Manoranjan Das	31-12-1979
2.	Shri Dhanna Singh	31-12-1979
3.	Shri G.S. Ganesan	31-12-1979
4.	Shri J.C. Mandal	31-12-1979
5.	Shri M.S. Rajagopalan	21-1-1980
6.	Shri K. B. Punniyah	29-12-1979
7.	Shri A.M. Sud	31-12-1979
8.	Shri B. Biswas	31-12-1979
9.	Shri Sujit Kumar Saha	31-12-1979
10.	Shri R.N. Golder	31-12-1970

Assistant Meteorologists

1.	Shri G. Sevu	31-12-1979
2.	Shri M.C. Prasad	31-12-1979
3.	Shri O. P. Agarwal	29-12-1979
4.	Shri G.S. Iyer	31-12-1979
5.	Shri R. K. Verma	31-12-1979
6.	Shri V. Venkatachalam	31-12-1979
7.	Shri P. K. Jain	31-12-1979
8.	Shri K.S. Sankaran	7-1-1980

1	2	3
9.	Shri S. Sen Gupta	31-12-1979
10.	Shri Bagrawat Singh	31-12-1979
11.	Shri G.B. Singh	31-12-1979
12.	Shri K. Mukherjee	31-12-1979
13.	Shri Joginder Singh	31-12-1979
14.	Shri D.K. Gupta	31-12-1979
15.	Shri H. J. Asthana	31-12-1979
16.	Shri B.K. Chawla	31-12-1979
17.	Shri P. Bhattacharya	9-1-1980
18.	Shri T.R. Srinivasan	31-12-1979
19.	Shri V. K. Bhalla	31-12-1979

S. K. DAS
Dy. Director General of Meteorology
(Administration & Stores)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th February 1980

No. A. 32014/2/79-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of Shri Sandeep Kalra to the post of Assistant Project Officer in the Civil Aviation Department, for a further period of six months with effect from 1st March, 1980.

V. V. JOHRI,
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 6th March 1980

No. A.32013/5/78-EC.—In continuation of this Deptt. Notification No. A. 32013/5/78-EC, dated 14-11-79, the President is pleased to sanction the continuance of ad-hoc appointment of Shri R. P. Sharma, as Deputy Director of Communication in the Civil Aviation Deptt., beyond 12-10-79 and upto 31-12-79.

The 10th March 1980

No. A. 32014/2/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. R. Chhabra, Communication Assistant, Aero Comm. Station, New Delhi to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis with effect from 14-2-80 (FN) vice Shri S. S. Gill, Assistant Communication Officer, Aero. Comm. Station, New Delhi deputed for Hindi Training with effect from 16-1-80 to 15-3-80 and to post him at the same station.

N. A. P. SWAMY,
Assistant Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 27th February 1980

No. A. 32014/1/80EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Asstt. Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the date mentioned against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at the Civil Aviation Training Centre, Bamrauli (Allahabad).

S. No. Name and Date

1. Shri Harbans Lal—28-1-80.
2. Shri Trilok Singh—29-1-80.
3. Shri C. B. Kalgeri—29-1-80.
4. Shri M. C. Battacharya—30-1-80.
5. Shri J. D. Malik—28-1-80.
6. Shri R. L. Majumdar—29-1-80.
7. Shri P. K. Banerjee—28-1-80.
8. Shri S. D. Bhowmik—28-1-80.
9. Shri M. K. Bardham—28-1-80.
10. Shri S. D. Duggal—28-1-80.
11. Shri Arjun Singh—28-1-80.
12. Shri G. R. Bains—28-1-80.

The 5th March 1980

No. A31014/1/79EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Asstt. Aerodrome Officers, substantively to the grade of Assistant Aerodrome Officer in the Air Routes Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, with effect from the 1st March, 1980.

S. No.	Name	Station of present posting.
1.	Shri Sarup Singh	Palam, New Delhi.
2.	Shri B.N. Jaisimha	Bombay, Airport.
3.	Shri P.S. Narayanan	Madras.
4.	Shri Surinder Singh.	Bombay, Airport
5.	Shri Parvin Ohri.	Lucknow.
6.	Shri A. Saha.	Agartala.
7.	Shri J.S. Sethi.	Bombay, Airport.
8.	Shri Pawan Bakshi.	Palam, New Delhi.
9.	Shri Ranjit Kumar.	Varanasi.
10.	Shri N. G. Gidwani.	Palam.
11.	Shri R.S. Jaswal.	Bombay Airport.
12.	Shri A. K. Lakhiyar.	Ranchi.
13.	Shri D. P. Majumdar.	Dum Dum
14.	Shri C. P. Purushothaman	Madras Airport.
15.	Shri K.S. Aujla	Madras Airport.
16.	Shri O. P. Bhatnagar.	Palam.
17.	Shri K. Subramaniam.	Madras Airport.
18.	Shri V.S. Mulekar.	Goa (Debolin)
19.	Shri B. N. Prasad.	Bombay Airport.
20.	Shri S. Basu Mallick.	Dum Dum
21.	Shr S. K. Saha.	North Lakhimpur
22.	Shri V.K. Joshi.	Bombay Airport.
23.	Shri G.S. Rajamani.	Madras Airport.
24.	Shri B. Shah.	Bombay Airport.
25.	Shri S.S. Parathe.	Bombay Airport (Offg. as Aerodrome Officer)
26.	Shri G.K. Verma	Palam.
27.	Shri K.M. Haridas.	Bombay Airport.
28.	Shri Abdesb Prasad.	Agartala.
29.	Shri Ishwari Prasad.	Palam.
30.	Shri A.K. Sircar.	Dum Dum.
31.	Shri Sri Krishan.	Dum Dum (Offg. as Aerodrome Officer)
32.	Shri D.K. Guha.	Jamshedpur.
33.	Shri Param Hans Singh.	Gauhati.
34.	Shri V. K. Singh.	Lucknow.
35.	Shri N. V. Dhanapal.	Madras Airport.
36.	Shri K.B. P.N. Singh.	Gauhati.
37.	Shri M.M. Singh.	Dum Dum
38.	Shri S. K. Seengal.	Bombay Airport.
39.	Shri D.R. Malik.	Jaipur.
40.	Shri Ashok Rajah.	Palam.
41.	Shri Shiv Raj Singh	Palam.
42.	Shri B.R. Devi Reddy.	Madras Airport.
43.	Shri S. M. Kaushal.	Bombay Airport.
44.	Shri Yudhistras Aggrawal.	Palam.
45.	Shri G.L. Kantam.	Bombay Airport.
46.	Shri P.N. Tewari.	Dum Dum.
47.	Shri P. Joshi.	Kumbhirgram.
48.	Shri C. P. Vardharajan.	Madurai.
49.	Shri A. K. Rao.	Madras Airport.
50.	Shri P.P.G. Nair.	Visakhapatnam.
51.	Shri A.N. Vishwanatha.	Dum Dum.
52.	Shri S.S. Sathe.	Poona.
53.	Shri P. L. Saxena.	Dum Dum
54.	Shri M. K. Banerjee.	RD office, Dum Dum

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 3rd March 1980

No. 1/19/80-EST—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. S. Rama Rao, Technical Assistant, Poona Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity, in the Bombay Branch, with effect from the forenoon of the 10th January, 1980 and until further orders, on a regular basis

P. K. G. NAYAR, Dir. (Admn.)
for Director General

CENTRAL EXCISE BARODA

Baroda, the 7th March 1980

No. 2/1980.—Shri M. B. Dave, Superintendent of Central Excise, Group 'B' working under Dy. Collector Central Excise, Ahmedabad has been permitted to proceed on voluntary retirement with effect from 29.2.1980 A.N. as he had more than 20 years qualifying service.

J. M. VERMA,
Collector of Central Excise

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT,

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 4th March 1980

No. 3/80.—Shri Durga Prasad, relinquished charge of the post of Inspecting Officer Group 'A' in the Headquarters office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at New Delhi on 13-2-80 (AN) and assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'A' in the North Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at Ghazlabad on 14.2.80 (Forenoon).

K. L. REKHI
Director Of Inspection

CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS

Chittaranjan, the 6th March 1980

No. GMA/GS/8(Admn).—The following officiating Class-II Officers who are at present officiating Sr. Scale on Southern Railway and holding lien in Class-II on this Administration, are confirmed as Asstt. Welfare Officer in Class-II scale in the cadre of Personnel Deptt. of Chittaranjan Locomotive Works, with effect from the dates shown against each:—

Name of the Officer	Period for which confirmed	Date from which confirmed
Shri M. P. Chellappan,	From 11.7.73(FN) to 5.6.78(AN.).	—
„ A. K. Mukherjee ✓	—	6.6.78 (FN).

K. RAMAN,
General Manager

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 6th March 1980

No. A-19012/755/79-Adm.V.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ullas Tikekar, as Assistant Engineer in the Ganga Basin Water Resources Organisation in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20th March, 1979 until further orders.

2. Shri Ullas Tikekar will be on probation for a period of 2 years in the post of Assistant Engineer with effect from 20-3-1979.

The 7th March 1980

No. A-19012/724/78-Adm.V.—The Chairman Central Water Commission hereby appoints on promotion Shri M. P. S. Bir. Supervisor to the grade of Assistant Engineer in the

S. No.	Name	Station of present posting.
55.	Shri R. C. Biala	On deputation to Rajasthan Govt. at Flying Club, Jaipur.
56.	Shri Gopal Mehta.	Bagdogra.
57.	Shri M. Govindarajan.	Tiruchirappalli.
58.	Shri L. P. Menzes.	Bombay Airport.
59.	Shri Mihir Karmarkar.	Dum Dum.
60.	Shri S.S. Verma.	On deputation to the Govt. of Libya Bengazi.
61.	Shri N. K. Awal.	Madras Airport.
62.	Shri K. Venkataraman.	Madras Airport.
63.	Shri Sotanter Lal.	Juhu (Bombay)
64.	Shri J. P. Mathur.	Bombay Airport.
65.	Shri R. Zalpuri.	Palam.
66.	Shri S.K. Sen.	Dum Dum.
67.	Shri P. Sanyal	Dum Dum.
68.	Shri Rakesh Verma.	Palam.
69.	Shri K. K. N. Pillai.	Cochin.
70.	Shri Kamal Prasher.	Palam.
71.	Shri S. Ibrahim.	Madras Airport.
72.	Shri K. Bagchi.	Safdarjung
73.	Shri A.B. Dutta.	Dum Dum
74.	Shri Asha Ram.	Port Blair (Offg. as Aerodrome Officer)
75.	Shri William Minz.	Gaya (Offg. as Aerodrome Officer)
76.	Shri Puran Chand.	Bombay Airport.

V. V. JOHRI
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 10th March 1980

No. A. 32014/4/79-EC—The Director General of Civil Aviation pleased to appoint the following two Communication Assistant to the grade of Asstt. Communication Officer on *ad-hoc* basis with effect from the date and station indicated against each:—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri R.S. Iyer	ACS, Trivandrum	ACS, Calcutta	31-12-79 (FN)
2.	Shri K.P.P. Menon	ACS, Trivandrum	ACS, Madras	27-12-79 (FN)

No. A.38012/1/79-EC.—Shri A. C. Bose, Asstt., Communication Officer C.A.T.C., Allahabad relinquished charge of his office on the 31-12-79(AN), on retirement from Government service, on attaining the age of superannuation.

No. A. 38013/1/80-EC—The undermentioned three officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office 31-1-80 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation.

S. No.	Name & Designation	Station	Date of retirement
1.	Shri G.N. Nair, Asstt. Technical Officer	ACS, Trivandrum	31-1-80 (AN)
2.	Shri V. Ramanathan, Asstt. Technical Officer	Director Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi	31-1-80 (AN)
3.	Shri J. Isaiah, Asstt. Communication Officer.	ACS, Madras	31-1-80 (AN)

N. A. P. SWAMY
Assistant Director of Administration

Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the afternoon of 24th June, 1978 till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 10th March 1980

No. F.No.A-19012/778/79-Adm.V.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Megh Chand Meena as Assistant Research Officer (Scientific-Physics) in the Central Water Commission, New Delhi in an officiating capacity on an initial pay of Rs.650/- (Rupees Six hundred and fifty) in the pay scale of Rs.650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 26th February, 1980 until further orders.

Shri Megh Chand Meena will be on probation for a period of two years in the post of Assistant Research Officer (Scientific-Physics) with effect from 26-2-1980.

J. K. SAHA, Under Secy.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110 022, the 7th February 1980

No. 2/152/70-Adm.I.B.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Rohitash Singh, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) service in an officiating capacity with effect from 20-6-79 until further orders.

S. R. KHITHA, Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

"In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bowden Carpet Company Private Limited In Liquidation

Kanpur, the 6th March 1980

No. 2290/1417/L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of the Bowden Carpet Co. Pvt. Ltd. (In Liquidation) unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. CHADHA
Registrar of Companies, U.P.
Kanpur

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Aryan Chit Fund and Finance Private Limited.

Jullundur, the 7th March 1980

No. G/Stat/560/2803/1953.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Aryan Chit Fund and Finance private limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. N. MAULIK
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh.

FORM ITNS—

(1) M/s DLF United Limited, 21-22, Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Master Anshul Singal (minor) under guardianship
of his father Sh. Anand Prakash Singal 2 Master
Vinay K. Singal (Minor) under guardianship of his
father Sh. Om Prakash Singal R/o K-39, Hauz
Khas Enclave New Delhi-16.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 1st March 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/3-80-994.JWhereas I, G. C.
AGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 111 (1st Floor) 'DLF House' situated at 40-F, Con-
naught Place New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on June 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
22—516GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 111 (1st Floor) 'DLF House' F-40, Connaught
Place New Delhi, area 931.41 sq. ft.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 1st March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/3-80/995.—Whereas I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land Mg. 15 bighas 12 biswas situated at Village Gadaipur New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shakuntla Verma W/o Sh. Manohar Singh Verma R/o B-14, Vishal Colony, Najafgarh Road New Delhi through general attorney Sh. Prabhu Lal Dhabhai S/o Sh. Jhunta Lal R/o B-14, Vishal Colony New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ashi Yanki Lahmo W/o late Sh. J. D. Wangchuck R/o B-5, Greater Kailash-I, New Delhi through general attorney Shri S. Tenzing.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 15 bighas and 12 biswas, khasra Nos. 397/1 (3-5), 397/2(0-3), 398(3-12), 399(4-16), 400/2(3-16) with boundary wall tubewells (two), farm house, situated in village Gadaipur, New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1980
Scal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 6th March 1980

No. IAC/ACQ-I/SR-IV/6-79/1053.—Whereas I. G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/359 part of plot No. 32 situated at Friends Colony, G.T. Road, Jhilmil Tahirpur, Shahdara, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 2-6-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Kamla Verma wd/o Shri B. N. Verma
2. Shri Surinder Nath Verma & Shri Rajendra Nath Verma sons of Late Shri B. N. Verma, resident of 422 G. T. Road, Shahdara, Delhi.
(Transferors)

- (2) Shri Harnam Singh Anand son of Shri Amir Singh Anand resident of D-58 Phase I, Ashok Vihar, Delhi-52 Shri Sunder Singh Anand son of Shri Amir Singh Anand resident of G-101L, TG, Flats Phase-III, Ashok Vihar Delhi-52 (3) Shri Ajit Singh son of Shri Amir Singh resident of J-165, Phase-I, Ashok Vihar Delhi-52.
(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1/359 part of plot No. 32, Khasra No. 1171/320, measuring 375 Sq. Yds. situated in Friends Colony, G.T. Road, Jhilmil Tahirpur, Shahdara, Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 2-6-1979.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 6-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 6th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-IV/6-79/1075.—Whereas I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 122/15-A, at plot No. 44 situated at Shankar Nagar, Ghondli, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by **more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—**

- (a) **facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or**

- (b) **facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Guru Devi W/o Shri Suraj Parkash Rampal, R/o 596/H-6/9, Nehru Gali, Gandhi Nagar, Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Kunti Lungu W/o Shri Som Nath Guru, R/o 1543 Gali Arya Smaj, Bazar Sita Ram, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 122/15-A, at Plot No. 44, Khasra No. 156, situated in Shankar Nagar, Ghondli, Delhi measuring 100 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 22-6-1979.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 6-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Abnash Singh S/o S. Amar Singh R/o, 6/23, West Patel Nagar, New Delhi, as Regd. General attorney of Sh. S. C. Nanda S/o Shri Har Narain Nanda R/o R-32, Greater Kailash, New Delhi.
(Transferor)

- (2) Shri Jagdish Singh S/o S. Amar Singh R/o 6/23, West Patel Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 6th March 1980

No. IAC/ACQ-I/SR-III/6-79/1472.—Whereas I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Qr. No. F-255, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 1-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. Built Qr. No. F-255, New Rajinder Nagar, New Delhi measuring 125 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 1-6-1979.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 6-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) DLF BUILDERS, 21-20, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Perfection Silk & Sarce Kendra A-6, Coop Block, N.D.S.C, Part-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 7th March 1980

No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/243.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 3 (G.F.) situated at Commercial Complex Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Shop No. 3, Area 557.47, situated at Commercial Complex Greater Kailash-II, New Delhi.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/S. Om Parkash Baldev Krishan Resident of B-C/6 Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sisters of Charity, 21, Ring Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/6-79/207.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated at Ring Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Banglow No. 21, Ring Road, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 6-6-1979.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Phool Wati mother of Dhir Singh W/o Late Chandgi Ram R/o Village Bijwasan New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Santosh Devi W/o Mahabir Singh R/o Village & P.O. Bhat Gaon, Dist. Sonapat (Haryana).
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

No. IAC/Acq-I/SR-III/6-79/166.—Whereas I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 Bighas & 16 Biswas. Khasra Nos. 67/16, 67/25, 43/6, 43/7, 43/14, 43/15, Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 15-6-1979.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rajo W/o Shri Shish Ram R/o Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Inder Lal Suri S/o Late Dayal Mal Suri & Vinod Kumar Suri S/o Shri Inder Lal Suri, R/o E-248, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-79/170.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—516GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 14 Bighas & 8 Biswas situated at Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 30-6-1979.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/6-188.—Whereas I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Village Shaurpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on 12-6-1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kailash Chand S/o Shri Bhola Nath R/o Village Mehrauli & Sh. Prem Chand Gupta as Guardain & on behalf of his son Rajiv Gupta New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Laxman Dass S/o Shri Faqir Chand Luthra & Mrs. Lajwanti W/o Laxman Dass resident of 4, Mohan Ashish, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 8 Bighas situated at Village Shaurpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 12-6-1979.

G. C. AGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq./SR-III/6-79/222.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B/31-B, situated at Kailash Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohinder Pal Khanna s/o I.t. Ram Sahai Khanna, B/31-B, Kailash Colony, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s Amrit Estate (P) A-3, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storey House built on Plot No. B/31-B, measuring 634 sq. yds in Kailash Cony, New Delhi.

G. C. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/245.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 13, 14 & 15, situated at commercial Complex Greater Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) DLF BUILDERS, 21-22, Narindra Place Parliam-ment Street, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. Vanson Shoas, Swastik House Andhra Bank Building (Near Roopak Store), Ajmal Khan Road, Karol Bagh New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Shop No. 13, 14 & 15 Area 1013.29 sq. ft. situated at Ground floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi-110048.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/244.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 10 & 11 (G.F.) situated at Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi, on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) DLF BUILDERS, 21-22, Narindra Place, Parliament Street New Delhi.
(Transferor)
(2) Shri Jamiat Singh s/o S. Jiwant Singh D-11, N.D.S.E., Part-II, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Shop No. 10 & 11, Area 1125.20 sq. ft. situated at Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

G. C. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS ———

1) Shri S. Amrik Singh Walia s/o Sh. S. Mela Singh Walia 44/I Regal Building, Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Suman Mahajan w/o Sh. Keshave Chander Mahajan C-43 Defence Colony, New Delhi.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/218.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-160 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Vacant plot No. M-160 mg. 400 sq. yds, situated in Greater Kailash-II New Delhi,

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagdish Chand s/o Shri Mulk Raj Mago, r/o R-244, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Devinder Mohini Khanna, w/o Sh. Prem Sarup Khanna, r/o C-4/140 Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/Acq./SR-III/6-79/217.—Whereas I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-103 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. M-103, Mg. 300 sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

G. C. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pushpa Wanti
r/o R-63, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ashak Rakhoja
r/o R-63, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/214.—Whereas, I,
G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. R-63 situated at Greater Kailash-I, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One 2½ Storeyed House No. 63, mg. 8200 sq. ft. situated
at Greater Kailash-I, New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pushpa Wanti
r/o R-63, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagdish Chand Rakhija
r/o R-63, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/215.—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R-63 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One 2½ Storeyed House No. R-63, mg. 3200 sq. ft. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—516GI/79

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/6-79/213.—Whereas, I, G. C. AGARWAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-572 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ishwar Chand Gupta
s/o L. Sh. Ram Chander Gupta,
r/o A-11, Greater Kailash Enclave-II,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. S/Shri Prem Narain Mehra
2. Pradeep Narain Mehra
3. Mrs. Kiram Mehra,
2/6, Ansari Rd. Daryaganj,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-572, Measuring 550 Sq. Yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR.III/6-79/212.—Whereas, I,
G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-217 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Yogender Pal Aggarwal,
r/o 3936, Gali Kasera Wali,
Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Vijay Krishan Mehta & Mrs. Veena Mehta
r/o A-88, New Delhi South Extension,
Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ Storeyed house bearing No. S-217, Greater Kailash-II, New Delhi-110048, measuring 250 Sq. mts. (3000 sq. yds.)

G. C. AGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/204.—Whereas, I,
G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-158 situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gian Devi Pargal,
w/o Late Shri M. R. Pargal
r/o Ludhiana. (Punjab) (Transferor)
- (2) 1. Dr. H. K. Pargal,
s/o Late Shri M. R. Pargal
r/o 74M Sunder Nagar, New Delhi
2. Dr. (Mrs.) Pritoo Parga,
w/o Dr. H. K. Pargal
r/o No. 74, Sunder Nagar,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used, herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-158, Defence Colony, New Delhi, Area 325 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 14th June, 1979.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 11th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III.6-79/191.—Whereas, I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Village Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Banarsi Dass Chadha & Bros.
D-16, Lajpat Nagar, New Delhi,
through its Partners Shri Banarsi Dass Chadha,
Shri Dharampal Chadha, Shri Sudhir Chadha &
Shri Pradeep Chadha.
(Transferor)
- (2) Adarsh Farms,
8/27, East Patel Nagar, New Delhi,
through its partner Sh. Kailash Berry.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 16 Bighas & 3 Biswas situated at Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 23-6-1979.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 11-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 11th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/189.—Whereas, I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Village Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 20-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Banarsi Dass Chadha & Bros.
D-18, Lajpat Nagar, New Delhi,
through its Partners Shri Banarsi Dass Chadha,
Shri Dharampal Chadha, Shri Sudhir Chadha &
Shri Pradeep Chadha.

(Transferor)

(2) Adarsh Farms,
8/27, East Patel Nagar, New Delhi,
through its partner Sh. Kailash Berry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 16 Bighas & 16 Biswas situated at village Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 20-6-1979.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 11-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I.
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 11th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-79/195. —Whereas, I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Village Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Banarsi Dass Chadha & Bros.
D-18, Lajpat Nagar, New Delhi,
through its Partners Shri Banarsi Dass Chadha,
Shri Dharampal Chadha, Shri Sudhir Chadha and
Shri Pradeep Chadha.
(Transferor)
- (2) Adarsh Farms.
8/27, East Patel Nagar, New Delhi,
through its partner Sh. Kailash Berry.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 15 Bighas & 15 Biswas situated at Village Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 30-6-1979.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 11-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 11th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/194.—Whereas, I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Village Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Banarsi Dass Chadha & Bros.
D-18, Lajpat Nagar, New Delhi,
through its Partners Shri Banarsi Dass Chadha,
Shri Dharampal Chadha, Shri Sudhir Chadha and
Shri Pradeep Chadha.

(Transferor)

- (2) Adarsh Farms,
8/27, East Patel Nagar, New Delhi.
through its partner Sh. Kailash Berry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 14 Bighas & 18 Biswas alongwith Tube-well situated at Village Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 27-6-1979,

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 11-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/1073.—Whereas, I, G. C. AGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-4 situated at Krishan Nagar Delhi-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jiwan Bai
Wo Som Nath Sharma
R/o B-4, Krishan Nagar Delhi-51. (Transferor)
- (2) Shri Kanwar Sain Jain
S/o Shri Sulhar Mal Jain,
R/o 113, New Lahore, Shastrī Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-4, area 117-3/5 sq. yds, Khasra No. 584/528, village Gondli abadi Krishan Nagar, New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 12-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/1516.—Whereas, I,
G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-2/16, situated at Safdarjang Development Scheme New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer New Delhi on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kamla Prova Sur
W/o Shri Mriganka Mohan Sur,
R/o 163, Lower Circular Road, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Shri Subhash C. Gautam
S/o Shri Amar Nath Gautam
R/o F-8, Green Park Main New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-2/16, Safdarjang Development Scheme New Delhi area 486 sq. yds. (2½ storeyed building).

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/1073.—Whereas, I, G. C. AGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-4 situated at Krishan Nagar Delhi-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jiwan Bai
Wo Som Nath Sharma
R/o B-4, Krishan Nagar Delhi-51. (Transferor)
- (2) Shri Kanwar Sain Jain
S/o Shri Sulhar Mal Jain.
R/o 113, New Lahore, Shastrī Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-4, area 117-3/5 sq. yds, Khasra No. 584/528, village Gondli abadi Krishan Nagar, New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/1516.—Whereas, I,
G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-2/16, situated at Safdarjang Development Scheme New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer New Delhi on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamla Prova Sur
W/o Shri Mriganka Mohan Sur,
R/o 163, Lower Circular Road, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Shri Subhash C. Gautam
S/o Shri Amar Nath Gautam
R/o F-8, Green Park Main New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-2/16, Safdarjang Development Scheme New Delhi area 486 sq. yds. (2½ storeyed building).

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 8th February 1980

Ref. No. III-371/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Holding No. 281, Plot No. 90 Portion of Holding No. 25, S. Plot No. 2450, M. Holding No. 712, Ward No. VI IB etc. situated at Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 20-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amal Kumar Banerjee,
S/o Late Mahendra Narayan Banerjee,
R/o 84A, Rajaballav Street,
Shyampur, Calcutta. (Transferor)

(2) 1. S/Shri Sajjan Kumar, Agarwal
2. Santosh Kumar Agarwal
3. Mahendra Kumar Agarwal &
4. Jitendra Kumar Agarwal
R/o Kanta Toli Chawk, Ranchi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

12 Kathas 1 Chataks 3 Sq. ft. land in Holding No. 281, Khas Mahal, Plot No. 90, Portion of Holding No. 25, S. Plot No. 2450, Portion of Municipal Holding No. 712 Ward No. VIIB, Previously 463 in Ward No. VII old 40 & 41 in Ward I, Ranchi more fully described in deed No. 5706 dt. 20-6-79, registered with D.S.R. Ranchi.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 8-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,

BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 13th February 1980

Ref. No. III-374/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Taouzi No. 9, Kahata No. 2, Plot No. 237 (Part) Thana No. 10, Khewat No. 1 etc. situated at Bahadurpur, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 21-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bihar Cable Company, Kankarbagh Road, Police Station Sultanganj, District, Patna through the partners, namely :—
 - (i) Sri Madan Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
 - (ii) Dr. Shanti Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.

- (iii) Smt. Suresh Kumari Bishnoi, W/o Sri Ratan Lal Bishnoi, R/o Shri Krishana puri, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
- (iv) Shri Anjani Kumar Bishnoi, S/o Sri Madan Lal Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
- (v) Sri Uday Bishnoi, S/o Sri Ratan Lal Bishnoi, R/o Shri Krishanapuri, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
- (vi) Shri Devendra Kumar Singh, S/o Shri Rajendra Kumar Singh, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
- (vii) Shri Jogendra Kumar Singh, S/o Shri Rajendra Kumar Singh, R/o Baradari, Police Station Kotwali, District Muradabad, Police Station Kotwali, District Muradabad (UP) both by caste Bishnoi, by profession business, representing themselves through their lawful Attorney, Shri Ratan Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Shri Krishanapuri, Police Station Kotwali, District, Patna.

(Transferor)

- (2) Shrimati Lakshmi Devi Sharaf, W/o Shri Hari Prasad Sharaf, Advocate, R/o Exhibition Road, P.S. Wotwali, District Patna

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Kathas land at Bahadurpur alongwith boundry walls and one room and a well bearing auzi No. 9, Khata No. 2, Plot No. 237 (Part) Thana No. 10 Khewat No. 1 etc. more fully described in deed No. 2646 dated 21-6-79 registered with the Sub-Registrar, Patna City.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 13-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 8th February 1980

Ref. No. III-371/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Holding No. 281, Plot No. 90 Portion of Holding No. 25, S. Plot No. 2450, M. Holding No. 712, Ward No. VI IB etc. situated at Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 20-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amal Kumar Banerjee,
S/o Late Mahendra Narayan Banerjee
R/o 84A, Rajaballav Street,
Shyampur, Calcutta. (Transferor)
- (2) 1. S/Shri Saijan Kumar, Agarwal
2. Santosh Kumar Agarwal
3. Mahendra Kumar Agarwal &
4. Jitendra Kumar Agarwal
R/o Kunta Toli Chawk, Ranchi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 Kathas 1 Chataks 3 Sq. ft. land in Holding No. 281, Khas Mahal, Plot No. 90, Portion of Holding No. 25, S. Plot No. 2450, Portion of Municipal Holding No. 712 Ward No. VIIB, Previously 463 in Ward No. VII old 40 & 41 in Ward I, Ranchi more fully described in deed No. 5706 dt. 20-6-79, registered with D.S.R. Ranchi.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 8-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,

BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 13th February 1980

Ref. No. III-374/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the In-come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Taouzi No. 9, Kahata No. 2, Plot No. 237 (Part) Thana No. 10, Khewat No. 1 etc. situated at Bahadurpur, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 21-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bihar Cable Company, Kankarbagh Road, Police Station Sultanganj, District, Patna through the partners, namely :—
 - (i) Sri Madan Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
 - (ii) Dr. Shanti Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.

- (iii) Smt. Suresh Kumari Bishnoi, W/o Sri Ratan Lal Bishnoi, R/o Shri Krishana puri, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
- (iv) Shri Anjani Kumar Bishnoi, S/o Sri Madan Lal Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
- (v) Sri Uday Bishnoi, S/o Sri Ratan Lal Bishnoi, R/o Shri Krishanapuri, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
- (vi) Shri Devendra Kumar Singh, S/o Shri Rajendra Kumar Singh, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
- (vii) Shri Jogendra Kumar Singh, S/o Shri Rajendra Kumar Singh, R/o Baradari, Police Station Kotwali, District Muradabad, Police Station Kotwali, District Muradabad (UP) both by caste Bishnoi, by profession business, representing themselves through their lawful Attorney, Shri Ratan Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Shri Krishanapuri, Police Station Kotwali, District, Patna.

(Transferor)

- (2) Shrimati Lakshmi Devi Sharaf, W/o Shri Hari Prasad Sharaf, Advocate, R/o Exhibition Road, P.S. Kotwali, District Patna

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Kathas land at Bahadurpur alongwith boundry walls and one room and a well bearing auzi No. 9, Khata No. 2, Plot No. 237 (Part) Thana No. 10 Khewat No. 1 etc. more fully described in deed No. 2646 dated 21-6-79 registered with the Sub-Registrar, Patna City.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 13-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 8th February 1980

Ref. No. III-373/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 438, Thana-4, Khata No. 97, Plot 605 etc situated Kazipur, Kadamkuan, Patna (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 27-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

26—516GI/79

- (1) Shrimati Rudra Rani Devi,
W/o Late Babu Dhanushdhari Prasad, Advocate,
R/o Kadamkuan, P.O. Block New Area, Patna-3.
(Transferor)
- (2) Shrimati Kalawati Devi,
W/o Shri Dwarika Prasad,
R/o Kadamkuan, P.O. Kadamkuan, Patna-3.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1 Kathas 7 Dhurs 8 Dhurki with double storeyed building at Kazipur, Kadamkuan, Patna-3, more fully described in deed No. 4107 dated 27-6-1979 registered with D.S.R. Patna.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 8-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 13th February 1980

Ref. No. III-375/Acq./79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tauzi No. 9, Khata No. 2, Plot No. 237 (Part) Thana No. 10 Khewat No. 1 situated at Bahadurpur, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 26-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bihar Cable Company, Kankarbagh Road, Police Station Sultanganj, District, Patna through the partners, namely :—
 - (i) Sri Madan Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bisanoi, by profession business.
 - (ii) Dr. Shanti Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bisanoi, by profession business.

- (iii) Smt. Suresh Kumari Bishnoi, W/o Sri Ratan Lal Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
- (iv) Shri Anjani Kumar Bishnoi, S/o Sri Madan Lal Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
- (v) Sri Uday Bishnoi, S/o Shri Ratan Lal Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
- (vi) Shri Devendra Kumar Singh, S/o Shri Rajendra Kumar Singh, and Shri Jogendra Kumar Singh, S/o Shri Rajendra Kumar Singh, R/o Baradari, Police Station Kotwali, District Muradabad, Police Station Kotwali, District Muradabad (UP) both by caste Bishnoi, by profession business, representing themselves through their lawful Attorney, Shri Ratan Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Shri Krishnapuri, Police Station Kotwali, District, Patna.

(Transferors)

- (2) Smt. Indu More, W/o Shri Kamal Prasad More, Advocate, R.K. Avenue, P.S. Pirbahore, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Kathas 8 Dhurs 10 Dhurki in Tauzi No. 9, Khata No. 2, Plot No. 237 (Part) Thana No. 10, Khewat No. 1 with boundary, walls and one godown with four rooms at Bahadurpur, Patna more fully described in deed No. 2645 dt. 26-6-79 Registered with Sub-Registrar, Patna City.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 13-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 14th February 1980

Ref. No. III-376/Acq./79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal holding No. 344, present holding No. 344C Ward No. 1, Thoka No. 248 situated at Giridih (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Hashi Choudhury,
W/o Krishna Prasanna Chowdhury,
R/o Moonidih, Dt. Dhanbad.
(Transferor)
- (2) Smt. Kalpana Nag Chowdhury,
W/o Shri Bankim Chandra Nag Chowdhury,
R/o No. 28, Hari Ghose Street, Calcutta.
(Transferee)
- (3) Shri A. K. Bhattachariya, (Tenant)
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12½ Kathas of Land with a third storeyed building at Giridih being part of former Municipal Holding No. 344 Present Holding No. 344C of Ward No. 1 Thoka No. 248 situated at Giridih more fully described in deed No. I-3825 dated 13-7-79 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 493/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop Nos. 2-3-9 and 2-3-10 situated at M.G. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sri A. N. Veerabhadra,
2. A. S. Jayakumar,
3. A. T. Nagender, H. No. 6/A St. Johan's Road, Bangalore.
S. No. 1, H. No. 136, Prenderghast Road, Secunderabad.
S. No. 2 H. No. 20, Chittaranja Avenue, Teyanampet, Madras. (Transferor)
- (2) Shri Mahedi Ali, No. 55 of 2-3-9 and 10 at M. G. Road, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi Nos. 2-3-9 and 2-3-10 situated at M. G. Road, Secunderabad, registered vide Document No. 1889/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 394/79-80.—Whereas, I.K.K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 16, 17 situated at Shaikpet Village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. M. Khaja S/o M. Balay Saheb,
H. No. 5-9-303 at Gunfoundry, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) 1. S/Sri Alluri Satyanarayana Raju, R/o K. T. Road, Thirupathi.
2. A. Vijaya Kumar Raju,
3. A. Sita Devi, W/o Satyanarayana Raju, both at K. T. Road, Thirupathi.
4. P. Varalakshmi, W/o Narasimha Raju, R/o Kallakurn, Bhimavaram.
5. P. Bangaramma, W/o P. V. Narasimha Raju, R/o Kothuru,
6. P. Nirmala, W/o Narasimha Raju, R/o Yendagandi, Bhimavaram Tq.
7. A. Mallikarjuna Raju, R/o K. T. Road, Tirupathi,
8. A. Gopala Raju,
9. A. Krishnam Raju,
10. P. Narasimha Raju, Bhimavaram Tq. Kallakuru, Villg. W-Gadawarl Dt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in survey No. 16 and in 17, total area 9 Acsrs 24½ guntas situated at Shaikpet, Hyderabad, registered vide Document No. 1745/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 495/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-4-435/A situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sri Kishan Rao S. Karwankar,
2. Srinivas Rao, K. Karwankar,
3. Smt. Rukmini Bai. K. Karwankar,
4. Kum. Gitanjali, all residing at 5-4-435 at Station Road, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Kakatiya Constructions Pvt. Ltd., Compaly, at 5-4-435 Station Road Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed Building M. No. 5-4-435/A at Station Road, Nampally, Hyderabad, admeasuring 727 Sq. Yds. registered vide Document No. 3784/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad,

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Shaw Builders, 22-7-269/3 at Dewan Dewdi Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Haji Abdul Aziz S/o Hasham,
H. No. 15-7-503 Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC, No. 496/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 43 situated at 22-7-269/43 Dewan Dewdi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Azampura on June '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 43, in the premises No. 22-7-269/43 at Dewan Dewdi, Hyderabad, registered vide Document No. 1781/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 497/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 356 situated at Moulalai, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East in June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Indira Jagwani,
2. Ruma Devi,
3. Raju Bhuroomal, C/o R. Kishanchand, G.P.A.
H. No. 144 Prenderghast Road, Secunderabad.
(Transferor)
(2) Industrial Workers Weaker Section Co-operative House Building Society, Ltd., Represented by President Sri T. Yellaiah Gowd,
H. No. 805 SRT-Sanatnagar, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing S. No. 356, situated at Moulalai, Malkajgiri Panchayat, Secunderabad, admeasuring 12 Acres, 15 Guntas, registered vide Doc. No. 6520/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 498/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 298/1 & 299/1 situated at Malkajgiri, Villg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—
27—516GI/79

- (1) 1. S/Sri P. V. C. Thimmaraju,
2. P. Subba Raju,
3. Ch. Ramakrishna Raju,
4. K. Ramchandra Raju,
5. Smt. M. Janikamma, all residing at H. No. 1/191 Lingoiguda, Villg. Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. The Modern Co-operative House Building Society Ltd., represented by Sri V. Veerabhadra Rao, H. No. 4-1-624 at Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land S. No. 298/1 and 299/1 admeasuring 1 Acs. 20 Guntas, situated at Malkajgir villg. Secunderabad, registered vide Doc. No. 5804/79 in the office of the Sub-Regist. Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980
Seal -

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 499/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 298/1 situated at Malkajgiri Villg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad-East on June-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. S/Sri P. V. C. Thimma Raju,
2. P. Subbaraju,
3. Ramakrishna Raju,
4. K. K. Raju,
5. Smt. M. Janakamma, all residing at
H. No. 1/191 at Lingojiguda Villg. Hyderabad.
(Transferor)

(2) M/s. The Moderan Co-operative House Building Society, Ltd. its Representative Sri V. R. Veerabhada Rao, H. No. 4-1-624 at Troop Bazar, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land S. No. 298/1 admeasuring One Acre, 24 Guntas situated at Malkajgiri Village, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5842/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. S/Sri O. Bhaskara Reddy,
2. O. Prabhakar Reddy,
3. O. Pratap Reddy, all residing at H. No. 8-2-540/5 at Road No. 4 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Smt. Shanni Devi, W/o Meghraj Khurana,
2. Smt. Premrata Khurana W/o Sri Om Prakash Khurana both residing at H. No. 3-4-874/1 at Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 500/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-3-969 situated at Yellarediguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

House M. No. 8-3-969, situated at Yellarediguda, admeasuring 1073 Sq. Yds. (Srinagar Colony), Hyderabad, registered vide Doc. No. 1936/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 501/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land 8, No. 74 situated at Fathenagar Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) National Engineering Enterprises,
H. No. 8-4-368/A at Sanathnagar, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Auric Engineering Pvt. Ltd.,
H. No. 8-4-368/A, Sanathnagar, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey N. 74, admeasuring 5908,012 Sq. M. land situated at Fathenagar Village, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1898/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 502/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/8 Share in situated at 5-1-680, & 680/1, Bank St. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. S/Sri S. Raghavan,
2. Ranjit Raghavan,
3. Raja Lakshmi,
4. Vedamma, all residing at Plot No. 7 at Sreenagar Colony, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Sapahtagiri Real Estates Private Ltd.,
4-3-74 at Hill Street, Ghansmandi,
Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of 5/8th share in M. No. 5-1-680 and 680/1 situated at Bank Street, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3733/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 503/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/8th share situated at 5-1-680 & 680/1 Bank St. Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sri S. Ranganatha,
2. Dilip Ranganathan,
3. Sandeep Ranganathan,
4. Pradeep Ranganathan,
all residing at H. No. 5-1-680 Bank St., Hyd.
(Transferor)
- (2) Sri Saptagiri Real Estates Private Ltd.,
H. No. 4-3-74 Hills Street, Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/8th share in House M. No. 5-1-680 and 5-1-680/1 situated at Bank street, Hyderabad, registered, vide Doc. No. 4449/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 14th February 1980

Ref. No. RAC. No. 504/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-3-865/B situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

(1) Smt. Fareeda Farzana W/o Mohd. Riyasath Ali Khan, G.P.A. Smt. Roquua Begum, H. No. 6-3-865/A, Begumpet, Hyderabad.
(Transferor)

(2) 1. Sri Mohd. Kaleem Farooq,
2. Mohd. Sameem Faisal, (both minors) represented by mother Smt. Ruieesa Rehana Saleem, 6-3-865/A Begumpet, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 6-3-865/B, Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 1924/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th February 1980

Ref. No. RAC. No. 505/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. No. situated at 278, 286 Alwal, Hyd. Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on June-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sri P. Basavaiah,
2. P. B. Ragvender,
3. P.B. Omker,
4. P. B. Mohan, all residing at 4/25 Old Alwal, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Indira Nagar Co-operative Housing Society Ltd.,
8-3-222 at Yousufguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 278 and 286 admeasuring 34 guntas situated at Lothukunta, Alwal, Hyderabad-Dist. (Rangareddy Dist.), registered vide Doc. No. 1245/79 in the Office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. S/Sri P. Mallappa,
2. P. Krishna (Minor)
H. No. 4/25 at Alwal, Secunderabad.
(Transferor)

- (2) Indira Nagar Cooperative Housing Society, Ltd.
H. No. 8-3-222/B/2 Indiranagar, Yousufguda,
Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th February 1980

Ref. No. RAC. No. 506/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 278, 286 situated at Alwal Lothkunta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—516GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 278 and 286, admeasuring 34 guntas situated at Lothkunta, Alwal, gram Panchayat (Rangereddy-Dist. registered vide Doc. No. 1243/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th February 1980

Ref. No. RAC. No. 507/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. No. 278 & 286 situated at Lothkunta Alwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad-West on June-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri P. Nagender Rao,
2. P. Suchender, both residing at H. No. 1-2-399 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Inderanagar Cooperative Housing Society Ltd.,
Represented by Sri A. Tata Rao,
H. No. 8-3-222/B/7 at Indiranagar Yousufguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 278 and 286 admeasuring 23 guntas situated at Lothkunta, Alwal, Rangereddy-Dist, registered vide Doc. No. 1242/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri B. Ramaswamy, 5-9-22/76, Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nazima Ansari, Alias Nazimunnisa Begum, W/o Sri Hamid Ansari, 8-2-466/1, at Road No. 4 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 14th February 1980

Ref. No. RAC. No. 508/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3rd floor of 5-9-22/76 situated at Adarshnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Hyderabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

3rd floor flat No. 2 in building M. No. 5-9-22/76 admeasuring 1200 Sq. ft. situated at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 3433/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Tayaba Majeed Khan, 3-5-782/A at King Koti, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Mirza Wajid Baig,
H. No. 16-2-851/A at Saidabad, Hyderabad.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th February 1980

Ref. No. RAC. No. 509/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land in 16-2-866/2 situated at Saidabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 659 Sq. Yds. adjacent to H. No. 16-2-866/2 situated at Saidabad, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3552/79 in the office of the Joint Sub Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th February 1980

Ref. No. RAC. No. 510/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land in S. No. 15 & 19 situated at Yousufguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Kothapally Swamy,
2. Sri Kothapally Jeethai, both residing at
Yousufguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Government Medical Store Dept. Employees
Co-operative Housing Society Ltd.,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2000 Sq. Mets. in survey No. 15 and 19 situated at Yousufguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1731/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th February 1980

Ref. No. RAC. No. 511/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land S. No. 15, 18, 19 situated at Yousufguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.

- (1) S/Sri Kothapally Malliah,
2. K. Srisaifam.
3. K. Yadgiri,
4. Sudarshan,
5. K. Prakasah,
all residing at Yousufguda, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Government Medical Store Dept Employees
Cooperative Housing Society Ltd.,
Sanjeevareddynagar, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3,158 Sq. Mets. situated in survey No. 15, 18 and 19 at Yousufguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1732/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th February 1980

Ref. No. RAC. No. 512/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-22/75 situated at Adarshnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri P. Ramachandra Rao, 5-9-22/75 at Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. S/Sri Smt. Kalavathi,
2. Bhagatram,
3. Giridharilal,
4. Brijlal,
5. Ananath,
all residing at 5-9-22/75 at Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 5-9-22/75 situated at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Doc. 3342/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-2-1980
Seal :

FORM FINS

(1) Sri A. N. Rajagopal, Rep. by Sri U. P. Jagadiah,
68-B, Kingsway, Secunderabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Prabhudayal, 11-4-656/1 at Red Hills,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 513/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Pot. 11-4-656/1 situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 11-4-656/1 at Red Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3285/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(11 OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 514/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Port. 11-4-656/1 situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—516GI/79

- (1) 1. Smt. Lakshmi Nataraja Iyer,
2. Sharada Ramanandhan both residing at
H. No. 3-6-779 Himyatnagar, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sri Deendayal S/o Mukaram, Agarwal,
R/o Macherial, Adilabad-Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 11-4-656/1 at Red Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 3290/79 in the office of the Joint Sub-Regist. Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 515/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port. 11-4-656/1 situated at Red Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Miss Nandini, D/o late A. N. Ramanadhan by G.P.A. Sharada Ramanadhan, 3-6-779 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Santoshkumari, W/o Sham Sunder Agarwal, R/o Mancherla, Adilabad-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 11-4-656/1 at Red Hills, Hyderabad registered vide Doc. No. 3289/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 516/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Port. 11-4-656,
situated at Red Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vijayalakshmi w/o Varadarajan,
G.P.A., Sarada Ramanadhan,
3-6-779, Himayatnagar,
Hyderabad.
2. Smt. Gita Ganesh, W/o P. Ganesh,
G.P.A. of No. 1.
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Mukundlal, S/o
Sri Girdharilal Agarwal,
21-1-748 at Patel Market. Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 11-4-656/1 at Red Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3288/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 517/79-80.—Whereas I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-10-66/A, situated at Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Mehrunnisa Begum,
H. No. 7-1-616 at Amcerpet, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sri P. Jeer s/o late P. M. Chakrapani,
Block No. 450 at Lallaguda,
Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 6 in Survey No. 29, 189, in M. No. 1-10-66/A at Begumpet, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1659/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 518/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. No. 83, 84, situated at Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sri Syed Azam s/o Iate Aziz,
H. No. 2-2-22, at Bagh Amberpet,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s Tulasi Co-operative Housing Society, Ltd.,
r/o C.T.I. Road, Nallakunta,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in survey No. 83 and 84, admeasuring 5,243 sq. yds. situated at Bagh Amberpet, Hyderabad, registered vide Document No. 3294/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 519/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land S No. 83, 84, situated at Bagh Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Syed Azam,
s/o late Aziz,
H. No. 2-2-22 at Bagh Amberpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Tulasi Cooperative Housing Society, Ltd.,
C.T.I. Road, Nallakunta,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land in survey No. 83, and 84 at Bagh Amberpet, Hyderabad, admeasuring 6145 sq. yds. registered vide Doc. No. 3397/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 520/79-80. —Whereas I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land S No. 83, 84, situated at Bagh Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Syed Azam,
H. No. 2-2-22 at Bagh Amberpet,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s Tulsi Cooperative Housing Society, Ltd.,
C.T.I. Road, Nallakunta,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in survey No. 83 and 84 situated at Bagh Amberpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3319/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 521/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-176, situated at Fathehnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri P. Venkateshwara Rao, s/o Narayana, H. No. 2-16 at Fathehnagar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) S/Sri 1. A. Narasimha Reddy, 2. A. Sreerama Reddy, H. No. 1-28, and 1-29 at Pallerla Ramannapet, Tq, Nalgonda-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-176 on plot No. (0.5) S. No. 20, 21, ad-measuring 2005 sq. yds at Fathenagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1264/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-West.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 523/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-347/20, situated at Dwarakapuri Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

30—516GI/79

- (1) Sri V. Sivananda Reddy,
G.P.A. V. Venkataramana Reddy,
H. No. 3-6-267 at Himayatnagar,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) S/Sri M. V. Subbu Rao,
2. Smt. Dr. K. Bhaskarama,
H. No. 1-10-193 at Ashoknagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st floor of H. No. 6-3-347/20 at Dwarakapuri Colony, Hyderabad, registered vide Doc. 3612/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC.No. 524/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 194/3, 4, situated at Toli Chowki, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sri Indur Jaisinghani,
s/o Sri Kartar Singh,
2. Kartar Singh, Uaisinghani,
both at 9-4-132 at Toli Chowki,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri S. A. Salam,
s/o S. Mahboob Miah,
6-3-1086/3 at Somajiguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 3 Acres. 5 Guntas in S. No. 194/3 and 194/4 at Toli Chowki, Hyderabad, and Two Poultry Sheds, and Well, registered vide Doc. No. 1845/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Kartar Singh Jaisinghani,
9-4-132 at Toli Chowki,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri S. Mahaboob Miah,
H. No. 6-3-1086/3
at Somajiguda,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC.No. 525/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 194/3 & 194/4

situated at Toli Chowki, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 194/3 and 194/4 admeasuring 1.8 Acs. situated at Tolichowki, Hyderabad, M. No. 9-4-132 registered vide Doc. No. 1846/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 526/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 193/4, 194/4, situated at Toli Chowki, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Nalini Kriplani,
2. Kartar Singh Jaisinghani,
H. No. 9-4-132 at Toli Chowki,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Surtaiya Quadir,
6-3-1086/3 at Somajiguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 1.6 Acre in S. No. 194/3 and 194/4, Poultry shed, 3 Servants, quarters, 2 store rooms and bath room, situated at Torli Chowki, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1847/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 527/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, 2-3-662/2, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sri Mohammed Sirajuddin,
H. No. 261/B at Malakpet,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Mohammed Arif Sajjad Mirza,
H. No. 22-2-380 at Hussaini Mohalla,
Hyderabad-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-3-662/2, situated at Azad Nagar Amberpet, Hyderabad, admeasuring 824 Sq. Yds registered vide Doc. No. 3723/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 528/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

22-2-1088, situated at Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Y. Vinodamma, w/o
Y. D. Prasada Rao,
2. Sri Y. Mohan Rao,
both at H. No. 2-2-1088 at Amberpet,
Hyderabad.

(Transferors)

- (2) Smt. K. Bhavani, w/o
Sri K. Damodar Rao,
2-2-1088 at Amberpet,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-2-1088 at Amberpet, Hyderabad, admeasuring 400 Sq. Yds registered vide Document No. 3442/79 in the office of the Joint-Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Dilawar Banu, at Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Bashirunnisa, r/o
1/16th in Dillu Appartment, Begumpet,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 529/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Port 1/16th, situated at Dillu Appartment, Begumpet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Undivided share of portion 1/16th in Dillu Appartment, situated at Begumpet, Secunderabad, registered vide Document No. 1559/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 530/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 336, situated at Moosapet, Ranga Reddy Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad (west) on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Radhe Shyam,
(ii) Smt. Tara Devi,
49B, Sundernagar,
Hyderabad.

(Transferors)

- (2) (i) Sri P. Mallesh & others,
H. No. 2-48, Moosapet,
Hyderabad West Tq.
Rangareddi Distt.
(ii) K. Sailoo, 1-42, Moosapet,
(iii) Sk. Mahboob 8-4-422/7,
Erragadda, Hyderabad.
(iv) B. J. Reddi,
No. 12, Moosapet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry agricultural land in Sy. No. 336 at Moosapet, West Tq., Rangareddi Dist. registered through document No. 1147/97 at the S.R.O. Hyderabad West.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 531/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

plot in survey No. 118/2 & 118/4, situated at Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairatabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—516GI/79

- (1) P. Sarangapani, s/o
P. S. Narayanan,
5-3-140, Kottah, Hanumakonda,
Warangal Dt.
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Ch. Lakshmi, w/o
Ch. Bhasker Rao,
(Madhira, Khammam Dist),
6-3-252/4 Irramanzil,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot measuring 600 sq. yds. in Survey No. 118/2 & 118/4, situated at Panjagutta, Hyderabad, registered through document No. 1935/June 79 at Khairatabad, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC, No. 532/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1B, situated at Guddimalkapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. Venkateswara Rao,
12-2-725/23, P & T Colony,
Rethi bowli, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) The Serwell Co-operative Housing Society Ltd.,
P&T Colony, Rethibowli,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of 2,873.75 sq. yds. plot 1B, situated at Guddimalkapur registered through document No. 1918/June 1979 at the S.R.O. Khairtabad.

K. K. VEER

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri P. Ramachandra Rao, 12-2-725/23, P & T Colony, Rethibowli, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Serwell Co-operative Housing Society Ltd., P & T Colony, Rethibowli, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

ASHRAM ROAD, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

RAC Ref. No. 533/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1A situated at Guddimalkapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of 2873.75 sq. yds. situated at Guddimalkapur, registered through document No. 1917/79 at S.R.O. Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-2-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 16th February 1980

RAC Ref. No. 534/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Panjagutta, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairatabad in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mohd. Abdul Haq, S/o late Mohd. Abdul Raheem 10-3-287/3, Shantinagar, Hyderabad. (Transferor)
(2) Shri T. Sesha Reddi, S/o T. Satyanarayana Reddi, 6-3-454/455, Panjagutta, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1321 sq. yds. situated at Panjagutta, Hyderabad registered through document No. 1899/79 at S.R.O., Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Rabia Asif Mirza, & others 1-86, Hababiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Syed Ziaullah Hussaini & others 23-1-642/3, Moghulpura, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 16th February 1980

RAC Ref. No. 535/79-80.—Whereas, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-2-8 situated at A.C. Guards, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O. Hyderabad in June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 10-2-8, A.C. Guards, Hyderabad registered through document No. 3293/79 at S.R.O., Mozamjai Market, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th February 1980

Ref. No. TT/79-80/316.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land in village Dhand situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Tehsil in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kumari Jeeto and Prito ds/o Chanan Singh r/o Dhand, Teh. Tarn Taran. (Transferor)
- (2) S/Shri Kulwinder Singh, Harsa Singh, Harjinder Singh, Hardev C/o Mukhtar Singh r/o Dhand, Teh. Tarn Taran. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 71 kanals 8 marlas 2/3 share 107 kanals 1 marla Nehri situated in Village Dhand, Teh. Tarn Taran as mentioned in the sale deed No. 440 dated 14-6-79 of the registering authority Tarn Taran.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Acquisition Range,
3, Chanderpuri taylor road, Amritsar

Date : 11-2-1980.
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/317.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 Share in shop Guru Bazar ASR.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Hira Devi wd/o Shri Narpal Rai self and Mukhtar Khass Min Janab Shmt. Shakuntla Devi d/o Narpal Rai and Shri Madan Mohan, Shri Om Parkash, Shri Kishore Chand r/o Bazar Gujran, Amritsar
(Transferor)(2) Shmt. Parkash, anti w/o Shri Kishan Chand r/o Guru Bazar Shop No. 173/2 Amritsar.
(Transferee)(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in a shop No. 173/2 situated in Guru Bazar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 664/I dated 1-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Acquisition Range,
3, Chanderpuri tyol road, AmritsarDate : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. JBL/79-80/318.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land in village Jhabal Kalan, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Jhabal in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Wadhawa Singh s/o Alla Singh r/o Jhabal Khurd.
(Transferor)
- (2) Shri Avtar Singh s/o Bhola Singh r/o Jhabal Khurd.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 56 K 8 marlas situated in village Jhabal Kalan (kind of land Chahi) as mentioned in the sale deed No. 416 dated 13-6-79 of the registering Authority Jhabal.

M. L. MAHAJAN, IRS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar
 3, Chanderpuri taylor road, Amritsar

Date : 11-2-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/319. Where—reas, I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Shastri Nagar ASR, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chanchal Khanna w/o Sri Krishan Kumar Khanna r/o Gagar Mal Road, Ktr. Sher Singh Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar s/o Sri Ram, Smt. Renu Seth w/o Surinder Kumar and Manish Kumar (Minor) r/o Kothi No. 59, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1000 sq. yds. situated in Shastri Nagar, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 740/I dated 6-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Nirmal Khanna w/o Vijay Khanna r/o 368 Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/320.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Shastri Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Surinder Kumar s/o Siri Ram, Smt. Renu Seth w/o Surinder Kumar r/o Kothi No. 59, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land khasra No. 623 min situated on Lawarance Road, Shastri Nagar Scheme No. 62, as mentioned in the sale deed No. 758/I dated 7-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri tyolor road, Amritsar

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/321.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Queens Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mohinder Kaur wd/o S. Karam Singh and Satish Inder Singh s/o S. Charan Singh r/o 3, Queens Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Shantil Devi w/o S. Jit Singh r/o 17-Maqbul Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 8 consisting of 266.7 sq. mtrs situated on Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 689/I dated 4-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/322.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Karmo Deori, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Shiv Lal Harparshad, Bazar Karmo Deori through Shri Harparshad s/o Shri Shiv Lal self and Mukhtar aam Min Janab Sri Ram Kishan, Sri Prem Nath, Sri Kewal Krishan, Sri Vijay Kumar all sons. (Transferor)
- (2) Shri Bahadur Singh s/o Kesar Singh and S. Rajinder Singh s/o Bahadur Singh r/o Sharif Pura Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s).
 1. M/s. Gopal Dass Sanjay Kumar.
 2. M/s. Gian Chand Mahajan & Sons.
 3. Janak Raj s/o Shri Kishan Chand.
 4. M/s Pawan Kumar and Co.
 5. M/s Pawan Kumar & Co.
 6. S. Joginder Singh s/o Pal Singh.
 7. Shri Kishan Kumar Mahajan.
 8. Shri Naval Kumar Khanna.
 9. M/s Sat Pal Om Parkash.
 10. M/s R. K. Vijay Kumar.
 11. M/s Brij Lal Khanna & Sons.
 12. Shri Brij Khanna.
 13. Shri Shiv Kumar s/o Dina Nath.
 14. M/s Sant Ram & Sons.
 15. M/s Sant Ram Vijay Kumar.
 16. Shri Chaman Lal s/o Sarwan Lal.
 17. M/s Dev Raj Kishore Chand.
 18. M/s Ashok Kumar & Bros.
 19. S. Harmohinder & Co.
 20. M/s Dev Raj Kishore Chand.
 21. Shri Amrit Mahajan.
 22. M/s Balwinder Singh & Co.
 23. S. Uttam Singh s/o Teja Singh.
 24. M/s Vaishno Textiles.
 25. M/s Chaman Lal & Sons.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property/building No. 2342-43 and 830, 662 situated in Karmo Deori Shiv Market as mentioned in the sale deed No. 690/I dated 4-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/323.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

One property situated at Karmo Deori, Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Shiv Lal Har Parshad Bazar, Karmo Deori, Amritsar, through Sri Har Parshad s/o Shri Shiv Lal self and Mukhtar- aam Min Janab Sri Kewal Krishan, Sri Prem Nath, Ram Krishan, Sri Vijay Kumar his sons.

(Transferor)

- (2) Shri Man Singh Gulati s/o Harnam Singh Gulati, S. Satinder Singh s/o Harnam Singh r/o 20/cantt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s).
1. M/s. Gopal Dass Sanjay Kumar.
2. M/s. Gurn Chand Mahajan & Sons.
3. Janak Raj s/o Shri Kishan Chand.
4. M/s Pawan Kumar & Co.
5. M/s Pawan Kumar & Co.
6. S. Joginder Singh s/o Gopal Singh.
7. Shri Kishan Kumar Mahajan.
8. Shri Naval Kumar Khanna.
9. M/s Sat Pal Om Parkash.
10. M/s R. K. Vijay Kumar.
11. M/s Brij Lal Khanna & Sons.
12. Shri Brij Khanna.
13. Shri Shiv Kumar s/o Dina Nath.
14. M/s Sant Ram & Sons.
15. M/s Sant Ram Vijay Kumar.
16. Shri Chaman Lal s/o Sarwan Lal.
17. M/s Dev Raj Kishore Chand.
18. M/s Ashok Kumar & Bros.
19. S. Harmohinder & Co.
20. M/s Dev Raj Kishore Chand.
21. Shri Amrit Mahajan.
22. M/s Balwinder Singh & Co.
23. S. Uttam Singh s/o Teja Singh.
24. M/s Vaishno Textiles.
25. M/s Chaman Lal & Sons.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property/building No. 2342-43 and 830, 662 situated in Karmo Deori Shiv Market as mentioned in the sale deed No. 905/1 dated 20-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/324.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Karmo Deori, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Shiv Lal Har Parshad Bazar Karmo Deori Amritsar, through Sri Har Parshad self Mukhtar aam Min Janab Sri Ram Krishan, Sri Prem Nath Sri Kewal Krishan, Sri Vijay Kumar on behalf of his sons.
(Transferor)
- (2) Smt. Tajinder Kaur wd/o S. Surinder Singh & S. Tejpal Singh s/o S. Sarinder Singh r/o Sharifpura, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s),
 1. M/s. Gopal Dass Sanjay Kumar.
 2. M/s. Gian Chand Mahajan & Sons.
 3. Janak Raj s/o Shri Kishan Chand.
 4. M/s Pawan Kumar & Co.
 5. M/s Pawan Kumar & Co.
 6. S. Joginder Singh s/o Gopal Singh.
 7. Shri Kishan Kumar Mahajan.
 8. Shri Naval Kumar Khanna.
 9. M/s Sat Pal Om Parkash.
 10. M/s R. K. Vijay Kumar.
 11. M/s Brij Lal Khanna & Sons.
 12. Shri Brij Khanna.
 13. Shri Shiv Kumar s/o Dina Nath.
 14. M/s Sant Ram & Sons.
 15. M/s Sant Ram Vijay Kumar.
 16. Shri Chaman Lal s/o Sarwan Lal.
 17. M/s Dev Raj Kishore Chand.
 18. M/s Ashok Kumar & Bros.
 19. S. Harmohinder & Co.
 20. M/s Dev Raj Kishore Chand.
 21. Shri Amrit Mahajan.
 22. M/s Balwinder Singh & Co.
 23. S. Uttam Singh s/o Teja Singh.
 24. M/s Vaishno Textiles.
 25. M/s Chaman Lal & Sons.

- (4) Any other.
(Person in occupation of the property)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property/building No. 2342-43 and 830, 662 situated in Karmo Deori Shiv Market, as mentioned in the sale deed No. 800/1 dated 12-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/325.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3 share in Kothi situated at Rego Bridge, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sulakshna Aggarwal w/o Shri Charanjiv Lal Aggarwal r/o 53 Daya Nand Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Lal & Raj Pal ss/o Jia Ram r/o Katra Sher Singh Nai Abadi, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in kothi No. 8 situated on G.T. Road, near Rego Bridge, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 721/I, dated 5-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/326.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3 share in Kothi situated at Rego Bridge, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sulakshna Aggarwal w/o Shri Charanjiv Lal Aggarwal r/o 53, Dia Nand Nagar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar and Kishori Lal Ss/o Shri Jia Ram r/o Ktr. Sher Singh, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in kothi No. 8 Min & No. 1260/CL situated on G.T. Road, Rego Bridge, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 720/I, dated 5-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

- (1) Shri Om Parkash s/o S. Diwan Chand r/o Ktr. Parja Kucha Miser Beli Ram, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Jagdish Raj s/o Shri Sant Ram r/o Ktr. Parja inside Ktr. Miser Beli Ram, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/327.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property at Kucha Miser Beli Ram, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

33—516GI/7

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in house No. 115/12 and No. 313/X11-3 situated in Ktr. Kucha Miser Beli Ram, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 935/I, dated 6-6-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri taylor road, Amritsar

Date : 13-2-1980
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/328.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Kucha Miser Beli Ram, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chaman Lal s/o Shri Diwan Chand r/o Ktr. Parja, Kucha Miser Beli Ram, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Jagdish Raj s/o Shri Sant Ram r/o Katra Parja, Kucha Miser Beli Ram, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any,
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other,
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in house No. 115/12 and No. 313/XII-3 situated in Ktr. Parja, Kucha Miser Beli Ram, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 778/1, dated 11-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/329.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Kucha Miser Beli Ram, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pashori Lal s/o Shri Diwan Chand r/o Ktr. Parja, Kucha Miser Beli Ram, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Jagdish Raj s/o Sant Ram r/o Ktr. Parja, Kucha Miser Beli Ram, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in One house No. 115/12 and No. 313-XII-3, situated in Ktr. Parja, Kucha Miser Beli Ram, as mentioned in the sale deed No. 799/J, dated 19-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/330.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop situated at Ktr. Aluwalia, ASR,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Hans Raj Vidhya Parkash r/o 2nd Floor Hanuman Building Bombay through Mohinder Kumar self, Vidhya Parkash and Mohinder Kumar ss/o Vidhya Parkash through Mohinder Kumar Mujadar Mukhtiar. (Transfector)
- (2) Smt. Mena Wati w/o Shri Brij Lal r/o Katra Aluwalia, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. 1040/2 old and new No. 1669/II-23 and 106/II 23 situated in Katra Aluwalia, as mentioned in the sale deed No. 995/I, dated 29-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/331.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Ranjit Pura Putlighar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Sh. Kishore Choud, s/o Rani Partap r/o Amritsar Dia Nand Nagar, Shri Roshan Lal s/o Jai Gopal r/o Dia Nand Nagar, ASR.

(Transferor)

(2) Shri Harinderjit Singh s/o Lal Singh r/o House No. 4397/23 Ranjit Pura Putlighar Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed on a land measuring 234 sq. mtrs situated in Ranjit Pura Putlighar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 840/1, dated 15-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980.
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/332.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Ranjitpura Putlighar Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kishore Chand s/o Sri Ram Partap and Shri Roshan Lal s/o Shri Jogan Pal r/o Din Nand Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Jasbir Kaur d/o Shri Shisham Singh r/o House No. 4397/XIV-23 Ranjit Pura, Putlighar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed on an area measuring 234 sq. mtrs situated in Ranjitpura Putlighar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 841/I, dated 15-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/333.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Tarn Taran Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kawaljit Singh s/o Shri Kalyan Singh r/o Chowk Baba Bhoori Wala, Amritsar, (Transferor)
- (2) S. Surjit Singh s/o Gopal Singh and S. Satnam Singh s/o S. Surjit Singh r/o Chowk Baba Bhoori wala, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. Shri Balbir Singh, Bombay Textile Mills and Shri B. P. Textiles, Mills. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 3161/A/XVI situated on Tarn Taran Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 929/I, dated 21-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/334.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shops situated in Bazar But Malkan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR, Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pushpa Lata wd/o Shri Pran Nath r/o House No. 2836/2 Bazar But Malkan Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Savitri Devi w/o Shri Om Parkash r/o Bhojti Distt. Behar Dhanbad and Smt. Prem Lata w/o Shri Madan Lal r/o House No. 118 Bazar Mori Ganj Amritsar.
(Transferee)
- (3) M/s Jagan Nath Khanna for Rs. 70/- p.m.
M/s Uma Textile Agencies for Rs. 75/- p.m.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops No. 2836/2 situated in Bazar But Malkan Amritsar as mentioned in the sale deed No. 777/I, dated 11-6-79 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/335.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land situated at Sultanwind Road, Amritsar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34—516/79

- (1) Smt. Jagir Kaur w/o Shri Amrik Singh r/o Gobindgarh Distt. Patiala through S. Gurcharan Singh s/o Prem Singh r/o Hamidpur Teh. Amritsar (Mukhtar Aam).

(Transferor)

- (2) M/s Akash Foundary, works Sultan Wind Road, Amritsar, through S. Surinder Singh Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 726 sq. yds. situated on Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 843/I, dated 15-6-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/336.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One building No. 1731 to 1737 situated at Karmo Deori Amritsar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kewal Krishan Avtar Kishan Kapur ss/o Ram Dass Kapur & Sham Dass s/o Dr. Gurditta Mal r/o Majitha Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Sudesh Kumar Khanna & Raj Kumar ss/o Shri Ram Murti Khanna Rita Khanna w/o Sudesh Kumar & Kamla Khanna w/o Ram Murti r/o 350 Shastri Market, Amritsar.
(Transferee)
- (3) Shri Shori Lal Dwarka Dass @60/- p.m.
Shri Shiv Kumar 50/- per month.
Shri Bhagat Singh Rs. 50/- per month.
Shri Jagdish Lal @ Rs. 25/- p.m.
Shri Dwarka Nath @ Rs. 25/- p.m.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 1731 to 1737 situated in Karmo Deori Amritsar as mentioned in the sale deed No. 801/I dated 10-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-2-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/337.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. 549 situated at Basant Avenue, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chuni Lal s/o Shri Barita Mal r/o Kothi No. 549, Basant Avenue, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Girdhari Lal s/o Shri Bhajan Lal r/o Kt. Ahluwalia Gali Lala Wali, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Kothi No. 549 situated in Basant Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 944/I, dated 22-6-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-2-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/339.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Ktr. Sher Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sardarni Uminder Kaur wd/o S. Binod Singh herself and guardian of Bibi Jaia Kaur, Harsanran Kaur Vasant Kaur and Sukhmani Kaur her daughters, Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Varyam Singh, Makhan Singh, Darshan Singh ss/o Harnam Singh, r/o 62, Rani Ka Bagh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenants.
 1. Shri Devi Dayal 5/- p.m.
 2. Shri Devi Dayal 12/- p.m.
 3. Gian Chand 32/- p.m.
 4. Harnam Singh 15/- p.m.
 5. Balwant Rai 8/- p.m.
 6. Madan Mohan 10/- p.m.
 7. Harnam Singh 20/- p.m.
 8. Hans Raj 15/- p.m.
 9. Ram Pal 20/- p.m.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2046/12 situated in Katra Sher Singh (area 335 sq. yds.) as mentioned in the sale deed No. 765/dated 6-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-2-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/340.—Whereas, I M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Plot of land at Krishan Nagar, Lawrance Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harish Kumar s/o Sh. Bhagwan Dass r/o Ktr. Parja, Amritsar
(Transferor)
- (2) Smt. Mohinder Kaur w/o Shri Harbhajan Singh r/o Lawrance Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any Person(s) in occupation of the Property
- (4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land khasra No. 641, Min situated at Krishan Nagar, Lawrance Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 990/I dated 29-6-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 13-2-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/341.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Agrl. land in village Baserke, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Avtar Singh, Iqbal Singh, Nirvel Singh Ss/o Gurdial Singh r/o Village Baserke, Teh. Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Baldev Singh, Jagir Singh Ss/o Gurniemat Singh r/o Kala Ghanupur, Tehsil Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any Person(s) in occupation of the Property
- (4) Any other [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 35 kanals 17 marlas situated in village Baserke, Teh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1898/11-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 13-2-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/342.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Plot of land at Queens Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mohinder Kaur wd/o S. Karam Singh & Satish Inder Singh s/o Charan Singh r/o 3, Queen Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) S. Jaspal Singh s/o Jit Singh r/o 17-Maqbul Road, Amritsar.
(Transferee)

(3) S/Shri Saptu & Gulab Singh tenants.
Person(s) in occupation of the Property

(4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 1 with rooms on the back side situated on queens road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 680/I dated 4-6-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 13-2-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/343.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building Jail Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Keshav Chander s/o Sh. Gurdas Mal self & S.A. of Kamal Kumar his brothers & Sh. Raman Kumar, Jagdish Kumar Ss/o Sh. Mulakh Raj r/o Tahli Sahib, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Kewal Krishan s/o Sh. Babu Ram, Smt. Nirmal W/o Sh. Kewal Krishan, Santokh Kumari d/o Sh. Babu Ram, r/o B. R. Modern School, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any Person(s) in occupation of the Property

- (4) Any other [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 21 situated on Plot No. 137, Jail Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 780/I dated 11-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 13-2-80

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/344.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at One building in Gali Upplan, Guru Bazar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

35—506GI/79

(1) Hajur Baba Madhusudhan Singh s/o Baba Davinder Singh r/o Una Distt. Una.

Amritsar.

(2) Smt. Ajit Kaur w/o Bahadur Singh, Jasmit Kaur w/o Rajinder Singh, Hans Raj s/o Bhanju Ram, Swinder Singh, Surinder Kaur w/o Surjit Singh, r/o Sharifpura Rani Bazar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any Person(s) in occupation of the Property

(4) Any other [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 198/2 Rakba No. 158/II-3 situated in Guru Bazar, Gali Upplan, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 835/I dated 15-6-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 13-2-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/345.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop in Darshani Deori Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ASR in 4 June 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Ram Piari wd/o Sh. Om Parkash, Smt. Kamlesh Kapur d/o Om Parkash w/o Sh. Ram Dass Kapur r/o Kennedy Avenue, Amritsar and Sh. Suresh Kumar s/o Sh. Om Parkash r/o bazai Guru Kucha Shivala wala Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Banarsi Dass Mahajan s/o Sh. Ram Rattan, Sh. Davinder Kumar, Sh. Narinder Kumar Ss/o Sh. Banarsi Dass, r/o Bazar Darbar Deori, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any M/s. Banarsi Lal Mahajan & Sons 60/p.m. Sh. Ravi Chand Shingari 70/- p.m.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person(s) interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop two storeyed No. 3406/2, 733/2 situated in Darshani Deori, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 695/1 dated 4-6-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road

Date : 14-2-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th February 1980

Ref. No. Ajnala/79-80/346.—Whereas J. M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at Ajnala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SR at Ajnala in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Haibhajan Singh s/o Sh. Kartar Singh 9/88, Smt. Puran Kaur wd/o Sh. Gurdial Singh Sh. Rattan Singh, Sh. Harbans Singh, Sh. Amrik Singh Ss./o Sh. Gurdial Singh and Smt. Paramjit Kaur d/o Sh. Gurdial Singh 79/88 share, r/o Ajnala Distt. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Dharam Singh S/o Dewan Singh s/o Sh. Jhanda Singh r/o Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the property]

- (4) Any other [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 4 kanals 8 marlas situated in Ajnala Distt. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1008 dated 1-6-79 of the registering authority Ajnala.

M. L. MAHAJAN, IRS.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range

3, Chanderpuri Tylor Road,

Amritsar.

Date : 15-2-80.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th February 1980

Ref. No. Ajnala/79-80/347.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Village Ajnala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Ajnala in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harbhajan Singh s/o Sh. Kartar Singh s/o Lachhman Singh r/o Ajnala, Distt. Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Dharam Singh s/o Dewan Singh Sh. Jhanda Singh r/o Ajnala Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 8 K 12 M situated in Town Ajnala, Distt. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1127 dated 5-6-79 of the registering authority, Ajnala.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 15-2-80.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/348.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot

situated at Race Course Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Kuldip Singh s/o Sh. Munshi Ram c/o Kuldip Electric works, Hall Bazar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Rajinder Singh S/o Sh. Kartar Singh r/o Tehsilpura, Gali No. 3, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any other person(s) interested in the property
(Person(s) whom the undersigned knows be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 251 sq. yds situated in Race Course Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 737/I dt. 6-6-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 18-2-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/349.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

One plot at Rani Ka Bagh
Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Sh. Bhim Sain s/o Rup Lal, Shanti Sarup, Davinder Kumar s/o Rup Lal Bajria Bhim Sain Mukhtar Aam r/o Model Town Delhi now at Amritsar.
(Transferor)

(2) Smt. Champa Rani w/o Jagdish Chand r/o Rani Ka Bagh, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 262 1/2 sq. mtrs situated in Rani Ka Bagh as mentioned in the sale deed No. 732/I dated 6-6-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 18-2-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/350.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot at Rani Ka Bagh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Bhim Sain s/o Rup Lal, Shanti Sarup & Davinder Kumar s/o Rup Lal Bajria Bhim Sain Mukhtar Aam r/o Model Town Delhi now at Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Vijay Sharma w/o Ashok Kumar House No. 187 Rani Ka Bhagh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)

- (4) Any other person(s) interested in the property (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 241 sq. mtrs situated in Rani Ka Bagh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 707/I dated 4-6-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar

Date : 18-2-80.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/351.—Whereas I. M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Sohian Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Naranjan Kaur wd/o Kesar Singh r/o Sohian Kalan, Tehsil Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Jang Bahadur, Kashmiri Lal, Kasturi Lal, Dwarka Nath Ss/o Behari Lal r/o Sohian Kalan Tehsil Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)

- (4) Any other person(s) interested in property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 44 kanals 9 marlas situated in village Sohian Kalan Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2105 dated 14-6-79 of the registering authority, Amritsar, Tehsil.

M. L. MAHAJAN, IRS.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.Date : 20-2-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/338.—Whereas I. M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 kothi No. 549 at Basant Avenue, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June, 1970

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
36—516GI/79

(1) Sh. Chuni Lal Gupta s/o Sh. Berita Mal r/o 549, Basant Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Reshma Rani w/o Sh. Girdhari Lal r/o Gali Lala wali, Ktr. Ahluwalia, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in kothi No. 549 situated in Basant Avenue, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 957/I dated 25-6-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar,

Date : 13-2-80

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. CHD/67/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1353, Sector 34-C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Cap. Mann Singh Chahal s/o Sh. Karam Singh, r/o 112, Infantry Battalion (T.A.) Jullundur Cantt, through special Attorney Sh. Garish Bhasin s/o Sh. Pindi Dass Bhasin resident of SCF 6, Sector 22-D, Chandigarh.

(Transferee)

- (2) Smt. Bhagwanti w/o Sh. Pindi Dass Bhasin & Shri Vinod Kumar s/o Sh. Pindi Dass Bhasin, residents of 1562, Sector 34-D, Chandigarh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1353 situated at Sector 34-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 377 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-2-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. CHD/65/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 52, Sector 15-A situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sarwan Singh s/o Sh. Sunder Singh
r/o H. No. 3359 Sector 23-D Chandigarh
(Permanent resident of 1/A, Chandernath
Chatterjee Street, Calcutta-25).

(Transferor)

- (2) Sh. Gurmeet Singh Tusri s/o Sh. Munsha Singh & Smt. Rajinder Kaur w/o Sh. Gurmeet Singh Tusri
resident of Vill, Rangian P.O. Morinda Teh. &
Distt. Ropar (Now resident of 295, Sector 15-A,
Chandigarh).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52 situated at Sector 15-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 355 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. CHD/116/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2318 Sector 35-C, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Joginder Nath Magan s/o Late Sh. Gurmukh Ram Magan r/o H. No. 23, Sec. 32, Double Storey Moti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Atam Sarup Chopra s/o Sh. Dawarka Dass Chopra, resident of House No. 1076, Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2318 situated at Sector 35-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 595 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. CHD/64/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2, Sector 21-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely :—

(1) Smt. Gurbaksh Kaur Sandhu w/o Lt. Col. Surinder Singh Sandhu resident of House No. 13, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh Gillin s/o Sh. Gian Singh Vill. Bhungarni Distt. Hoshiarpur through General Attorney S. Bakhtawar Singh s/o Sh. Thakur Singh resident of 1313, Railway Road, Garshankar Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) (i) Sh. Lal Chand Arora s/o Panna Lal, Distt. Hoshiarpur.

(ii) Sh. Harbhajan Singh Prop. Panchhi Enterprise, H. No. 2, Sector 21-A, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2, situated in Sector 21-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 353 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. CHD/119/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1415 situated at Sector 34-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to **between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Ravi Kant, Sudhir Mohan & Vijay Kumar sons of Sh. Ishar Dass Basi, resident of House No. 1922, Sector 22-B, Chandigarh, (Transferor)
- (2) Shri Sadhu Singh Gopal s/o Sh. Buta Ram Gopal resident of H. No. 1849, Sector 34-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1415, situated at Sector 34-C, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 638 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Sangat Ram & Mohinder Pal
ss/o Sh. Ratti Ram,
Lower Bazar, Solan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

(2) S/Shri Inder Singh, Surinder Kumar
ss/o Sh. Sant Ram
c/o M/s. Sant Ram Madan Lal, Mull. Road,
Solan (H.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. SOI /7/79-80.—Whereas I. SUKHDEV CHAND,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Plot of land measuring 732 sq. mt. situated at Lower Bazar,
Solan (H.P.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Solan in July 1979

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I

have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 732 sq. mts. situated at Lower
Bazar, Solan.

(The property as mentioned in the sale deed No. 173 of
July, 1979 of the Registering Authority, Solan).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 7-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. NBA/83/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop property situated at Bhambran Bazar, Nabha Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in June, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Pal son of Shri Des Raj resident of Mukeria Street, Nabha Distt. Patiala.
(Transferor)
- (2) Smt. Sawitri Devi wd/o Sh. Dewan Santosh Kumar resident of Diwan Street, Nabha.
(Transferees)
- (3) M/s. Santosh Glass House,
Bhambrah Bazar, Nabha.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop property situated at Bhambran Bazar, Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 925 of June, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/5/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 16 kanals situated at Village Diugarh Sub-Teh. Patran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
37—516GI/79

(1) S/Sh. Jagwant Singh, Labh Singh, Bhupinder Singh, Karam Singh & Hargobind Singh ss/o Sh. Hardial Singh r/o Diugarh Sub-Tehsil Patran.

(Transferor)

(2) Shri Gauri Shankar son of Shri Suraj Bhan resident of Patran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 16 kanals situated at Vill. Diugarh Sub-Teh. Patran.

(The property as mentioned in the sale deed No. 467 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7 Feb. 1980
Seal ;

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/4/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 45 kanal 7 marlas situated at Vill. Diugarh Sub-Teh. Patran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Jagwant Singh, Labh Singh, Bhupinder Singh, Karam Singh & Hargobind Singh ss/o Sh. Hardial Singh resident of Village Diugarh Distt. Patiala Sub-Teh. Patran.

(Transferor)

- (2) S/Shri Dwarka Dass, Rishi Pal, Dhali Ram alias Janak Raj, Parm Ved and Khazan Chand sons of Sh. Gauri Shankar Resident of Patran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arl. land measuring 45 kanal 7 marlas situated at Vill Diugarh Sub-Teh. Patran.

(The property as mentioned in the sale deed No. 466 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7 Feb. 1980

Seal :

FORM 11NS

(1) S/Sh. Joginder Singh & Mohinder Singh
ss/o Sh. Amar Singh resident of Vill. Sutrana
Tehsil Patran.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Attar Chand, Simla Ram & Roshan Lal
ss/o Sh. Lal Chand, residents of Sutrana Sub-Teh.
Patran.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/21/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 54 kanals situated at Vill. Sutrana Sub-
Teh Patran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 54 kanals situated at Vill. Sutrana
Sub-Teh. Patran.

(The property as mentioned in the sale deed No. 779 of
June, 1979 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 7 Feb. 1980
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Bhamvinder Singh s/o Sh. Chet Singh
Resident of Lower Mall, Patiala.
(Transferor)
- (2) Shri Om Parkash Jain son of Shri Seeta Ram Jain,
Jand Gali, Patiala.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTA/130/79-80.—Whereas I, SUKHDEV Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 437-5/9 sq. yds. situated at New Lal Bagh Opp. Polo Ground, Lower Mall Road, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 437-5/9 sq. yds. situated in New Lal Bagh Opp. Polo Ground, Lower Mall Road, Patiala,
(The property as mentioned in the sale deed No. 1734 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-2-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. SMN/20/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 87 kanal 9 marlas situated at Vill. Kutabana Teh. Samana Distt. Patiala

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samana in June, 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhajan Lal son of Shri Jawahar Lal
Resident of Samana. (Transferor)
- (2) Shri Harjinder Singh s/o Sh. Sucha Singh,
resident of Vill. Kutaban Teh. Samana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 87 kanals 9 marlas situated at Kutaban Teh. Samana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 489 of June, 1979 of the Registering Authority, Samana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/6/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 68 kanals 3 marlas situated at Village Khanewal Sub-Teh. Patran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Hardev Singh, Baldev Singh, Darshan Singh & Lila Singh ss/o Sh. Hazura Singh resident of Village Khanewal Sub Teh. Patran.

(Transferor)

- (2) Shri Balwant Singh son of Shri Lachhman Singh resident of Village Khanewal Sub-Teh. Patran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 68 kanals 3 marlas situated at Vill. Khanewal Sub-Teh. Patran.

(The property as mentioned in the sale deed No. 478 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7 Feb. 1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/14/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 61 kanals 12 marlas situated at Vill. Khanewal Sub-Teh. Patran Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) S/Sh. Daya Singh & Bir Singh
ss/o Sh. Nihal Singh resident of Khanewal, Sub-Teh. Patran Distt. Patiala.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Hardev Singh, Baldev Singh & Darshan Singh, Leela Singh ss/o Sh. Hazorra Singh resident of Village Hariaon Kulan Sub-Teh. Patran Distt. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 61 kanals 12 marlas, situated at Vill. Khanewal Sub-Teh. Patran Distt. Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 595 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7 Feb. 1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/18/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agrl. land measuring 72 kanals 2 marlas situated at Vill. Khanewal Sub-Teh. Patran Dist. Patiala

(and more fully described in the Echeduled annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Harpal Singh s/o Sh. Gujar Singh resident of Village Khanewal Sub-Teh. Patran Distt. Patiala.
(Transferor)

(2) S/Sh. Kirpal Singh, Gian Singh, Mewa Singh & Basakha Singh ss/o Sh. Chuhar Singh resident of Hariao Kalan Sub-Teh. Patran Distt. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 72 kanals 2 marlas situated at Vill. Khanewal Sub-Teh. Patran Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 667 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-2-1980

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1980

(1) S/Shri Kirpal Singh, Gian Singh & Mewa Singh
Ss/o Shri Chuhar Singh,
Resident of Hariao Kalan Sub-Teh. Patran,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Virsha Singh & Bir Singh
Ss/o Shri Nihal Singh,
Resident of Village Khanewal Sub-Teh. Patran,
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. PTR/13/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 51 kanal 1 marlas
situated at Vill. Khanewal Sub-Teh. Patran Distt. Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in re-
spect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :

38—516GI/79

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 51 kanals 1 marlas situated at Vill.
Khanewal Sub-Teh. Patran Distt. Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No.
594 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th Feb. 1980
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. DBS/31/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 12 kanal 15 marlas situated at Vill. Lohgarh Sub-Teh. Dera Bassi Distt. Patiala has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sukhinder Singh s/o Shri Narinder Singh
S/o Shri Dasaunda Singh,
R/o Village Sanauli Sub-Teh. Dera Bassi,
Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Mrs. Devinder Kaur Sethi
W/o Shri Jaspal Singh s/o Shri Sant Singh,
Resident of 211, Sector 35-A, Chandigarh. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 12 kanals 15 marlas situated at Vill. Lohgarh Sub-Teh. Dera Bassi Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 396 of June, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sunahri w/o Shri Rattan Singh,
Village Banwari Tehsil Rajpura,
Distt. Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sarswati General Mills,
Township Rajpura, District Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. RAJ/69/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land measuring 8 bighas 14 biswas situated at
Village Banwari Tehsil Rajpura, Distt. Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Rajpura in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 bighas 14 biswas situated at Village
Banwari Tehsil Rajpura, District Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No.
1130 of June, 1979 of the Registering Authority, Rajpura.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhim Sain Mehra s/o Radha Ram,
Bazar Bansawala, Jullundur through Shri Kanwar
Sain Mehra General Attorney.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jaswant Rai s/o Shri Nathi Ram,
D.S.P. (Hqrs.) Central Police Office,
Bentony, Simla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. SOL/5/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing

1/2 share of land and building built on land measuring 844
sq. yds. situated at Tank Road, Ser Solan (H.P.)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Solan in June, 1979

for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot measuring 844 sq. yds. and building on
Tank Road, Ser Solan (H.P.).

(The property as mentioned in the sale deed No.
142 of June, 1979 of the Registering Authority, Solan.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. DBS/36/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land measuring 12 bighas situated at Village Nagla Sub-Teh. Dera Bassi Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sher Jang Singh s/o Shri Ranbir Singh
Resident of Village Nagla Sub-Teh. Dera Bassi,
Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) S/Shri Jashmer Singh s/o Shri Kulwant Singh,
Sukhdarshan Singh & Kushal Singh
Ss/o Shri Mehar Singh s/o Shri Chamela Singh,
Resident of Village Nagla Sub-Teh. Dera Bassi,
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 12 bighas situated at Village Nagla Sub-Teh. Dera Bassi Distt. Patiala,

(The property as mentioned in the sale deed No. 468 of June, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTA/174/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2/3 measuring 500 sq. yds. situated at The Mall, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anup Singh & Col. Rupinder Singh
Ss/o Late General Chanda Singh and
Smt. Sukhjot Kaur w/o Shri Kirpal Singh
Resident of General Chanda Singh House, the Mall,
Patiala. (Transferor)
- (2) Dr. Naresh Garg son of Shri Prem Pal Garg,
Resident of 12-Y, the Mall, Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 2 & 3, measuring 500 sq. yds. situated at the Mall, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2243 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th Feb. 1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/8/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land measuring 42 kanals situated at Village Sutrana Tehsil Patran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balbir Singh, Harjit Singh
Ss/o Shri Bhagwant Singh
Resident of Village Sutrana Teh. Patran,
Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) S/Shri Harbhajan Singh & Mangal Singh
Ss/o Shri Amar Singh
Resident of Village Sutrana Sub-Teh. Patran,
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 42 kanals situated in Village Sutrana Sub-Teh. Patran, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 502 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th Feb. 1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/7/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 42 kanals situated at Village Sutrana Sub-Teh. Patran Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Smt. Beant Kaur wd/o Shri Bhagwant Singh and Shri Jasbir Singh s/o Shri Bhagwant Singh
r/o Village Sutrana Teh, Patran,
Distt. Patiala.
(Transferor)
- (2) S/Shri Harbhajan Singh & Jasbir Singh
Ss/o Shri Amar Singh,
r/o Village Sutrana Teh, Patran,
Distt. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 42 kanals situated in Village Sutrana Sub-Teh. Patran Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 501 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th Feb. 1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. CHD/86/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Show room site No. 58, Sector 26 situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

39—5 6GI/79

- (1) (i) Shri Ashok Bansal s/o Shri Banwari Lal Bansal,
(ii) Smt. Mira Bansal w/o Shri Yashvir Bansal
Through General Attorney Shri Ashok Kumar Bansal,
(iii) Smt. Rattan Kumari w/o Banwari Lal Bansal,
(iv) Smt. Sushil Kumari Goyal
(iv) w/o Shri Harish Chandra Goyal.
(v) Smt. Neelam Kumari w/o Shri Mukesh Chander,
(vi) Sh. Yogesh Goyal s/o Sh. Harish Chander Goyal
All residents of H. No. 17, Sector 10-A,
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Hartar Singh Sangha
S/o Shri Bikramjit Sangha and
Smt. Avtar Kaur d/o Shri Charan Singh
Through General Attorney Shri Paramjit Singh of
832, Village & P.O. Kala Sanghian
Distt. Kapurthala.

(Transferee)

- (3) Shri Paramjit Singh Pattar,
SCO 58/25, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show room site No. 58 situated at Sector 26, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 442 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8 Feb. 1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. CHD/124/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1127 situated at Sector 34-C, Chandigarh with house building erected thereon situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Maj. Abjit Lal Teri s/o Shri Nand Lal Teri No. 1, Air Formation, Signal Regiment C/o 56 A.P.O. through Spl. Attorney Shri Dalip Singh Sekhon Sekhon s/o Shri Kartar Singh, Resident of H. No. 287, Sector 23-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Hardial Kaur w/o Shri Dalip Singh Sekhon, Resident of H. No. 1127, Sector 34-C, Chandigarh. (Transferee)
- (4) The Estate Officer Union Territory Chandigarh. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1127 situated at Sector 34-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the saledeed No. 696 of July, 1979 and building erected thereon, of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8 Feb. 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. RAJ/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land measuring 500 sq. yds. bearing No. 22, situated at Guru Nanak Colony, Rajpura Town, Rajpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajpura in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gian Chand Sharma s/o Mulkh Raj Sharma,
Contractor, resident of Roop Nagar
(Ropar).

(Transferor)

(2) Shri Satish Bhardwaj, (Advocate)
Son of Shri Rajinder Nath
Civil Courts, Rajpura Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 500 sq. yds. at 22, Guru Nanak Colony, Rajpura Town Rajpura, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1309 of June, 1979 of the Registering Authority, Rajpura.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8 Feb. 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd February 1980

Ref. No. KNN/16/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 4 kanal 18 Marlas situated at Khanna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rajinder Kaur D/o Shri Amar Singh, R/o Mata Rani Mohalla, Near Gurdwara, Khanna.

(Transferor)

- (2) The Khanna Mandi Crop House Building Co-op. Society Ltd. Bhari (Khanna).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 18 marlas situated at Khanna.

(The property as mentioned in the sale deed No. 498 of 6/79 of the Registering Authority, Khanna.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22 Feb. 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd February 1980

Ref. No. KNN/29/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 4 Kanal 18 Marlas situated at Khanna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gurdial Kaur W/o Shri Amar Singh, Mata Rani Mohala, near Gurdwara, Khanna.

(Transferor)

(2) The Khanna Mandi Co-op House Building Society, Ltd. Bhari (Khanna).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.



THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 18 marlas situated at Khanna. (The property as mentioned in the sale deed No. 756 of 6/79 of the Registering Authority, Khanna.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22 Feb. 1980

Seal :

